शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, रविवार 13 जुलाई 2025 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 03, संवत 2082 ● रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 96 ● मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.9	23.4
डालटनगंज	30.8	24.7
धनबाद	31.5	26.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

बाबा साहेब अंबेडकर से आदिवासी ग्राम व्यवस्था की अनदेखी हुई?

सुधीर पाल

भारतीय संविधान के निर्माण के समय जब भारत अपने भविष्य की नींव रख रहा था, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक था कि लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी और कितनी विकेंद्रित होंगी. संविधान सभा में बाबा साहेब अंबेडकर ने ग्राम स्वराज या पंचायती व्यवस्था के प्रति स्पष्ट विरोध जताया था. उनका कहना था- इन गांवों में कुछ भी आदर्श नहीं है. ये लोग जातिगत भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक अत्याचार के केंद्र हैं. गांव भारत की विकृति का स्रोत हैं, न कि उसकी शक्ति का.

कई विचारकों और आलोचकों का मानना है कि अंबेडकर ने पंचायतों का विरोध करते समय आदिवासी ग्राम व्यवस्था की वास्तविकता को नज़रअंदाज़ किया. समता, संवाद और सामूहिकता पर आधारित आदिवासी गांवों की स्वायत्त और लोकतांत्रिक शासनतंत्र की संरचना से संभवतः वे परिचित नहीं थे, या उसका मूल्यांकन उनकी प्राथमिकताओं में नहीं था. अंबेडकर ने संविधान सभा में पंचायतों को संविधान का अनिवार्य हिस्सा बनाने का विरोध किया. अंततः, पंचायतों को संविधान के नीति निदेशक तत्वों के तहत अनुच्छेद 40 में स्थान मिला, न कि मूल अधिकारों या प्रशासनिक ढांचे में. इसका अर्थ था कि पंचायतों की स्थापना राज्य सरकारों की इच्छा पर निर्भर रहेगी, और यह बाध्यकारी नहीं होगी. यह परंपरागत स्वशासन व्यवस्था को संवैधानिक दर्ज़ा दिए जाने के ऐतिहासिक पहल की भ्रूण हत्या थी.

क्या अंबेडकर आदिवासी ग्राम व्यवस्था को समझ सके

आदिवासी समाज परंपरागत रूप से वर्णाश्रम व्यवस्था से बाहर रहा है. वहां जातिगत ऊंच-नीच की भावना नहीं है, बल्कि समता, सामूहिकता और श्रम के आधार पर सम्मान का बोध होता है. ग्राम सभा वहां न सिर्फ निर्णय लेती है, बल्कि विवाद निपटारे से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक का केंद्र होती है. उदाहरण के लिए झारखंड के हो, मुंडा, संथाल, उरांव, बिरहोर सहित लगभग सभी समुदायों की सामूहिक हित और न्याय पर आधारित पारंपरिक ग्राम व्यवस्था यथा मुंडा-मानकी, महतो, पड़हा, मांझी, पाहन, मांझी हाड़ाम, परगनैत, माझी परगना जीवंत हैं और सामाजिक तथा कानूनी मान्यता है. आदिवासी ग्राम व्यवस्था का आधार भूमि, जल, जंगल पर सामूहिक स्वामित्व है. यह उस निजी संपत्ति आधारित ग्राम व्यवस्था से भिन्न है जिस पैरोकार अंबेडकर थे. महात्मा गांधी ने जहां ग्राम स्वराज और पंचायतों को भारतीय लोकतंत्र की आत्मा माना, वहीं अंबेडकर ने इसे सामाजिक अन्याय का स्रोत बताया. गांधी का मानना था कि गांव आत्मनिर्भर और लोकतांत्रिक इकाई हो सकते हैं, जबकि अंबेडकर ने इसे 'अतीत की कुरीतियों का गढ़' कहा. हालांकि अंबेडकर ने आदिवासी पंचायतों का प्रत्यक्ष उल्लेख कम किया लेकिन उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के लिए अलग प्रशासनिक व्यवस्था, विशेष सुरक्षा और विकास आयोग की वकालत की थी. उनका मानना था कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा की जातिवादी राजनीति से बचाकर, उन्हें स्वायत्तता और संरक्षण मिलना चाहिए. संविधान सभा में जयपाल सिंह मुंडा जैसे नेता आदिवासियों की आवाज बने थे. उन्होंने कहा था कि हम आदिवासी भारतीय सभ्यता के पहले नागरिक हैं, और हमारी सामाजिक संरचना भारत के संविधान की आत्मा के अधिक निकट है. यह वक्तव्य अंबेडकर की ग्राम व्यवस्था की आलोचना के बिलकुल विपरीत खड़ा होता है.

ऐतिहासिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य

संविधान सभा की बहस में अधिकांश सदस्यों का आग्रह था कि ग्राम स्वराज की पुरानी परंपरा के अनुसार देश के प्रशासन को चलाने का प्रावधान किया जाए. अंबेडकर ने व्यंग्य किया कि ऐसा प्रतीत होता है कि इन कथित बुद्धिजीवियों का ग्रामीण प्रेम सर चार्ल्स मेटकॉफ के भारत के गांवों का वर्णन से प्रभावी है. अंबेडकर ने कहा कि भारतीय गांवों ने भले ही विदेशी आक्रमणकारियों के हमले झेले होंगे, परंतु उन्होंने लगभग शुतुरमुर्ग की प्रवृत्ति का परिचय दिया और किसी तरह जीवित रहे भर हैं. अंबेडकर ने बेलाग होकर यह कहा कि यह कथित ग्रामीण गणतंत्र भारत की बरबादी रहे हैं. अंबेडकर का ग्राम पंचायतों पर विरोध के संदर्भ और कारण जातिगत उत्पीड़न थे. गांवों में दलितों के साथ अपमानजनक व्यवहार, मंदिर प्रवेश निषेध, कुओं से पानी न भरने देना जैसी घटनाएं आम थीं. ब्राह्मणवादी पितृसत्ता का ग्राम व्यवस्था में सामंती वर्चस्व बना रहता था. जातिगत श्रेणीकरण के कारण सामाजिक समानता असंभव लगती थी. शोषण की संरचना में ज़मींदार, मुखिया या पाटिल के रूप में ऊंची जातियों का वर्चस्व था, जिससे निम्न जातियों को न्याय नहीं मिलता था. बाबा साहेब को भरोसा नहीं था कि पारंपरिक पंचायतें नए संविधान द्वारा दिए गए मूल अधिकारों का सम्मान करेंगी. लेकिन क्या यह मूल्यांकन आदिवासी गांवों पर भी लागू होता था? क्या अंबेडकर आदिवासी ग्राम व्यवस्था को समझ सके? अंबेडकर ने आदिवासी विद्रोहों के इतिहास को लगभग नजर अंदाज कर दिया अन्यथा वे 'शुतुरमुर्ग' का उदाहरण नहीं देते. बिरसा मुंडा के उलगुलान में या संथाल हूल में या ऐसे ही दर्जनों विद्रोहों में आदिवासी ग्राम व्यवस्था की केन्द्रीय भूमिका रही है. 'कब लड़ाई शुरू होगी, बता दूंगा.

शेष पेज 7 पर...

ब्रीफ न्यूज

रूस ने यूक्रेन पर किया सबसे बड़ा हमला

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने बताया कि रूस ने बीती रात यूक्रेन पर 597 ड्रोन व 26 मिसाइलें दागीं. यह रूस का सबसे बड़ा हमला है. इन ड्रोन में से ज्यादातर शाहेद ड्रोन थे, जो ईरान में बनाए जाते हैं. उन्होंने दुनिया से अपील की कि रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएं, ताकि ऐसे हमले रोके जा सकें. यूक्रेनी वायुसेना ने बताया कि उन्होंने 319 ड्रोन और 25 मिसाइलें मार गिराईं. लेकिन करीब 20 ड्रोन और एक मिसाइल पांच जगहों पर गिरी, जिससे नुकसान हुआ.

सेबी के रडार पर 200 लिस्टेड कंपनियां

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) मार्केट में हेरफेर से निपटने के लिए अपने प्रयासों को तेज कर रहा है और भारतीय शेयर बाजार में कथित पंप-एंड-डंप की बड़े पैमाने पर जांच शुरू करेगा. रिपोर्ट के अनुसार, करीब 200 लिस्टेड कंपनियां बेखबर निवेशकों को शेयर की कीमतें बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के आरोप में जांच के दायरे में हैं. आशंका है कि ये कंपनियां पंप एंड डंप के जरिए शेयर कीमतों में हेरफेर कर रही हैं. सेबी ने पिछले तीन दिनों में 80 से ज्यादा जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया है.

सहारा के पूर्व निदेशक और ब्रोकर गिरफ्तार

कोलकाता। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में सहारा ग्रुप पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है. इनमें सहारा ग्रुप के पूर्व निदेशक अनिल अब्राहम और एक पुराने प्रॉपर्टी ब्रोकर जीतेंद्र प्रसाद शामिल हैं. अनिल अब्राहम और जीतेंद्र प्रसाद पर सहारा ग्रुप की मिलीभगत से कई प्रॉपर्टी गैर-कानूनी तरीके से बेचने और उस धन को मनीलॉन्ड्रिंग के ज़रिए इधर-उधर करने का आरोप है.

– पेज 12 भी देखें

इसरो के मानव मिशन की तैयारियां हुईं तेज

नयी दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को बताया कि उसने गगनयान मिशन के लिए सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है. इसके साथ ही सभी परीक्षण भी पूरे कर लिए गए हैं. इसका 350 सेकंड तक बड़ा परीक्षण किया गया. इसका मकसद यह देखना था कि अगर उड़ान के दौरान गड़बड़ी हो जाए और मिशन को बीच में रोकना पड़े, तो यह सिस्टम सही तरीके से काम करता है या नहीं.

तेजस्वी के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने पर सहमति

पटना। शनिवार को महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक में तेजस्वी यादव के चेहरे पर विस चुनाव लड़ने पर सहमति बनी. तेजस्वी के आवास पर शनिवार को महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक चार घंटे तक चली. इसमें सभी पार्टियों ने तेजस्वी यादव के चेहरे पर ही चुनाव लड़ने पर सहमति जतायी. राजद की ओर से बैठक होने के बाद कहा गया कि तेजस्वी यादव के चेहरे पर गठबंधन में कोई संशय नहीं है, उन्हें सीएम का चेहरा मानने पर सभी संतुष्ट हैं.

प्रधानमंत्री मोदी ने 51,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा, बोले

बिना पर्ची-खर्ची हो रही भर्ती

एजेंसियां। नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देशभर के 51,000 से अधिक नवचयनित युवाओं को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र सौंपे, जो 16वें रोजगार मेले के दौरान आयोजित एक भव्य कार्यक्रम का हिस्सा था. यह कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुआ, जिससे भारत के विभिन्न हिस्सों के युवाओं को सीधे मोदी से जुड़ने और उनके संदेश को सुनने का अवसर मिला.

पीएम मोदी ने कहा कि नौजवान राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं. उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है. पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है. बिना पर्ची, बिना खर्ची.

भारत की असीमित शक्तियां : मोदी ने कहा कि साथियों, आज दुनिया मान रही है कि भारत के पास दो असीमित शक्तियां हैं - एक जनसंख्या और दूसरी लोकतंत्र. यानी सबसे बड़ी युवा आबादी और सबसे बड़ा लोकतंत्र. युवाओं का यह सामर्थ्य हमारे भारत के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी भी है और सबसे बड़ी गारंटी भी. हमारी सरकार इसी पूंजी को समृद्धि का सूत्र बनाने में दिन-रात जुटी है.

बदलता जॉब सेक्टर : उन्होंने कहा कि बदलते हुए समय के साथ 21वीं सदी में रोजगार का स्वरूप भी बदल रहा है. नए-नए क्षेत्र भी उभर रहे हैं. इसलिए बीते दशक में भारत का ज़ोर अपने युवाओं को इसके लिए तैयार करने पर है और इसके लिए अहम निर्णय भी लिए गए हैं. मोदी ने कहा कि आधुनिक जरूरतों को देखते हुए आधुनिक नीतियां बनाई गई हैं. स्टार्टअप, नवाचार और अनुसंधान का जो इकोसिस्टम आज देश में बन रहा है, वह देश के युवाओं का सामर्थ्य बढ़ा रहा है. आज जब मैं नौजवानों को देखता हूं कि वे अपना स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं तो मेरा भी आत्मविश्वास बढ़ जाता है.

रोजगार सृजन की दिशा में सरकार के प्रयास

पीएम मोदी ने कहा कि भारत सरकार का जोर निजी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसरों के निर्माण पर भी है. हाल ही में सरकार ने एक नई योजना को मंजूरी दी है - रोजगार लिंक प्रोत्साहन योजना. इस योजना के तहत सरकार निजी क्षेत्र में पहली बार रोजगार पाने वाले युवाओं को 15,000 देगी. यानी पहली नौकरी की पहली सैलरी में सरकार अपना योगदान देगी. इसके लिए सरकार ने करीब 1,00,000 करोड़ का बजट बनाया है. इस योजना से लगभग 3.5 करोड़ नए रोजगार के निर्माण में मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि आज भारत की एक बहुत बड़ी ताकत हमारा विनिर्माण क्षेत्र है. इसमें बड़ी संख्या में नई नौकरियां बन रही हैं.

झारखंड के भी 25 लोगों को मिले नियुक्ति पत्र

रांची। रोजगार मेला के माध्यम से शनिवार को झारखंड के 25 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया गया. इन अभ्यर्थियों का चयन रेलवे, गृह मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और भारतीय डाक सेवा के लिए हुआ है. झारखंड से कुल 172 अभ्यर्थी चयनित किये गए थे. इस अवसर पर रांची के कांके रोड सीसीएल सभागार में लोगों को संबोधित करते हुए संजय सेठ ने कहा कि देश स्तर पर आयोजित होने वाला यह रोजगार मेला विकसित भारत के लक्ष्य के साथ, सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास को पूर्ण करने का माध्यम बन चुका है.

सरकारी योजनाओं से रोजगार : उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत अब तक 4 करोड़ नए पक्के घर बन चुके हैं और 3 करोड़ नए घर अभी निर्माणाधीन हैं. इन घरों से जुड़े निर्माण कार्यों में मिस्त्री, श्रमिक, कच्चा माल, परिवहन, दुकानदार, ट्रक चालक आदि को रोजगार मिला है. पीएम मोदी ने कहा कि 12 करोड़ नए शौचालयों के निर्माण से प्लंबर, बढ़ई, और विश्वकर्मा समाज से जुड़े लोगों को रोजगार मिला है. उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ नए एलपीजी कनेक्शन दिए गए हैं. इससे बॉटलिंग प्लांट, गैस सिलेंडर निर्माण, एजेंसी, और डिलीवरी के लिए नई नौकरियां पैदा हुई हैं.

ड्रोन दीदी अभियान

पीएम मोदी ने कहा कि नमो ड्रोन दीदी अभियान के तहत लाखों ग्रामीण बहनों को ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग दी जा रही है. खेती के एक सीजन में ड्रोन से काम करने पर लाखों रुपये की आमदनी हो रही है.

लखपति दीदी और स्वरोजगार

पीएम मोदी ने कहा कि देश में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है, जिसमें से 1.5 करोड़ दीदी बन चुकी हैं. ये महिलाएं बैंक सखी, बीमा सखी, कृषि सखी, पशु सखी जैसी योजनाओं में कार्य कर रही हैं.

रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों के लिए सहायता : उन्होंने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत पहली बार फुटपाथ पर काम करने वाले साथियों को मदद मिली है. डिजिटल भुगतान से उन्हें बैंक से सीधा लाभ मिल रहा है.

पारंपरिक व्यवसायों का संरक्षण : पीएम मोदी ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत पारंपरिक व्यवसायों को आधुनिक बनाने के लिए प्रशिक्षण, ऋण, आधुनिक उपकरण आदि दिए जा रहे हैं.

विकास की जिम्मेदारी : उन्होंने कहा कि सरकार को रुकावट नहीं, प्रोत्साहन बनना चाहिए. हर नागरिक को आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए.

खेल और पर्यटन को लेकर मंत्री सुदिव्य ने की माही से मुलाकात

झारखंड को मिलेगा धौनी का साथ

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के खेल एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने शनिवार को महेंद्र सिंह धौनी से मुलाकात की. यह सिर्फ एक शिष्टाचार भेंट नहीं, बल्कि झारखंड में खेल और पर्यटन की नई दिशा तय करने वाला अहम कदम माना जा रहा है. इस मुलाकात की तस्वीरें खुद मंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं. चर्चा ऐसी है कि महेंद्र सिंह धौनी को झारखंड टूरिज्म का ब्रांड एंबेसडर बनाया जा सकता है. यदि ऐसा होता है, तो राज्य की पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत होगी. वहीं खेल के क्षेत्र में भी माही की भागीदारी से झारखंड को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की तैयारी है.

मंत्री सुदिव्य कुमार ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि आज झारखंड के गौरव, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी जी से मुलाक़ात हुई. इस दौरान राज्य में पर्यटन एवं खेल गतिविधियों के विकास को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई. मुझे पूर्ण विश्वास है कि झारखंड में खेल और पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में धौनी जी का सहयोग राज्य सरकार को प्राप्त होगा. उनकी विशेषज्ञता और अनुभव निश्चित रूप से इन क्षेत्रों में विकास को गति प्रदान करेंगे. मालूम हो कि धौनी खुद झारखंड की माटी से निकले हैं. ऐसे में अगर वे सरकार के साथ मिल कर राज्य के युवाओं और पर्यटन को संवारने में भूमिका निभाते हैं, तो यह पूरे प्रदेश के लिए एक बड़ा कदम साबित हो सकता है. अब देखना यह है कि इस मुलाकात के बाद क्या वाकई में धौनी झारखंड टूरिज्म का चेहरा बनेंगे और राज्य के खेल ढांचे में उनकी क्या भूमिका तय होगी.

हाथ में फास्टैग लेकर चलने वालों की खैर नहीं

नयी दिल्ली। अब अगर आप टोल से गुजरते वक्त फास्टैग को गाड़ी के शीशे पर चिपकाने की बजाय हाथ में लेकर चलते हैं तो संभल जाइए. राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने ऐसे लूज फास्टैग वालों पर सख्ती करने का फैसला किया है. दरअसल कुछ वाहन मालिक जानबूझकर फास्टैग को गाड़ी पर नहीं लगाते, ताकि एक ही टैग से कई गाड़ियों का काम चलाया जा सके या चकमा दिया जा सके. एनएचएआई ने टोल प्लाजा पर काम कर रही एजेंसियों को अधिकार दिया है कि वे ऐसे टैग्स की रिपोर्ट तुरंत करें. इसके लिए एक ई-मेल आईडी दी गई है, जहां ये जानकारी दी जाएगी. रिपोर्ट मिलते ही एनएचएआई ऐसे टैग्स को ब्लैकलिस्ट कर देगा ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके. एनएचएआई के मुताबिक, यह कदम इसलिए भी ज़रूरी हो गया है क्योंकि देश में अब मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग और वार्षिक पास जैसी नई तकनीकें लागू की जा रही हैं, जिनमें फास्टैग की सही पहचान और निष्पक्ष उपयोग बेहद जरूरी है. लूज फास्टैग की वजह से टोल लेन में जाम, गलत कटौती और सिस्टम में गड़बड़ी जैसी दिक्कतें सामने आती हैं, जिससे बाकी यात्रियों को भी परेशानी होती है.

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, कहा

पाकिस्तान का समर्थन करना अपराध नहीं, युवक को दी बेल

एजेंसियां। लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का समर्थन करने के आरोपी को जमानत दिये जाने की खबर है. सोशल मीडिया पर पाकि समर्थित पोस्ट डालने वाले छात्र को हाईकोर्ट ने जमानत दी है. जस्टिस एके सिंह देशवाल की पीठ ने यह फैसला दिया है. कोर्ट के अनुसार यदि कोई भारत या किसी विशिष्ट घटना का उल्लेख किये बिना केवल पाकिस्तान का समर्थन करता है, तो यह भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 के तहत अपराध नहीं बनता.

याचिकाकर्ता 18 साल का रियाज मई से जेल में बंद है. उसने इंस्टाग्राम पर लिखा, चाहे जो हो जाए, समर्थन तो बस... पाकिस्तान का करेंगे. कोर्ट ने फैसला दिया कि पुलिस आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है. उसे पूछताछ के लिए कस्टडी में लेने की जरूरत नहीं है. वह जमानत पाने का हकदार है.

याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गयी कि इस पोस्ट से देश की गरिमा या संप्रभुता को कोई ठेस नहीं पहुंचती, क्योंकि इसमें न तो भारतीय ध्वज, न ही देश का नाम या कोई ऐसी तस्वीर थी जिससे भारत का अनादर होता हो. कोर्ट ने कहा कि केवल किसी देश का समर्थन करने से, भले ही वह भारत का शत्रु ही क्यों न हो, भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 के प्रावधानों के अंतर्गत अपराध नहीं कहा जा सकता.

हालांकि सरकार की ओर से इसका विरोध किया गया. कोर्ट ने इमरान प्रतापगढ़ी बनाम गुजरात में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये फैसले का हवाला दिया. कहा, अभिव्यक्ति की आजादी संविधान के मूलभूत आदर्शों में से एक है. कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि धारा 152 में कठोर दंड का प्रावधान है, इसलिए इसे सावधानी से लागू किया जाना चाहिए. इसके बाद कोर्ट ने रियाज़ को पर सशर्त जमानत दे दी.

सावधानी : सिर्फ आरबीआई के रेपो रेट कटौती से नहीं घटेगी आपकी ईएमआई

लाखों का हो सकता है नुकसान, बैंक से करें बात!

शुभम संदेश डेस्क

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में रेपो रेट में 0.50 प्रतिशत की कटौती की है, जिससे यह 6 फीसदी से घटकर 5.50 फीसदी पर आ चुका है. आरबीआई का यह कदम आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और कर्ज लेना सस्ता बनाना है. लेकिन एक सीए का दावा है कि आपको लाखों रुपये का भुगतान करना पड़ सकता है. बिजनेस टुडे के अनुसार, चार्टर्ड अकाउंटेंट ने कहा कि दरों में कटौती के बावजूद, कई लोन लेने वालों की समान मासिक किस्तों (ईएमआई) में तत्काल कमी नहीं देखी जा सकती है. उन्होंने कहा, लोग सोचते हैं कि रेपो दर में कटौती से उनकी ईएमआई अपने आप कम हो जाती है, लेकिन ज्यादातर मामलों में ऐसा नहीं होता. उन्होंने कहा कि लोगों को उपाय करने पड़ते हैं, वरना उन्हें अपने लोन अवधि के दौरान लाखों रुपये का नुकसान हो सकता है. उधार लेने वालों को रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आरएलएलआर) या एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट (ईबीएलआर) से जुड़े लोन पर रेपो रेट कटौती के प्रभाव को समझना होगा. सीए ने कहा, रेपो रेट में कटौती केवल उनके लिए फायदेमंद है, जिनके लोन रेपो दर से जुड़े हैं यानी रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आरएलएलआर) या एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट (ईबीएलआर) के माध्यम से लोन लेने वालों को लाभ मिलता है. उन्होंने आगे कहा कि तब भी, लाभ खुद नहीं मिलता.

90 दिन के अंदर बैंक से बात करें : उधार लेने वालों को अपनी ईएमआई में कमी न मिलने का एक मुख्य कारण यह है कि बैंक आमतौर पर ग्राहकों को ब्याज दरों में कटौती की सूचना पहले से नहीं देते हैं. उधार लेने वालों के पास इन लाभों का अनुरोध करने के लिए 90 दिनों की सीमित अवधि होती है. अगर आप इस अवधि से चूक जाते हैं, तो आने वाले सालों में ज्यादा ईएमआई चुकानी पड़ सकती है. विशेषज्ञ लोगों को सलाह देते हैं कि वे बैंकों से जानकारी के अभाव में ज्यादा भुगतान से बचने के लिए समय पर कदम उठाएं.

लोगों को क्या करना चाहिए : उन्होंने कहा कि लाभ के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आपका लोन रेपो-लिंक्ड है या मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) जैसी पुराने सिस्टम पर बेस्ड है? अगर पुराना सिस्टम है तो आप इसे बदलने पर विचार कर सकते हैं. हालांकि इसके लिए 2 से 5 हजार के बीच शुल्क लग सकता है, लेकिन यह अमाउंट कुछ ही महीने में रिकवर हो जाएगा. एक्सपर्ट यह भी सलाह देते हैं कि आप अपने लोन की रीसेट डेट को कंफर्म करें और कैलकुलेट करें कि आपकी ईएमआई उसी के अनुसार कम हो रही है.

आरबीआई से कर सकते हैं शिकायत : अगर आपकी ब्याज दर कम भी हो जाती है, तो आपको अपने बैंक को आरबीआई परिपत्र 2019 (संशोधित 2024) के अंतर्गत ब्याज रीसेट अनुरोध विषय पर एक ईमेल भेजकर इस कमी की पुष्टि करनी चाहिए. अगर बैंक ऐसा नहीं करता है तो आप इसकी शिकायत आरबीआई की शिकायत प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से कर सकते हैं. एक्सपर्ट संभावित ब्याज दरों में कटौती के मद्देनजर कर्ज लेने वालों की सतर्कता के महत्व पर जोर देते हुए कहते हैं कि सिर्फ इसलिए ज्यादा भुगतान न करें क्योंकि आपका बैंक आपको बताना भूल गया. जल्द से जल्द कदम उठाकर उधारकर्ता रेपो दर में कटौती का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं और अपने लोन की अवधि के दौरान काफी सेविंग कर सकते हैं.

मंत्री सुदिव्य और किशोर ने पर्यटन और वन सचिव के साथ की बैठक

बेतला नेशनल पार्क में टाइगर सफारी के विकास पर खर्च होंगे 250 करोड़ रु

शुभम संदेश। रांची

नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार के कार्यालय में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर की उपस्थिति में पर्यटन सचिव और वन सचिव के साथ शनिवार को बैठक आयोजित की गई. बैठक में झारखंड में पर्यटन और वन क्षेत्रों के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में पलामू क़िला के जीर्णोद्धार को लेकर आईटीआरएचडी की ओर से तैयार की गई डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) की एनआईपी निकाल कर, एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) के अंतर्गत ऐसी एजेंसियों से वेट कराकर टेंडर आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया. इस कार्य को ऐसी एजेंसी को दिया जाएगा जिनके पास पुरातत्विक स्थलों के विकास का पूर्व अनुभव हो.

परियोजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाने का निर्णय

झारखंड ईको टूरिज़्म अथॉरिटी की गवर्निंग काउंसिल और एग्जीक्यूटिव काउंसिल में बदलाव कर, इसके अंतर्गत संचालित परियोजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाने का निर्णय लिया गया. बेतला नेशनल पार्क में टाइगर सफारी के विकास के लिए राजगीर मॉडल को अपनाते हुए, प्रस्ताव को पहले राज्य वन्यजीव बोर्ड से पारित कर, केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को भेजने का निर्णय लिया गया. इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 250 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है.

रघुवर या चंपाई? कौन होगा भाजपा का अगला प्रदेश अध्यक्ष

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर सियासी सरगर्मी तेज है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दो दिवसीय दौरे ने अटकलों को और हवा दे दी है. गुरुवार को पूर्व सीएम रघुवर दास ने अमित शाह से मुलाकात कर लंबी बातचीत की. इसके बाद सियासी गलियारे में चर्चा तेज है कि रघुवर दास प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए अपनी सेटिंग कर चुके हैं. सूत्रों की मानें तो इस बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर लगभग सहमति बन गई है. बस आधिकारिक घोषणा का इंतजार है. अब सवाल यह है कि क्या रघुवर दास ही होंगे बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष या कोई और चेहरा सामने आएगा. क्योंकि प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए कई नेता लॉबिंग कर रहे हैं.

बीजेपी नेताओं का कहना है की अटकलें लगाने से कोई खास फायदा नहीं है. प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा यह तो केंद्रीय नेतृत्व ही तय करेगा. बीजेपी के सीनियर लीडर प्रदीप सिन्हा ने कहा कि अमित शाह रांची में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक के लिए आए थे और इस दौरान रघुवर दास से उनकी संगठन के मसलों पर भी बात हुई होगी. हमारे यहां एक तय प्रक्रिया है उसी के आधार पर प्रदेश अध्यक्ष का चयन होगा.

उधर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के मसले को लेकर कांग्रेस ने तंज कसा है. प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि बीजेपी का हाल तो ऐसा है कि सब चिल्ला रहे हैं. हमको बनाओ, हमको बनाओ. चंपाई सोरेन कह रहे हैं मुझे मौका दो, रघुवर दास कह रहे हैं मेरा अनुभव देखो और बीजेपी का आलाकमान कन्फ्यूज्ड है कि पड़ोसी के बच्चे पर भरोसा करें या अपने बच्चों पर. ये डिसाइड नहीं कर पा रहे. बीजेपी के सामने चुनौती है कि वो प्रदेश अध्यक्ष के रूप में एक ऐसा चेहरा चुने जो आदिवासी और पिछड़े, दलित वोटरों को साधने के साथ संगठन को भी एकजुट रखे. चंपाई सोरेन का नाम मजबूत है क्योंकि उनकी आदिवासी पृष्ठभूमि है, लेकिन रघुवर दास का अनुभव भी कम नहीं.

विलंब में यह भी है प्रमुख कारण: भाजपा के जानकार बताते हैं कि यूपी में फिलहाल ओबीसी अध्यक्ष है. बिहार में भी दिलीप जायसवाल के रूप में ओबीसी अध्यक्ष हैं. यूपी में भी महेंद्र जायसवाल ओबीसी समुदाय से ही हैं. इसलिए यूपी में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होने से पहले झारखंड में किसी ओबीसी नेता को प्रदेश अध्यक्ष बना देना पार्टी के लिए मुश्किल हो रहा है. क्योंकि यूपी में भी अगर ओबीसी ही अध्यक्ष बनाना पड़ गया तो तीनों राज्यों में ओबीसी ही प्रदेश अध्यक्ष हो जाएगा. जबकि 2027 में यूपी में होनेवाले विधानसभा चुनाव के दृष्टिकोण से भाजपा के लिए यूपी के जातीय समीकरण को साधना पहली प्राथमिकता है. इसलिए ज्यादा संभावना है कि यूपी के बाद या यूपी के साथ ही झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के नाम की घोषणा होगी.

बैकवर्ड-फॉरवर्ड को लेकर भी फंस रहा है पेंच

बता दें कि देश के 22 राज्यों में भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव संपन्न करा लिया है. लेकिन झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का चुनाव पंचवर्षीय योजना की तरह लंबा होता जा रहा है. प्रतिपक्ष के नेता बनाए गए बाबूलाल मरांडी ही प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाते चले जा रहे हैं. प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो पाने के पीछ कई कारण गिनाए जा रहे हैं. प्रदेश में मंडल अध्यक्षों, जिलाध्यक्षों का अब तक चुनाव नहीं हो पाना उसमें प्रमुख बताया जाता है. लेकिन इसके इतर राष्ट्रीय पार्टी के लिए राष्ट्रीय समस्या मुख्य कारक के रूप में भाजपा को परेशान कर रहा है. राजनीति में जाति के होनेवाले खेल की तरह जाति ही प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में अड़ंगा डाल रहा है. इसमें झारखंड के पड़ोसी राज्य बिहार और फिर उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे प्रभावी बतायी जा रही है. भाजपा के जानकार सूत्रों के अनुसार भाजपा के लिए झारखंड से पहले यूपी में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव करना प्राथमिकता में है. यूपी में भूपेंद्र चौधरी वर्तमान में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं. वह जाट समुदाय से आते हैं. जाट समुदाय में उनकी मजबूत पकड़ भी है. लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को यूपी में करारा झटका लगा. 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने अपने बूते यूपी में 62 सीटें जीती थी. 2024 के लोकसभा चुनाव में सीटों की संख्या घट कर 33 हो गयी. यूपी में पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों का एक बड़ा वर्ग समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के साथ हो लिए. इसलिए भाजपा को वहां ब्राह्मणों के साथ साथ बैकवर्ड और दलित वोट को साधने वाले नेता की जरूरत है. ऐसे नेता की खोज में भाजपा यूपी में उलझी हुई है.

झारखंड में जल्द होगी 103 पुलिस उपाधीक्षक की पोस्टिंग

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में पुलिस प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है. राज्य सरकार जल्द ही 103 पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अधिकारियों का पदस्थापन करने जा रही है. गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है और अब केवल मुख्यमंत्री की स्वीकृति का इंतजार है.

दो दिनों में हो सकती है अधिसूचना जारी: सूत्रों के अनुसार, संबंधित फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय भेज दी गई है और दो दिनों के भीतर अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है. इसके बाद सभी अधिकारियों की पोस्टिंग उनके नए कार्यक्षेत्रों में की जाएगी.

सम्मान के साथ किया जा रहा प्रोन्नत अधिकारियों का स्वागत: प्रोन्नत डीएसपी अधिकारियों को सम्मानित करने की प्रक्रिया भी राज्यभर में चल रही है. सभी जिलों में वरिष्ठ अधिकारी 'पाइपिंग सेरेमनी' के माध्यम से नवप्रोन्नत डीएसपी को उनके नए रैंक के प्रतीक चिन्ह प्रदान कर रहे हैं. यह प्रक्रिया अधिकतर जिलों में पूरी हो चुकी है.

जल्द संभालेंगे नई जिम्मेदारियां: जैसे ही पदस्थापन की अधिसूचना जारी होगी, सभी अधिकारी अपने-अपने जिलों में नई जिम्मेदारियों को संभालने के लिए रवाना हो जाएंगे. यह कदम राज्य की कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है.

64 पदोन्नत और 39 नवनियुक्त अधिकारी

इन 103 अधिकारियों में से 64 डीएसपी वे हैं, जिन्हें हाल ही में पुलिस निरीक्षक (इंसपेक्टर) पद से प्रमोशन देकर डीएसपी बनाया गया है. वहीं, 39 अधिकारी नवनियुक्त हैं, जिन्होंने हाल ही में अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है.

मोदी-भागवत 75 वर्ष में रिटायरमेंट का वादा निभाएं, पद छोड़ें : कैलाश

रांची। झारखंड प्रदेश राजद के महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने कहा कि भाजपा और आरएसएस को 75 वर्ष की आयु में रिटायरमेंट के अपने सिद्धांत पर अमल करना चाहिए. उन्होंने याद दिलाया कि 2013-14 में भाजपा ने गोवा कार्यकारिणी बैठक में तय किया था कि पार्टी के नेता 75 वर्ष की उम्र के बाद सक्रिय राजनीति से हटकर मार्गदर्शन मंडल में शामिल होंगे.यादव ने कहा कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में इस सिद्धांत की याद दिलाई. ऐसे में जब मोहन भागवत 11 सितंबर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर 2025 को 75 वर्ष के हो रहे हैं, तो उन्हें अपने पद से रिटायर होकर उदाहरण पेश करना चाहिए.उन्होंने कहा कि आडवाणी, जोशी जैसे वरिष्ठ नेताओं को इसी नियम के तहत बाहर किया गया, अब यह भाजपा और संघ की चाल, चरित्र और चेहरा की अग्नि परीक्षा है.

कल्याण विभाग की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक, मंत्री चमरा लिंडा ने दिए निर्देश

छात्रवृत्ति के साथ ही साथ साइकिल वितरण में तेजी लाएं

शुभम संदेश। रांची

राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के छात्रों को समय पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने के लिए कल्याण विभाग की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक शनिवार को रांची के मोरहाबादी स्थित कल्याण कॉम्प्लेक्स में हुई. बैठक की अध्यक्षता झारखंड सरकार के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने की.बैठक में विभागीय सचिव कृपानंद झा, कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी, राज्य के सभी जिलों के परियोजना निदेशक (आईटीडीए) और जिला कल्याण पदाधिकारी शामिल हुए.

मंत्री लिंडा ने स्पष्ट किया कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से मिले. उन्होंने विशेष रूप से प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति और साइकिल वितरण योजना की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन जिलों में छात्रवृत्ति की राशि उपलब्ध है, वहां लंबित भुगतान को शीघ्र निष्पादित किया जाए.

मंत्री ने यह भी कहा कि पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए लंबित पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के भुगतान के संबंध में भारत सरकार से पत्राचार में तेजी लाई जाए, ताकि छात्रों को समय पर आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके.उन्होंने कहा कि विभाग को इस दिशा में गंभीरता से कार्य करना चाहिए और कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने सभी जिला कल्याण पदाधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी. सभी योजनाओं को तय समय-सीमा के भीतर धरातल पर उतारने के लिए मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए.

बैठक के दौरान विभागीय सचिव कृपानंद झा और आयुक्त कुलदीप चौधरी ने विभागीय योजनाओं की अद्यतन प्रगति से संबंधित विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया. उन्होंने विभिन्न जिलों में योजनाओं की वर्तमान स्थिति, लाभुकों की संख्या, वितरण प्रक्रिया और तकनीकी अड़चनों की जानकारी दी.

बैठक में यह भी तय हुआ कि आने वाले महीनों में योजना संबंधी जमीनी मॉनिटरिंग को और मजबूत किया जाएगा और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाई जाएगी. साथ ही, जिलों को नियमित रूप से रिपोर्टिंग करने के लिए कहा गया है, ताकि राज्य स्तर पर योजनाओं की निगरानी सशक्त ढंग से की जा सके.

समीक्षा बैठक से जिला कल्याण पदाधिकारियों को स्पष्ट संकेत दे दिया गया है राज्य सरकार कल्याणकारी योजनाओं को लेकर अब तत्पर और सक्रिय है और किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी. मंत्री चमरा लिंडा की सख्ती से यह उम्मीद बंधती है कि छात्रवृत्ति और साइकिल जैसी महत्त्वपूर्ण योजनाओं का लाभ जल्द ही प्रदेश के हर पात्र छात्र तक पहुंचेगा.

राज्यपाल ने 'रांची कैंसर समिट -2025' का उद्घाटन किया

कैंसर की लड़ाई में संवेदना और समर्पण आवश्यक: राज्यपाल

शुभम संदेश। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को होटल रेडिसन ब्लू, रांची में आयोजित 'रांची कैंसर समिट–2025' का उद्घाटन करते हुए कहा कि कैंसर केवल एक शारीरिक रोग नहीं, बल्कि यह एक ऐसी जटिल और व्यापक चुनौती है, जो व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार की मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक स्थिरता को भी गहराई से प्रभावित करती है. इस रोग से लड़ाई में औषधियों के साथ-साथ मानवीय संवेदना, भरोसा और अपनत्व भी उतने ही आवश्यक हैं. राज्यपाल ने झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था की चुनौतियों की ओर संकेत करते हुए कहा कि राज्य के दूरदराज़ और ग्रामीण इलाकों में समय पर रोग की पहचान और समुचित इलाज अब भी एक बड़ी चुनौती है. कैंसर जैसे गंभीर रोगों के लिए समर्पित और संगठित प्रयासों की जरूरत है, जिससे सभी वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण और सुलभ इलाज पहुंच सके.

उन्होंने केंद्र सरकार की 'आयुष्मान भारत योजना' की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक क्रांतिकारी पहल है, जिससे गरीब और वंचित वर्ग को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा सुलभ हुई है. परंतु योजना की पूर्ण सफलता तभी संभव है, जब चिकित्सक, अस्पताल, राज्य सरकारें और आम नागरिक मिलकर सामूहिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें.

चिकित्सकों को उन्होंने "वैद्य नारायणो हरिः" कहते हुए उन्हें जीवनदाता बताया और कहा कि यदि सेवा, करुणा और समर्पण के साथ चिकित्सा कार्य हो, तो हर कैंसर रोगी के जीवन में आशा की एक नई किरण जग सकती है. उन्होंने यह भी साझा किया कि वे बरेली में अनेक रोगियों को विशेषज्ञ चिकित्सकों के पास भेजते हैं, जहां से उन्हें संतोषजनक परिणाम मिलते हैं.

राज्यपाल ने रांची कैंसर समिट–2025 के आयोजन को एक सराहनीय पहल बताते हुए उम्मीद जताई कि यह समिट राज्य में कैंसर के उपचार और जन-जागरूकता को नई दिशा देगा. उन्होंने सभी प्रतिभागियों और चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोई भी कैंसर पीड़ित अकेला न महसूस करे.. उन्होंने कहा कि हमें हर रोगी की पीड़ा को अपनी पीड़ा मानकर उसे जीवन की राह पर लौटाने के लिए समर्पित प्रयास करने होंगे.

एक करोड़ के इनामी मिसिर बेसरा सहित 17 नक्सलियों पर एनआईए ने दर्ज किया नया केस

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के चाईबासा जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई हालिया मुठभेड़ के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक बड़ी कार्रवाई की है. एनआईए ने प्रतिबंधित माओवादी संगठन से जुड़े एक करोड़ के इनामी नक्सली मिसिर बेसरा और अनल उर्फ पतिराम मांझी सहित कुल 17 नक्सलियों पर नया मामला दर्ज किया है. यह मामला 30 मई 2025 को चाईबासा के जराईकेला थाना क्षेत्र के तिरिपोशी जंगलों में हुई मुठभेड़ से संबंधित है, जहां सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में विस्फोटक जब्त किया था. इस मुठभेड़ में पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जंगलों में भाकपा (माओवादी) का केंद्रीय दस्ता सक्रिय है, जिसकी योजना पुलिस बल पर हमला करने और हथियार लूटने की थी. सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने अभियान चलाया. जैसे ही बल मौके पर पहुंचा, नक्सलियों ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं. जब नक्सली दबाव में आए तो "लाल सलाम" और "माओवादी जिंदाबाद" जैसे नारे लगाते हुए जंगलों और पहाड़ियों की ओर भाग निकले.

पुलिस ने उनका पीछा किया, लेकिन घने जंगल और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण वे फरार होने में सफल रहे. इसके बाद पूरे क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया. तलाशी के दौरान दो वायरलेस सेट और 155.66 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किया गया, जिसे ओडिशा से लूटा गया बताया गया है. इससे पहले यह मामला चाईबासा के जराईकेला थाना में कांड संख्या 13/25 के तहत दर्ज किया गया था, जिसे अब एनआईए ने अपने हाथ में लेकर आरसी 01/2025 आरएनसी के रूप में दर्ज किया है. जिन 17 नक्सलियों पर मामला दर्ज किया गया है, उनके नाम इस प्रकार हैं: मिसिर बेसरा, अनल उर्फ पतिराम मांझी, अनमोल, अश्विन, मौछु, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगेरिया, पिंटू लोहरा, चंदन लोहरा, अमित मुंडा, जयकांत, राफा मुंडा, जिलानी, मुन्नी सुरीन, सलुका कायम और गुरुचरण.

एनआईए के अनुसार, इन सभी नक्सलियों के खिलाफ साजिश रचने, हिंसा फैलाने, सरकारी तंत्र पर हमले की योजना और प्रतिबंधित सामग्री रखने जैसे गंभीर आरोप हैं.

देवघर श्रावणी मेला 2025

उमड़ रही भक्तों की भारी भीड़

शुभम संदेश। रांची/ देवघर

देवघर में आयोजित राजकीय श्रावणी मेला 2025 में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है. अब तक लगभग 1.27 लाख श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम में जलार्पण कर चुके हैं. पूरी बाबा नगरी भगवामय हो गई है और 'हर हर महादेव' के जयघोष से गूंज रही है. कांवड़ यात्रा में श्रद्धालु आस्था और भक्ति के साथ भाग ले रहे हैं. श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था के खास इंतजाम किए हैं, साथ ही खाने-पीने और प्रसाद की वस्तुओं के रेट भी तय कर दिए हैं, जिससे श्रद्धालुओं को मनमानी कीमत न चुकानी पड़े. प्रशासन ने साफ कहा है कि अगर कोई दुकानदार तय दर से अधिक राशि वसूलेगा, तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा के लिए जगह-जगह हेल्थ कैंप भी लगाए गए हैं. मेले में पहुंच रहे श्रद्धालुओं के प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजान किए गए हैं.

प्रसाद की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी

- पेड़ा (800 ग्राम खोवा + 200 ग्राम चीनी) : 400 प्रति किलो
- पेड़ा (700 ग्राम खोवा + 300 ग्राम चीनी) : 360 प्रति किलो
- रायपुर चूड़ा : 80 प्रति किलो
- वर्द्धमान चूड़ा : 60 प्रति किलो
- इलायची दाना : 80 प्रति किलो
- मेला क्षेत्र में 80 रु में भरपेट भोजन की थाली
- श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र में 80 में भरपेट थाली मिलेगी. इसके अलावा कई खास व्यंजन व सब्जियां भी तय रेट पर उपलब्ध होंगे :
- मटर पनीर : 180, आलू –परवल : 80
- पनीर बटर मसाला : 170
- साधारण रोटी : 7, घी लगी रोटी : 12
- सत्तु पराठा : 40 (घी वाला 60)
- दाल फ्राई : 80
- चावल–दाल–सब्जी–भुजिया–चटनी : 80

सीआईडी जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे

सहारा ने रांची-बोकारो में बेची जमीन के पैसे सेबी को नहीं भेजे

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सीआईडी ने सहारा समूह की जमीनों की फर्जी तरीके से बिक्री को लेकर बड़ा खुलासा किया है. जांच के दौरान सहारा इंडिया के अधिकारी शैलेंद्र शुक्ला से पूछताछ की गयी. पूछताछ में शुक्ला ने बताया कि कंपनी के मुख्यालय के निर्देश पर रांची और बोकारो जोन से कोलकाता, गुवाहाटी, पटना, लखनऊ, दिल्ली जैसे शहरों में पैसे ट्रांसफर किए जाते थे. शुक्ला ने बताया कि फंड ट्रांसफर का आदेश सहारा इंडिया के मंडल प्रमुख नीरज कुमार पाल और मुख्यालय के एग्जीक्यूटिव एसबी सिंह की ओर से दिया जाता था. सीआईडी की रिपोर्ट के अनुसार, सहारा समूह ने फर्जी कंपनियों और फर्जी व्यक्तियों के माध्यम से जमीनों की बिक्री की. जांच में यह भी सामने आया है कि जमीनें सेबी द्वारा तय कीमत से बहुत कम दाम में बेची गयीं और बिक्री से मिली रकम ना तो सेबी में जमा की गयी और ना ही निवेशकों को वापस लौटाई गयी. इसके बजाय इस पैसे को निजी खर्चों में इस्तेमाल किया गया. सीआईडी ने मामले में एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की है.

बेगूसराय में 28.39 एकड़ जमीन की कीमत 2013 में 41.17 करोड़ आंकी गई थी. यह जमीन 2.15 करोड़ में बेच दी गई. दूसरी जमीन 3.77 एकड़ 3.36 करोड़ में बेची गई. जबकि उस समय जमीन की कीमतें दोगुनी-तीनगुनी हो चुकी थीं. वहीं पटना में 65.28 एकड़ जमीन, जिसकी सेबी ने 44.80 करोड़ की कीमत लगाई थी. यह जमीन 2.52 करोड़ में रणकौशल प्रताप सिंह को बेच दी गई. जबकि सरकारी रेट भी करीब 5.05 करोड़ था. वहीं बोकारो में 68.14 एकड़ जमीन की वैल्यू 2013 में 61.33 करोड़ लगाई गई थी. आज भी यह जमीन सहारा इंडिया के नाम पर ही दर्ज है. धनबाद के गोविंदपुर के रेगुनी मौजा में सहारा की जमीन पर असर्फी अस्पताल का निर्माण हो रहा है. सीआईडी ने संबंधित अधिकारियों से सहारा से जुड़ी कंपनियों की जानकारी मांगी है.

कृषि विभाग उदासीन | झारखंड स्वावलंबी सहकारी समितियां अधिकरण 2021 में बना, 2022 से चेयरमैन नहीं

33 माह से बिना चेयरमैन के ट्रिब्यूनल, सहकारी समितियों से जुड़ी शिकायतों-विवादों की सुनवाई ठप

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में सहकारिता व्यवस्था को पारदर्शी और विवादमुक्त बनाने के उद्देश्य से गठित झारखंड स्वावलंबी सहकारी समितियां अधिकरण (ट्रिब्यूनल) खुद नेतृत्वहीनता और उपेक्षा का शिकार है. राज्य गठन के 21 साल बाद 2021 में अस्तित्व में आया यह ट्रिब्यूनल बीते 33 महीनों से चेयरमैनविहीन है. 21 अक्टूबर 2022 को इसके पहले चेयरमैन कुमार गणेश दत्त के कार्यकाल की समाप्ति के बाद अब तक नया अध्यक्ष नियुक्त नहीं किया जा सकात है. नतीजतन, ट्रिब्यूनल का मुख्य कार्य- सहकारी समितियों से जुड़ी शिकायतों और विवादों की सुनवाई पूरी तरह ठप है.

ट्रिब्यूनल की स्थापना सहकारी समितियों के निबंधन, संचालन, निर्वाचन, वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार जैसे मामलों की सुनवाई और निपटारे के लिए की गई थी. इस अधिकरण को राज्य के सहकारिता ढांचे को मज़बूत और जवाबदेह बनाने का औजार माना गया था, लेकिन बिना चेयरमैन के यह खुद ही दिशाहीन हो गया है. हालांकि अधिकरण का कार्यालय रांची में नियमित रूप से खुलता है. वहां पदस्थापित कनीय अधिकारी, कर्मचारी और सुरक्षा में तैनात होमगार्ड जवान अपनी ड्यूटी पर मौजूद रहते हैं, लेकिन कार्य की मूल आत्मा — न्यायिक सुनवाई और निर्णय प्रक्रिया पूर्णतः ठप पड़ी है. इससे ट्रिब्यूनल में लंबित मामलों की संख्या सैकड़ों में पहुंच चुकी है.

चेयरमैन पद के लिए कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने तीन सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों के नाम प्रस्तावित किए थे, लेकिन लगभग ढाई साल से राज्य सरकार इस पर निर्णय नहीं ले पाई है. कृषि विभाग, जिसके अधीन यह ट्रिब्यूनल आता है, ने भी अब इसे सक्रिय करने की दिशा में उदासीनता अपना ली है. विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रिब्यूनल की निष्क्रियता से सबसे बड़ा नुकसान उन किसानों और ग्रामीण नागरिकों को हो रहा है, जो सहकारी समितियों के माध्यम से कृषि और अन्य स्वावलंबन योजनाओं से जुड़े हुए हैं. जब विवादों और अनियमितताओं पर समय रहते कार्रवाई नहीं होती, तो भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है और समितियों की पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं.

विशेषज्ञों का मानना है कि झारखंड में सहकारिता आंदोलन को पुनर्जीवित करने की दिशा में यह ट्रिब्यूनल एक अहम कड़ी हो सकता था, लेकिन सरकारी उदासीनता, सुस्ती और नेतृत्व की कमी से यह व्यवस्था फिलहाल मज़ाक बन कर रह गई है. सरकार से अब यह उम्मीद की जा रही है कि वह जल्द से जल्द चेयरमैन की नियुक्ति कर ट्रिब्यूनल को उसके मूल उद्देश्य की ओर लौटाए, ताकि सहकारी समितियों की कार्यप्रणाली में विश्वास बहाल हो सके.

सचिवालय अनुदेश संशोधन पर फिर लगी रोक

मुख्यमंत्री ने गठित की नई कमेटी

शुभम संदेश। रांची

सचिवालय अनुदेश में प्रस्तावित संशोधनों पर जारी प्रक्रिया को फिलहाल विराम लग गया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा तैयार प्रस्ताव को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है और इसके बजाय वित्त सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कमेटी गठित करने का निर्देश दिया है. इस कमेटी में कंट्रोलिंग, सर्विस और वर्क्स डिपार्टमेंट के संयुक्त सचिव या उससे ऊपर के स्तर के अधिकारियों को शामिल किया जाएगा.

यह फैसला ऐसे समय आया है जब कार्मिक विभाग पिछले एक साल से 1952 में बने सचिवालय अनुदेश को वर्तमान प्रशासनिक व तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधित करने की दिशा में प्रयासरत था. प्रस्ताव में सचिवालय कर्मियों के पद संरचना में भी बदलाव किया गया था. विशेष रूप से, चार सहायक शाखा पदाधिकारी (एएसओ) पर एक शाखा पदाधिकारी (एसओ) का पद सृजित करने की अनुशंसा की गई थी, जिसका सचिवालय सेवा संघ और कर्मियों ने तीखा विरोध किया.

सेवा संघ की मांग थी कि दो एएसओ पर एक एसओ और दो एसओ पर एक अवर सचिव का पद ही संरक्षित रखा जाए, जो वर्तमान में भी केंद्रीय सचिवालय की व्यवस्था के अनुरूप है. प्रारंभिक विरोध के बाद विभाग इस मांग पर सहमत हो गया था. प्रस्ताव कैबिनेट मंत्री राधाकृष्ण किशोर के पास पहुंचा, जिन्होंने मुख्यमंत्री की स्वीकृति लेने की टिप्पणी की. लेकिन मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पर सहमति देने के बजाय, विषय पर विस्तृत विचार-विमर्श के लिए एक बहु-विभागीय समिति गठन का सुझाव दिया.

अब यह कमेटी कंट्रोलिंग (जैसे—कार्मिक, वित्त, विधि), सर्विस (जैसे—शिक्षा, स्वास्थ्य) और वर्क्स डिपार्टमेंट (जैसे—पथ निर्माण, भवन निर्माण, ऊर्जा) के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर सचिवालय अनुदेश के हर पहलू पर समग्र विचार करेगी. इसके बाद ही समिति की अनुशंसा के आधार पर संशोधित प्रस्ताव तैयार कर विधि, वित्त और मुख्यमंत्री की मंजूरी ली जाएगी, और अंततः कैबिनेट में उसे प्रस्तुत किया जाएगा. गौरतलब है कि 1952 में बने सचिवालय अनुदेश अब कई मायनों में अप्रासंगिक हो चुके हैं. वर्तमान निर्देशों में न तो डिजिटल फाइल प्रोसेसिंग, न ही ई-मेल, व्हाट्सएप जैसे संचार माध्यमों से प्राप्त पत्रों के निपटारे का कोई उल्लेख है. यहां तक कि अब समाप्त किए जा चुके 'रजिस्ट्रार' पद का भी जिक्र अब तक अनुदेश में मौजूद है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, रविवार 13 जुलाई 2025 । श्रावण कृष्ण पक्ष 03, संवत 2082 । रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित । वर्ष : 3, अंक : 96 । मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

5 साल की बच्ची को क्लासरूम में बंद कर गए शिक्षक
दो घंटे तक रोती रही, ग्रिल तोड़कर बचाई गई

शुभम संदेश । रांची

रांची जिले के चान्हों प्रखंड स्थित बरहे गांव के राजकीय मध्य विद्यालय में शुक्रवार को एक गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया. विद्यालय में कक्षा एक में अध्ययनरत पांच वर्षीय छात्रा निशिता कुमारी छुट्टी के बाद स्कूल के एक कक्ष में बंद रह गई. यह घटना दोपहर लगभग 3 बजे की है, जब स्कूल में छुट्टी होने के बाद सभी कमरों में ताले लगा दिए गए थे. करीब दो घंटे बाद कुछ बच्चे, जो बकरी चरा रहे थे, ने बच्ची के रोने की आवाज सुनी. जब उन्होंने खिड़की से अंदर झांका तो देखा कि निशिता कक्षा में बंद होकर रो रही है. इसकी सूचना तत्काल ग्रामीणों और परिजनों को दी गई. ग्रामीणों ने जब स्कूल के प्रभारी प्रधानाचार्य गन्ना उरांव को फोन किया तो उनका जवाब था, बच्ची ठीक है न, मर तो नहीं गई? सूचना के बावजूद प्रधानाचार्य स्कूल नहीं पहुंचे. बाद में ग्रामीणों की सहायता से कक्षा की ग्रिल तोड़ी गई और बच्ची को बाहर निकाला गया. इसके बाद उसे उसके परिजनों को सौंप दिया गया. निशिता की जुड़वां बहन मीनाक्षी भी उसी विद्यालय में पढ़ती है. बच्ची के पिता मुनेश गोप ने बताया कि छुट्टी के बाद मीनाक्षी तो घर लौट आई थी, लेकिन निशिता के नहीं पहुंचने पर पूरा परिवार चिंतित हो गया. वे दो घंटे तक पूरे गांव में उसे ढूंढते रहे.

झारखंड में अगले पांच दिन तक बारिश, कई जिलों में अलर्ट

शुभम संदेश । रांची

मौसम विभाग ने झारखंड के कई जिलों में अगले 5 दिनों तक लगातार बारिश होने की संभावना जताई है. विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि इस दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश, तेज हवाएं और वज्रपात भी हो सकते हैं. राजधानी रांची के साथ-साथ खूंटी, गुमला, रामगढ़, बोकारो और कोल्हान के जिलों में ज्यादा बारिश होने की संभावना है. मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, झारखंड के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है, जिसके कारण प्रदेश में लगातार बारिश हो रही है और आगे भी जारी रहेगी. शुक्रवार को रांची में दिन भर बारिश होती रही और 30 मिमी बारिश दर्ज की गई. 1 जून से अब तक राजधानी में 770.8 मिमी बारिश हो चुकी है, जो कि सामान्य से 150 प्रतिशत ज्यादा है. पिछले 24 घंटे में राज्य भर में 499.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य बारिश 296.4 मिमी होती है. यानी इस बार 69 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है.

जिलों में बारिश का हाल

जामताड़ा	:	93.6 मिमी
बोकारो	:	74.6 मिमी
कांके	:	70.4 मिमी
कोडरमा	:	45.6 मिमी
जमशेदपुर	:	41 मिमी

तापमान का हाल : रांची का अधिकतम तापमान शुक्रवार को 28.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पिछले दिन से तीन डिग्री ज्यादा है। सबसे कम तापमान लातेहार में 26.7 डिग्री दर्ज किया गया. सरायकेला सबसे गर्म रहा, जहां पारा 35.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि राज्य के ऊपर बना साइक्लोनिक सर्कुलेशन आने वाले दिनों में भी सक्रिय रहेगा. इससे बारिश के साथ बिजली गिरने और तेज हवा चलने की संभावना बनी हुई है. तापमान में भी गिरावट देखने को मिलेगी. लोगों को सलाह दी गई है कि खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और मौसम विभाग के निर्देशों का पालन करें.

बारिश में पूर्वी सिंहभूम ने रांची को छोड़ा पीछे, रांची दूसरे स्थान पर

बारिश में पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) ने रांची को पीछे छोड़ दिया है. पूर्वी सिंहभूम में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है, जबकि रांची दूसरे स्थान पर रहा. एक जून से 11 जुलाई तक हुई बारिश के आंकड़ों के अनुसार पूर्वी सिंहभूम में 336.6 मिमी के मुकाबले 863.7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई. यह सामान्य बारिश से 157 प्रतिशत अधिक है. वहीं दूसरे स्थान पर रहे रांची में 308.3 मिमी की तुलना में 770.8 मिमी बारिश हुई. यह सामान्य से 150 प्रतिशत अधिक है. वहीं तीसरे स्थान पर सरायकेला-खरसावां रहा, जहां 299.1 मिमी की तुलना में 689 मिमी बारिश दर्ज की गई. यह सामान्य से 130 प्रतिशत अधिक है. वहीं चौथे स्थान पर लातेहार जिला रहा. यहां 284.3 मिमी की तुलना में 646.3 मिमी बारिश हुई. यह सामान्य से 127 प्रतिशत अधिक है. पांचवें स्थान पर रामगढ जिला रहा. यहां 297.7 मिमी के मुकाबले 663.7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई जो सामान्य से 123 प्रतिशत अधिक है. राज्य के विभिन्न जिलों में आनेवाले दिनों में बारिश की उम्मीद है. 13 जुलाई को दक्षिणी जिले और इससे लगे मध्यवर्ती भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की आशंका है. इधर, पिछले 24 घण्टे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश हजारीबाग के डीवीसी के इलाके में 93.6 मिमी बारिश दर्ज की गई.

ब्रीफ न्यूज

10 हजार रुपये रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी शनि बर्मन गिरफ्तार

चांडिल (सरायकेला)। राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई के तहत एसीबी को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है.एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) जमशेदपुर की टीम ने शनिवार को सरायकेला जिले के चांडिल अंचल कार्यालय में पदस्थापित राजस्व कर्मचारी शनि बर्मन को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया.यह कार्रवाई दोपहर करीब 1 बजे की गई, जब शनि बर्मन चांडिल के कदमडीह निवासी राजेश हेंब्रम से दालग्राम स्थित जमीन के पंजी-2 ऑनलाइन अपडेट करने के एवज में 10 हजार रुपये घूस ले रहा था. शिकायतकर्ता राजेश हेंब्रम ने पहले ही एसीबी से संपर्क कर रिश्वत मांगे जान की शिकायत की थी.
शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी की टीम ने ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर शनि बर्मन को रिश्वत लेते शनिवार को रंगेहाथ धर दबोचा. गिरफ्तारी के बाद एसीबी टीम उसे साथ लेकर जमशेदपुर गई, जहां उससे लंबी पूछताछ की गई. प्रारंभिक पूछताछ के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

झारखंड के शराब कारोबारियों के लिए खुशखबरी!
दुकानों का जल्द ही आवंटन लॉटरी सिस्टम से होगा

शुभम संदेश । रांची

झारखंड में अब शराब की खुदरा बिक्री निजी कारोबारियों के माध्यम से की जाएगी. शुक्रवार को उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि यह नई व्यवस्था 1 सितंबर 2025 से पूरे राज्य में लागू होगी. इसके तहत दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया लॉटरी सिस्टम के माध्यम से जल्द शुरू की जाएगी.
अधिसूचना के साथ शुरू हुई प्रक्रिया विभाग ने स्पष्ट किया कि 21 मई 2025 को अधिसूचित 'झारखंड उत्पाद (मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली 2025 अब प्रभावी हो चुकी है. इसके बाद सरकार ने खुदरा दुकानों को निजी हाथों में सौंपने की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा दिया है.
30 जून को पूरी हुई ऑडिटिंग और नियंत्रण: निजी हाथों में खुदरा बिक्री सौंपने से पहले, वर्तमान में संचालित शराब दुकानों की ऑडिटिंग लगभग पूरी हो चुकी है. 30 जून को राज्य की सभी शराब दुकानों को प्लेसमेंट एजेंसियों से हटाकर झारखंड स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधीन कर दिया गया था.
31 अगस्त तक पुरानी व्यवस्था रहेगी लागू : फिलहाल खुदरा दुकानें जेएसबीसीएल के पर्यवेक्षण में संचालित हो रही हैं और यह व्यवस्था 31 अगस्त 2025 तक लागू रहेगी. इसके बाद, खुदरा बिक्री पूरी तरह से निजी कारोबारियों को सौंप दी जाएगी.
थोक बिक्री व निगरानी जेएसबीसीएल के जिम्मे : हालांकि खुदरा बिक्री निजी हाथों में जाएगी, लेकिन थोक बिक्री और वितरण का नियंत्रण जेएसबीसीएल के पास ही रहेगा. सभी निजी दुकानदारों को शराब की खरीद जेएसबीसीएल के गोदामों से ही करनी होगी.
नकली और अवैध शराब पर सख्त निगरानी : सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि शराब की निगरानी अब और कड़ी की जाएगी. ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम को प्रभावी बनाया जा रहा है ताकि शराब की हर बोतल पर नजर रखी जा सके. नकली और अवैध शराब पर रोक लगाने के लिए औचक छापेमारी, परिवहन निगरानी और चौकसी लगातार जारी रहेगी. राज्य सरकार का यह कदम राजस्व वृद्धि के साथ-साथ पारदर्शिता और निगरानी को मजबूत करने की दिशा में माना जा रहा है.

नशेड़ी चूहे! 802 बोतल शराब गटक गये, मुंह से नहीं पूंछ से चाट-चाटकर पी गये

शुभम संदेश । रांची

झारखंड के चूहे इनदिनों शराब पी रहे हैं. इस बात पर आपको भले ही यकीन ना हो लेकिन यह बात 100 फीसदी सच है. दरअसल धनबाद बलियापुर और प्रधानखंता की शराब की दुकानों में 802 बोतल शराब स्टॉक से कम मिलीं. कुछ खाली बोतलें मिलीं, जिनके ढक्कन कुतरे हुए थे. जब पूछा गया तो दुकान संचालक ने कहा कि शराब चूहे गटक गये हैं. जब विभाग को यकीन नहीं हुआ पूछा आखिर चूहा इतनी बड़ी बोतल कैसे मुंह में लगाकर पी सकता है. तो संचालक ने कहा कि जनाब चूहे मुंह से नहीं बल्कि पूछ को बोतल में डुबाकर फिर उसे चाट चाटकर पीते हैं. जब टूटी बोतल देखी गई तो इसका भी आरोप चूहों पर लगा. संचालक ने कहा कि शराब पीने की होड़ में चूहों ने बोतल तोड़ दिया. बता दें कि अब तक झारखंड में शराब की बिक्री उत्पाद विभाग के अधीन हो रही थी. इसके लिए प्लेसमेंट एजेंसियों को नियुक्त किया गया था. उत्पाद विभाग की ओर से शराब दुकान संचालन के लिए नियुक्त किए गये कर्मचारी भी प्लेसमेंट एजेंसी के अधीन काम कर रहे थे. अब स्टॉक मिलाने पर ऐसी बातें सामने आ रही है.

शराब की सारी दुकानें जेएसबीसीएल को ट्रांसफर, 500 से शराब की बिक्री शुरू

रांची। उत्पाद विभाग ने मैनपावर सप्लाई करने वाली कंपनियों से शराब की सभी दुकानें वापस लेकर झारखंड बिवरजेजे कॉरपोरेशन के हवाल कर दिया है. इसमें से 500 दुकानों से शराब की बिक्री शुरू हो गयी है. बाकी बची दुकानों से भी जल्द ही शराब की बिक्री शुरू हो जाएगी. राज्य में नयी उत्पाद नीति लागू करने के लिए शराब की खुदरा दुकानों को मैनपावर सप्लाई करने वाली कंपनियों से वापस लेने का फैसला किया गया था. दुकानों को वापस लेने की प्रक्रिया एक जुलाई से शुरू हुई थी. इसे आज पूरी कर ली गयी. वापस ली गयी 1453 दुकानों में से 500 दुकानों से शराब की बिक्री शुरू कर दी गयी है.

पूर्व मंत्री ददई दुबे का शव पहुंचा पलामू, कांग्रेस कार्यालय में दी गई श्रद्धांजलि
वाराणसी में होगा अंतिम संस्कार

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

झारखंड के पूर्व मंत्री सह धनबाद के पूर्व सांसद चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे का पार्थिव शरीर शनिवार को पलामू लाया गया. पलामू में जगह-जगह पर सैकड़ों की संख्या में उमड़ी भीड़ ने चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे का अंतिम दर्शन किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी. ददई दुबे का पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए पलामू के कांग्रेस कार्यालय में लाया गया. जहां सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष जैशरंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक, रुद्र शुक्ला समेत कई कांग्रेसी नेता शामिल थे. इससे पहले पलामू के चंद्रशेखर आजाद चौक (रेडमा चौक) पर राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के सक्रिय सदस्यों ने श्रद्धांजलि दी.
युवा वाहिनी के अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने कहा कि ददई दुबे का निधन पूरे समाज के लिए बड़ी क्षति है. दरअसल, गुरुवार को ददई दुबे का दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया था. ददई दुबे एक महीने से बीमार थे और उनका इलाज चल रहा था. पलामू एवं गढ़वा में अंतिम दर्शन के बाद ददई दुबे का अंतिम संस्कार वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर किया जाएगा.
बिश्रामपुर से चार बार बने थे विधायक : चंद्रशेखर दुबे उर्फ दादा दुबे गढ़वा के कांडी के चौका गांव के रहने वाले थे. ददई दुबे का जन्म 2 जनवरी 1946 को हुई थी. 1985 में चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे पहली बार बिश्रामपुर से विधायक चुने गए थे. ददई दुबे को 2000 में राबड़ी देवी के मंत्रिमंडल में भी जगह मिली थी और उन्हें श्रम एवं रोजगार मंत्री बनाया गया था. 2014 में दुबई दुबे धनबाद से लोकसभा का चुनाव जीते थे. ददई दुबे पलामू के बिश्रामपुर विधानसभा सीट से 1985, 1990, 2000 और 2009 में विधायक बने थे.

विकास कार्य के कारण कई ट्रेनें रद्द और कई का रूट बदला

शुभम संदेश । जमशेदपुर

दक्षिण पूर्व रेलवे के अद्रा मंडल में विकासात्मक कार्यों के चलते टाटानगर से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है. रेलवे के अनुसार, इन कार्यों के कारण टाटानगर के यात्रियों को भी अगले सप्ताह काफी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है.
शनिवार को जारी अधिसूचना के अनुसार 14 जुलाई से 20 जुलाई 2025 तक आसनसोल-अद्रा-आसनसोल मेमू पैसेंजर पूरी तरह रद्द रहेगी. वहीं झाड़ग्राम-धनबाद-झाड़ग्राम एक्सप्रेस 14 और 16 जुलाई को रद्द रहेगी. टाटानगर से चलने वाली टाटानगर-आसनसोल-बराभूम मेमू पैसेंजर 14, 17 और 20 जुलाई को अद्रा में ही शॉर्ट टर्मिनेट और शॉर्ट ओरिजिनेट होगी.
इसके अलावा 15 और 19 जुलाई को आसनसोल-टाटानगर मेमू पैसेंजर अद्रा तक ही चलेगी और वहीं से वापस लौटेगी. इसी तरह, आसनसोल-बराभूम मेमू पैसेंजर भी इन तारीखों को अद्रा से ही रवाना होगी. भोजुडीह-चंद्रपुरा-भोजुडीह मेमू पैसेंजर ट्रेन 14 और 18 जुलाई को महूदा से ही चलेगी तथा वहीं पर समाप्त होगी.
रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पूर्व ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य ले लें, ताकि अंतिम समय में परेशानी न हो. यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने यह भी कहा है कि विकास कार्य यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए किए जा रहे हैं.

डिग्री कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई बंद होने पर छात्राओं ने किया प्रदर्शन

शुभम संदेश । गिरिडीह

राज्य सरकार द्वारा डिग्री कॉलेजों में इंटर (12वीं) की पढ़ाई बंद करने के निर्णय के विरोध में शनिवार 12 जुलाई को गिरिडीह के आरके महिला कॉलेज की छात्राओं ने झंडा मैदान में जोरदार प्रदर्शन किया. हाथों में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे स्लोगन लिखे पोस्टर लिए छात्राएं सड़क पर उतरीं और सरकार के फैसले को वापस लेने की मांग की. छात्राओं ने आरोप लगाया कि उन्होंने इंटर की पढ़ाई आरके महिला कॉलेज से शुरू की थी, लेकिन अब जब 12वीं की पढ़ाई का समय आया है तो कॉलेज प्रशासन ने उन्हें दूसरे स्कूलों में जाकर नामांकन लेने को कहा है. इससे छात्राएं असमंजस और आक्रोश में हैं.
प्रदर्शन कर रहीं छात्राओं ने कहा कि वे अपने कॉलेज से ही पढ़ाई पूरी करना चाहती हैं, क्योंकि उनमें से कई छात्राएं आर्थिक रूप से कमजोर हैं और दोबारा नए स्कूल में दाखिला लेना, ड्रेस खरीदना और अन्य खर्च उठाना उनके लिए संभव नहीं है. छात्राओं ने +2 हाई स्कूल गिरिडीह के प्रिंसिपल पर यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने कहा है कि 2 से 3 हफ्ते आंदोलन करो, फिर नामांकन ले लेंगे. जबकि छात्राओं के अनुसार, उपायुक्त ने पहले ही जल्द नामांकन का आश्वासन दिया था.

घर दिलाने के नाम पर मुखिया पर लगा दुष्कर्म का आरोप

रांची। जिले में एक मुखिया पर आवास दिलाने के नाम पर महिला से दुष्कर्म करने का आरोप लगा है. विरोध में शनिवार को गुस्साए लोगों ने डीसी ऑफिस का घेराव किया और आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की. सदर थाना क्षेत्र के मुखिया विजय सिंह पर एक महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है. आरोप है कि मुखिया ने आवास दिलाने का झांसा देकर महिला को फंसाया और देर रात उसके घर में घुसकर दुष्कर्म किया. घटना के बाद पीड़िता और उसके परिवार ने एक महीने पहले ही अफसरों को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई थी, लेकिन एक महीना बाद भी इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई.
आरोपी मुखिया पर कार्रवाई न होने से नाराज भुइयां समाज के लोग शनिवार को एकजुट हुए और प्रदर्शन करते हुए डीसी कार्यालय का घेराव किया. आरोपी मुखिया की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की.

मामले की चल रही जांच, आरोप सही मिले, तो आरोपी पर होगी कार्रवाई : एसडीओ

घेराव की जानकारी मिलने के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे. सीओ, सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार, एसडीओ जहूर आलम और डीएसपी अनिता लकड़ा ने प्रदर्शनकारियों से बात कर उन्हें शांत करने का प्रयास किया.
एसडीओ ने कहा कि पूरे मामले में गहनता से जांच चल रही है. आरोप सही पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

उनका कहना है कि जब तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जाता, वे आंदोलन जारी रखेंगे. लोगों ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव के कारण मुखिया को बचाया जा रहा है.

डीजल चोरी रोकने पर पुलिस जवान को कंटेनर ने कुचला, मौके पर ही मौत

शुभम संदेश । हजारीबाग

डीजल चोरी रोकने के दौरान पुलिस जवान को एक कंटेनर ने कुचल दिया. इस दौरान मौके पर ही जवान की मौत हो गई. हादसे के बाद कंटेनर भी सड़क पर पलट गया. इससे ड्राइवर गंभीर रूप से जख्मी हो गया. यह घटना शनिवार को जिले के चरही में हुई है. मृतक पुलिस जवान की पहचान पलामू जिले के विश्रामपुर थाना क्षेत्र निवासी रामा शंकर पांडेय के रूप में हुई है. वे 2005 में झारखंड पुलिस में नियुक्त हुए थे. इन दिनों हजारीबाग में तैनात थे. पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है.
पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध वाहन अवैध रूप से डीजल चोरी कर भाग रहा है. इस सूचना के आधार पर हजारीबाग पुलिस ने रामगढ़ के मांडू थाना की मदद से उस वाहन को रोकने की रणनीति बनाई और रास्ता ब्लॉक कर दिया गया. तभी संदिग्ध वाहन तेज गति में डिवाइडर पर चढ़ाकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन वह वहीं फंस गया. इस वाहन को जब चरही थाना पुलिस अपनी निगरानी में लेने के लिए आगे बढ़ी, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने जवान रामा शंकर पांडेय को अपनी चपेट में ले लिया. घटना इतनी भयावह थी कि जवान का शरीर पूरी तरह क्षत-विक्षत हो गया. हादसे में मौके पर ही उनकी मौत हो गई.

चाईबासा में हॉस्टल की तीसरी मंजिल से छात्र ने लगाई छलांग, मौत

शुभम संदेश । चाईबासा

झारखंड से सटे ओडिशा सीमावर्ती के चंपुआ थाना अंतर्गत केरला इंग्लि मीडियम स्कूल के हॉस्टल में 10वीं वे छात्र ने तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली. जानकारी मिलते ही हॉस्टल में अफरा तफरी मच गयी. वहीं छात्र की मौके पर ही मौत हो गयी. घटना शनिवार सुबह की बताई जा रही है. मृतक खरसावां प्रखंड के कोचा गांव का रहने वाला था. घटना में सीसीटीवी फुटेज भी सामने आयी है. घटना में साफ दिख रहा है कि छात्र कमरे से निकल कर खिड़की की ओर बढ़ता है और दूसरे छात्रों के देखते ही देखते वह नीचे कूद जाता है. फिलहाल छात्र के परिजनों को सूचना दे दी गयी है. वहीं चंपुआ पुलिस एवं प्रशासन शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल असपताल भेज दी है. घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है.

अनहोनी : लातेहार में वज्रपात की चपेट में आने से सहिया की मौत
12 साल पहले पति और बेटे की भी आकाशीय बिजली से गयी थी जान

शुभम संदेश । लातेहार

लातेहार से एक बेहद दर्दनाक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई है. शुक्रवार की रात वज्रपात की चपेट में आने से चंदवा प्रखंड की सहिया सुभाष देवी की मौत हो गयी. हैरान करने वाली बात यह है कि साल 2013 में इसी तरह वज्रपात से उनके पति और बेटे की भी जान गयी थी. अब एक ही परिवार में 3 लोगों की मौत वज्रपात से होने की खबर से इलाके में शोक की लहर है. सुभाष देवी चंदवा प्रखंड के पूरन टोली की रहने वाली थीं और स्वास्थ्य विभाग में सहिया के रूप में कार्यरत थी. शुक्रवार को विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने आई थी. कार्यक्रम खत्म होने के बाद जैसे ही वह घर लौटने लगी, चंदवा प्रखंड कार्यालय के पास अचनाक तेज गर्जना के साथ बिजली गिरी, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ी. स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. चंदवा की प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नीलिमा ने पुष्टि की कि सुभाष देवी की मौत रास्ते में ही हो चुकी थी. अस्पताल के कर्मियों और गांववालों ने गहरी संवेदना जताई, वहीं यह जानकारी भी दी कि साल 2013 में उनके पति फगुआ मुंडा और बेटे यमुना मुंडा की मौत भी वज्रपात से हुई थी, जब वे खेत में काम कर रहे थे. पति और बेटे की मौत के बाद, सुभाष देवी ने अकेले अपने परिवार को संभाला था. उनके छोटे बेटे गंगा मुंडा ने बताया कि उस समय वे बहुत छोटे थे, मां ही सब कुछ थीं. अब उनकी भी इसी तरह आकाशीय बिजली से मौत हो गई, जिससे परिवार पूरी तरह टूट गया है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा, और फिर परिजनों को सौंप दिया. लातेहार के अपर समाहर्ता रामा रविदास ने घटना पर शोक जताते हुए बताया कि सरकारी प्रावधान के तहत परिजनों को 4 लाख का मुआवजा दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि मुआवजा पाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मृत्यु प्रमाण पत्र और अंचल कार्यालय में आवेदन देना जरूरी होता है.

100 एकड़ वन भूमि घोटाले में सीआईडी की बड़ी कार्रवाई
बोकारो से किंगपिन इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन गिरफ्तार
सीआईडी के साथ ही साथ ईडी भी अलग से कर रही है मामले की जांच

शुभम संदेश । रांची/बोकारो

बोकारो जिले के तेतुलिया मौजा में करोड़ों रुपये की वन भूमि घोटाले मामले की जांच तेज हो गई है. झारखंड सीआईडी की टीम ने शनिवार को इस बहुचर्चित भूमि घोटाले के मुख्य सरगना इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन को शनिवार को बोकारो से गिरफ्तार कर लिया है. बताया जा रहा है कि आरोपियों ने 100 एकड़ से अधिक वन भूमि पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर न केवल जमीन पर कब्जा किया, बल्कि उसे ऊंची कीमत पर बेच भी दिया.इस जमीन की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 500 करोड़ रुपये बताई जा रही है. ये जमीन पहले बोकारो स्टील प्लांट के अधीन थी, जिसे बाद में वन विभाग को लौटा दिया गया था. लेकिन इसी जमीन को भू-माफियाओं ने अंचल कार्यालय के कुछ कर्मियों और बीएसएल (बोकारो स्टील लिमिटेड) के अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जीवाड़े के जरिए निजी हाथों में बेच दिया.
घटना की गंभीरता को देखते हुए झारखंड पुलिस के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए, जिसके बाद सीआईडी ने बोकारो के सेक्टर-12 थाना में दर्ज कांड संख्या 32/2024 को टेकओवर कर अपनी जांच शुरू कर दी. यह मामला अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के संज्ञान में भी है और सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है. सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह इससे जुड़े सभी मूल दस्तावेज का पूरा रिकॉर्ड न्यायालय में प्रस्तुत करे.
रिकॉर्ड रजिस्टर के वॉल्यूम 60 से 75 तक के कई पन्ने फटे मिले : इस बीच, सीआईडी की टीम ने चास अंचलाधिकारी कार्यालय और बोकारो वन प्रमंडल के रिकॉर्ड की भी गहनता से जांच की. बोकारो के डीएफओ (वन प्रमंडल पदाधिकारी) रजनीश कुमार की मौजूदगी में दस्तावेजों की पड़ताल की गई, जिसमें कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए. जांच के दौरान यह पाया गया कि रिकॉर्ड रजिस्टर के वॉल्यूम 60 से 75 तक के कई पन्ने फटे हुए थे, जिनमें लगभग 400 एकड़ रिहायशी भूमि का विवरण दर्ज था.

रांची विश्वविद्यालय का 66वां स्थापना दिवस मनाया गया

रिसर्च और इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार देनी होगी शिक्षा : कुलपति

शुभम संदेश। रांची

रांची विश्वविद्यालय का 66वां स्थापना दिवस शनिवार को धूमधाम से मनाया गया. बेसिक साइंस परिसर स्थित आर्यभट्ट सभागार में आयोजित स्थामपना दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ पीएफए विभाग के छात्रों की ओर से प्रस्तुत राष्ट्रगान और कुलगीत से किया गया. कुलपति रांची विशिवविद्यालय डॉ डीके सिंह, कुलसचिव डॉ जीसी साहु, डीएसडब्ल्यू डॉ सुदेश कुमार साहु, एफए अजोय कुमार, प्रोक्टर सह निदेशक सीवीएस डॉ मुकुंद चंद्र मेहता ने द्वीप प्रज्वलित कर किया.

कार्यक्रम में डीएसडब्ल्यू डॉ सुदेश कुमार साहू ने कुलपति, सभी वरीय पदाधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों का स्वागत किया. इस अवसर पर पीएफए विभाग की छात्राओं ने कत्थक नृत्य के तराना शैली में शिव वंदना की मनमोहक प्रस्तुति दी. कार्यक्रम में कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि ये मेरा सौभाग्य है कि उत्तराखंड से आकर मुझे झारखंड में रांची विश्वविद्यालय में कार्य करने का अवसर मिला है. मैं स्वयं को यहां पाकर बहुत सम्मानित महसूस करता हूं. यहां के शिक्षक और कर्मचारी बहुत ही समर्पित और जिम्मेवार हैं. हमें रांची विश्वविद्यालय के लिए और भी बहुत कुछ नया करना है.

हमें राष्ट्रीय आवश्यकताओं के अनुसार विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाना है, तभी राष्ट्र की भी सेवा संभव होगी. उन्होंने कहा कि वे विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय आवश्यकताओं के अनुसार लेकर आगे बढ़ेंगे. शिक्षकों की कमी को दूर करना हमारी प्राथमिकता है, हमें एनइपी 2020 को लक्षित कर काम करना चाहिए.

पूर्ववर्ती छात्रों का एक एल्युमिनी ग्रुप हो

उन्होंने कहा कि हमें रीसर्च और इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार शिक्षा देना होगा. पूर्ववर्ती छात्रों का एक अल्युम्नी ग्रुप होना चाहिये, जो बड़े जगहों पर हैं और उनकी मदद लेकर उद्योगों में रोजगारपरक आवश्यकताओं के अनुसार कार्य करना चाहिए. इससे हम सिर्फ डिग्री ही नहीं बल्कि प्लेरसमेंट भी दे सकेंगे. कुलपति ने कहा कि एक्सपट्र्स को बुलाने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग की आवश्यकता है. ताकि हमारे प्राध्यापक स्वयं को और अनुभवी बना सकें. उन्होंने कहा कि मैंने बहुत जगहों पर कार्य किया है, पर देखा कि रांची विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, शिक्षक और कर्मचारी बहुत ज्यादा जिम्मेदारीपूर्वक अपना कार्य करते हैं. कार्यक्रम में मंच संचालन डिप्टी डायरेक्टर सीवीएस डॉ स्मृति सिंह ने किया. इस आयोजन में रांची विश्वविद्यालय के सभी वरीय पदाधिकारी, विभागों के निदेशक, हेड, संकायाध्यक्ष सहित सैकड़ों छात्र उपस्थित थे.

अमित अग्रवाल बने रोटरी क्लब ऑफ रांची के अध्यक्ष, भावना तनेजा सचिव

शुभम संदेश। रांची

रोटरी क्लब ऑफ रांची के अध्यक्ष अमित अग्रवाल और भावना तनेजा सचिव बनीं. रोटरी क्लब ऑफ रांची का 72वां अधिष्ठापन समारोह रांची के स्थानीय होटल में हुआ. समारोह में अमित अग्रवाल ने रोटरी क्लब के अध्यक्ष एवं भावना तनेजा ने सचिव पद की जिम्मेदारी संभाली. समारोह की शुरुआत निर्वतमान अध्यक्ष रोटेरियन गौरव बगरॉय की वर्ष 2024-25 की उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुती से हुई. उन्होंने क्लब के किए गए सामाजिक कार्यों और परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी, जिसे मौजूद लोगों ने खूब सराहा.

समारोह में मुख्य अतिथि झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने क्लब के कार्यों की सराहना करते हुए रोटरी मिशन के लिए सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया. उन्होंने रोटरी क्लब को समाज में बढ़ते ड्रग्स की लत को कम करने के लिए सरकार के कार्यों में सहभागिता निभाने का सुझाव दिया. समारोह में डीजीपी ने रोटरी क्लब ऑफ रांची के मानद सदस्य के रूप में भी शपथ ली. नये अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने रोटरी रांची के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें विश्व स्तर पर एक होकर स्वयं से ऊपर सेवा के मंत्र को अपनाना है एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक अपनी सेवा प्रदान करनी है. उन्होंने वर्ष 2025-26 रांची शहर में तीन डायलिसिस मशीन, एक अफ्रेसिस मशीन एवं एक आई चेक वैन देने का निर्णय लिया. उन्होंने वर्ष 2025-26 मे शिक्षा, स्वास्थ, वातावरण, आर्थिक सुधार एवं रोटरी इमेज जैसे सभी क्षेत्रों मे काम करने का प्रण लिया है. इस वर्ष दो नये रोटरी क्लब तीन रोटरेक्ट क्लब क्लब बनाने का संकल्प लिया.

समिति ने आठवीं तक की छात्राओं को दी डिक्शनरी

रांची। शिवनारायण मारवाड़ी कन्या मध्य पाठशाला में कक्षा चार से लेकर आठवीं तक की उन छात्राओं को जिनके पास डिक्शनरी नहीं थी, गौमाता सेवा समिति की ओर से शनिवार को डिक्शनरी दी गई. प्रति वर्ष यह सहयोग प्रमोद और अनीता बजाज की ओर से पुत्र केशव बजाज के जन्मदिन पर दिया जाता है. इस वर्ष स्कू ल की छात्राओं में 170 पीस डिक्शनरी दी गई. कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत संबोधन विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव वेद प्रकाश बागला किया. वहीं कार्यक्रम में गौ माता सेवा समिति के सचिव मुकेश पोद्दार ने छात्राओं को समझाया कि वे कठिन शब्दों को डिक्शनरी के माध्यम से जान सकती हैं और अपना एक छोटा डिक्शनरी भी स्वयं बना सकती हैं.

जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने 100 मेधावी बच्चों को सम्मानित किया

अनुशासन, परिश्रम व विनम्रता सफलता का मूल मंत्र : सुरेश चंद्र

शुभम संदेश। रांची

रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में रविवार को महाराजा अग्रसेन भवन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 100 से अधिक छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया. समारोह की अध्यक्षता जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार ने की, जबकि उद्घाटन झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन और श्री गणेश जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया.

समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं और कहा कि सफलता का मंत्र है- लक्ष्य पर निरंतर ध्यान, अनुशासन, परिश्रम, विनम्रता और आत्मविश्वास. उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि लक्ष्य दृष्टिगत हो सदा, कर्म करे दिन-रात, मन में हो विश्वास दृढ़, होगा नया प्रभात.

विशिष्ट अतिथि झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष विशाल पाड़िया ने कहा कि ऐसे आयोजनों से मेधावी छात्रों को सम्मान मिलने पर उनमें आत्मविश्वास और ऊर्जा का संचार होता है. उन्होंने कहा, "प्रतिभा वह दीप है जो अंधकार को चीर कर रास्ता दिखाता है. युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है.

इस अवसर पर सीबीएसई व आईसीएसई 2025 की 10वीं और 12वीं परीक्षा में 85% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 80 छात्र-छात्राओं को 'प्रतिभा प्रोत्साहन सम्मान' प्रदान किया गया. इसके अलावा 20 प्रोफेशनल डिग्री प्राप्त करने वाले युवाओं को भी सम्मानित किया गया. सम्मेलन के अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार ने रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा किए जा रहे सामाजिक सेवा कार्यों की जानकारी दी और कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देना समाज की प्राथमिकता है.कार्यक्रम का संचालन विकास अग्रवाल एवं पवन कुमार पोद्दार ने किया.धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री विनोद कुमार जैन ने किया. उन्होंने बताया कि इस आयोजन के प्रायोजक मेसर्स बाबूलाल प्रेम कुमार थे.

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि कार्यक्रम में समाज के अनेक वरिष्ठ सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित थे, जिनमें भागचंद पोद्दार, विश्वनाथ नारसरिया, किशन साबू, नरेंद्र लखोटिया, चंडी प्रसाद डालमिया, अनिल अग्रवाल, पवन शर्मा, मनोज चौधरी, पवन पोद्दार, कौशल राजगढ़िया, प्रमोद सारस्वत, संजय सर्राफ, निर्भय शंकर हरित, निर्मल बुधिया, सनी टिंबडेवाल, आशीष अग्रवाल, नरेश बंका, विकास झाझरिया, अजय डीडवानिया, अमित शर्मा शामिल थे.

सम्मानित प्रोफेशनल छात्र-छात्राएं

एमबीबीएस : रचिता चौधरी, साकेत अग्रवाल, **चार्टर्ड अकाउंटेंट :** शिवम लखोटिया, विनाश फोगला, जय किशन वशिष्ठ, अमीषा सर्राफ, अपूर्व जालान, खुशी सर्राफ, शंकर गोयल, गौरव खेमका, अंचल गाड़ोदिया, श्रेया तापड़िया, मेघा चौधरी, **एलएलबी :** हरीश लाडिया, **पीजीडीएम :** आर्यन अग्रवाल, कोमल मारू, **सीएमए :** सर्वेश साबू, **आईओसी :** रिद्धि चितलांगिया, **कराटे चैंपियंस :** कृष भाला, साक्षी बांगर. सभी स्टूडेंट्स रो मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र, पुस्तक एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया.

प्रादेशिक नियोजनालय : रांची में करियर काउंसलिंग कैंप का आयोजन

नि:शुल्क एग्जाम टेस्ट सीरीज की शुरुआत

शुभम संदेश। रांची

अवर प्रादेशिक नियोजनालय, रांची के सभागार (सर्कुलर रोड, कांकेरी) में शनिवार को एक दिवसीय करियर काउंसलिंग कैंप का आयोजन किया गया. इसमें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विशेषकर एसएससी, रेलवे एवं बैंकिंग के अभ्यर्थियों को पाठ्यक्रम, परीक्षा पैटर्न और आवेदन प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई. इस अवसर पर कुल 125 अभ्यर्थी उपस्थित रहे.

कार्यक्रम में कुछ सफल अभ्यर्थियों को भी आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने अपने अनुभव प्रतिभागियों के साथ साझा किए. इस अवसर पर नियोजन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार ने प्रतिभागियों को नियोजनालय की विभिन्न सेवाओं, समय-समय पर आयोजित होनेवाले रोजगार मेलों और भर्ती प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी.

सत्र में झारखंड स्टेट स्किल डेवलपमेंट मिशन द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे टेलरिंग डिप्लोमा और डिग्री प्रोग्राम की जानकारी भी साझा की गई. कार्यक्रम में उपस्थित उप-निदेशक (नियोजन) श्री निशिकान्त मिश्र ने छात्रों को उत्साहित करते हुए करियर से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए.

नियोजनालय द्वारा उपलब्ध सुविधाएं नियोजनालय द्वारा संचालित पुस्तकालय, आईटी लैब और ई-लर्निंग जैसी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं. इच्छुक अभ्यर्थी नियोजनालय में निबंधन कराकर इनका लाभ ले सकते हैं. एसएससी, रेलवे व बैंकिंग की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क टेस्ट सीरीज भी जल्द शुरू की जा रही है. इसमें भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थी अवर प्रादेशिक नियोजनालय, सर्कुलर रोड, कांकेरी, रांची में संपर्क कर सकते हैं.

झारखंड फेंसिंग एसोसिएशन ने खेल सचिव से की शिष्टाचार मुलाकात

खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग का आश्वासन

शुभम संदेश। रांची

नासिक में आयोजित राष्ट्रीय फेंसिंग प्रतियोगिता में पदक जीतकर लौटी झारखंड फेंसिंग टीम के खिलाड़ियों और पदाधिकारियों ने शुक्रवार को झारखंड के खेल सचिव मनोज कुमार से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की. इस अवसर पर झारखंड फेंसिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अर्चित आनंद, महासचिव जय कुमार सिन्हा, उपाध्यक्ष कुलवंत सिंह, राजन, कोच और पदक विजेता खिलाड़ी उपस्थित थे. खेल सचिव ने टीम की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार फेंसिंग खेल को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव सहयोग करेगी. उन्होंने खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, सुविधाएं और आवश्यक संसाधनों की दिशा में सहयोग का भरोसा दिलाया.

मुलाकात के दौरान नासिक से पदक जीतकर लौटे खिलाड़ी, शिक्षा उरांव, सृष्टि कुमारी, अर्पण टोप्पो, सरस गाड़ी और ईशान तिर्की मौजूद थे. साथ ही कोच रामाशीष सिंह और रोहन ने भी अपने अनुभव साझा किए. एसोसिएशन ने राज्य में फेंसिंग खेल के विस्तार के लिए आवश्यक पहलुओं पर भी चर्चा की और आगामी प्रतियोगिताओं की रूपरेखा से खेल सचिव को अवगत कराया.

एक नजर

कैंब्रियन स्कूल में एक्टिंग वर्कशॉप ड्रामा बड्स का समापन, बच्चों ने सीखे अभिनय के गुर

रांची। कांके रोड स्थित कैम्ब्रियन पब्लिक स्कूल में शनिवार को दो दिवसीय एक्टिंग वर्कशॉप ड्रामा बड्स का समापन हुआ. वर्कशॉप का आयोजन समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट और एक्टर्स माइंड एक्टिंग स्टूडियो के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद कैम्ब्रियन पब्लिक स्कूल की प्राचार्या प्रेमलता कुमारी ने कहा कि सफलता पाने के लिए लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए. उन्होंने बच्चों से ऊंचा सोचने और उसी अनुरूप मेहनत करने की अपील की। प्राचार्या ने सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया. कार्यशाला के दौरान एक्टर्स माइंड एक्टिंग स्टूडियो के निदेशक एवं अभिनेता आकाश दीप ने बच्चों को अभिनय के विविध पक्षों से परिचित कराया. उन्होंने बताया कि एक अभिनेता अपने किरदार में कैसे ढलता है, आवाज में किस तरह का उतार-चढ़ाव लाता है और भावनाओं के अनुरूप संवाद कैसे बोलता है, ये सभी पहलू प्रतिभागियों को अभ्यास के जरिए सिखाए गए. इस अवसर पर हॉट लिप्स के संचालक रंजन साहू, समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, समाजसेविका पिया बर्मन सहित कई गणमान्य उपस्थित थे. समापन समारोह का संचालन स्कूल के को–ऑर्डिनेटर रौनक कुमार सिंह और शिक्षकों की टीम ने किया. कार्यक्रम में मोनिका कुमारी, सतीश मिश्रा, संगीता ओझा, प्रवीण कुमार, बादल कुमार, आजाद पासवान सहित अन्य मौजूद थे.

मिर्गी से परेशान महिला का रिम्स में ऑपरेशन, 200 ग्राम का ट्यूमर निकाला

रांची। मिर्गी से परेशान महिला का शनिवार को रिम्स में ऑपरेशन किया गया. इसमें उसके दिमाग से 200 ग्राम का ट्यूमर निकाला. लोहरदगा की रहने वाली 60 साल की पार्वती देवी पिछले 20 सालों से मिर्गी की बीमारी से परेशान थी. उन्होंने कई डॉक्टरों से इलाज कराया, लेकिन बीमारी की असली वजह पता नहीं चल पाई थी. हाल ही में उन्होंने रांची के रिम्स के न्यूरोसर्जन और निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) राजकुमार की ओपीडी में दिखाया. जांच के बाद डॉक्टरों ने उनके दिमाग में एक बड़ा ट्यूमर पाया. इसके बाद उन्हें भर्ती कर लिया गया और सभी जरूरी जांच की गई. शनिवार को डॉ. राजकुमार और उनकी टीम ने करीब 4 घंटे चले ऑपरेशन में पार्वती देवी के दिमाग से 200 ग्राम का ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाल दिया. यह ट्यूमर दिमाग के उस हिस्से में था, जहां से कई जरूरी रक्तवाहिनियां गुजरती हैं, जिससे ऑपरेशन काफी जोखिम भरा था. लेकिन टीम ने बिना किसी नुकसान के ट्यूमर को हटा दिया. ऑपरेशन के बाद पार्वती देवी को होश आ गया है और उनकी हालत अब ठीक है. डॉक्टरों का कहना है कि वह जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ हो जाएंगी.

प्रधानमंत्री का रोजगार मेला युवाओं के साथ सिर्फ छलावा ही हैः राकेश सिन्हा

रांची। मोदी सरकार हर वर्ष दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा कर 11 वर्षों में 16 रोजगार मेला आयोजित कर 20 लाख भी रोजगार नहीं दे पायी. प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी सह महासचिव राकेश सिन्हा ने रोजगार मेला पर तंज कसते हुए कहा कि मोदी सरकार रोजगार सृजन के बजाय लगातार देश का ध्यान भटकाने में जुटी रहती है. देश में स्थिति इतनी खराब है कि युवा रोजगार की तलाश में विदेश जाने को मजबूर हो रहे हैं. आज युवा बेरोजगारी से हताश और निराश हैं. देश में 42.06 फीसदी से ज्यादा स्नातक रोजगार के लिए योग्य हैं, जबकि 57.04 फीसदी को काम ही नहीं मिल पाया है. उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और प्रधानमंत्री इस प्रकार का मेला का आयोजन कर इन युवाओं के जले पर नमक छिड़क रहे हैं, जो 11 वर्षो से नौकरी पाने को बेताब हैं. उन्होंने कहा कि देश में बेरोजगार दर 45 वर्षों में सबसे ज्यादा है. बेरोजगारी से तंग आकर युवा आत्महत्या करने को विवश हो रहे हैं. 83 प्रतिशत युवा आज भी बेरोजगार हैं. इसके बाद भी प्रधानमंत्री रोजगार मेला का आयोजन कर अपनी नाकामियों पर फोटो सूट करवा रहे हैं.

पुलिस बल और शिक्षा व्यवस्था को मिली नई ऊर्जा

रांची।झारखंड कैबिनेट की हालिया बैठक में राज्य की प्रशासनिक और जनसेवा व्यवस्था को मजबूती देने के लिए कई अहम फैसले लिए गए. पुलिस विभाग के सभी थानों के लिए कुल 1697 दोपहिया वाहन (टीवीएस अपाचे) और 1255 चारपहिया वाहन (महिन्द्रा बोलेरो) की खरीद को स्वीकृति दी गई है. दोपहिया वाहनों की खरीद में 20.41 करोड़ तथा चारपहिया वाहनों की खरीद में 126.38 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे. प्रति अपाचे की कीमत 1,14,573 और प्रति बोलेरो की कीमत 9,59,000 निर्धारित की गई है.

त्वरित कार्रवाई और अपराध नियंत्रण क्षमता में उल्लेखनीय सुधार की उम्मीदः इन वाहनों से पुलिस बल की त्वरित कार्रवाई और अपराध नियंत्रण क्षमता में उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद है. इसके साथ ही राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत एकीकृत पेंशन योजना के संचालन को मंजूरी दी गई है. जो कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना का विकल्प नहीं चुन पाए थे, वे अब इस योजना का लाभ उठा सकते हैं जिसमें राज्य सरकार का अंशदान 18.5% होगा. यह कदम कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में देखा जा रहा है.

झारखंड बंगाली एसोसिएशन की आमसभ आज

रांची। झारखंड बंगाली एसोसिएशन की आमसभा रविवार को सुबह 10 बजे से अलबर्ट एक्का चौक स्थित श्रीदुर्गा बाड़ी के अतिथिशाला में होगी. इस आम सभा में झारखंड बंगाली एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहेंगे. आम सभा में कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा. यह जानकारी झारखंड बंगाली एसोसिएशन के सचिव असीम सरकार ने दी.

महासंघ झारखंड अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ की 21 सूत्री मांगों पर सीएम ने की पहल

मुख्यमंत्री सचिवालय ने संबंधित विभागों को जारी किया निर्देश, महासंघ ने जताया आभार

- महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह ने शीघ्र समाधान की जताई उम्मीद

शुभम संदेश। रांची

झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ ने लंबित 21 सूत्री मांगों के समर्थन में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ज्ञापन सौंपा था. महासंघ की महासंघ की 21 सूत्री मांगों पर सीएम हेमंत सोरेन ने सकारात्मक पहल की है. मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्यमंत्री सचिवालय ने सभी मांगों पर कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को पत्र जारी कर दिया है. महामंत्री सुनील कुमार साह ने यह जानकारी देते हुए शीघ्र समाधान की उम्मीद जताई है.

मुख्य मांगों में केंद्र के अनुरूप संशोधित वेतनमान, ग्रेड-पे, परिवहन व शिक्षण भत्ता, सभी संवर्गों को समान सुविधाएं और स्थायी समायोजन शामिल हैं. सहकारिता प्रसार पदाधिकारी व निरीक्षक संवर्ग को ग्रेड पे 4600 व प्रथम एसीपी का लाभ दिए जाने का निर्देश है, जबकि जेएसएलपीएस के कर्मचारियों को मानव संसाधन नियमावली में शामिल कर ईपीएफ, यात्रा भत्ता, स्वास्थ्य बीमा सहित सभी सुविधाएं देने का आदेश दिया गया है.

कोविड में दिवंगत कर्मियों के परिजनों को मुआवजा व नौकरी मिलेगीः स्वास्थ्य विभाग में वर्षों से कार्यरत एमपीडब्ल्यू कर्मचारियों के स्थायी समायोजन, कोविड में दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों को मुआवजा व नौकरी देने की मांग को भी स्वीकार किया गया है. दैनिक वेतनभोगी, संविदा, आउटसोर्सिंग व अन्य अस्थायी कर्मियों के स्थायी समायोजन की दिशा में भी कार्रवाई के निर्देश जारी हुए हैं.

महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह (महामंत्री), गणेश प्रसाद सिंह (संरक्षक), सुरेश हाजरा, करन कुमार गुप्ता, प्रेम प्रकाश, प्रमोद कुमार, अंजना सिंह, राजीव मिश्रा, पवन कुमार, पंकज कुमार, मुकेश कुमार, श्याम लाल पासवान, रिंकू कुमार, घर भरन राम, छोटू कुमार, भरत उरांव, सरिता कुमारी, उपेन्द्र कुमार, राहुल कुमार, अनिल कुमार साहू, चंद्रदेव कुमार, कृष्ण कुमार, डॉक्टर गणेश राम, कमलेश कुमार, रामाशीष पासवान, सुरेश कुमार, मो. तैयब, अमरेंद्र कुमार, संजय कुमार, विवेक कुमार, शर्मिला देवी, सोनू कुमार, मान मति देवी, शिवानी कुमारी, सुनीता उरांव, मो. अदिबुल, अमित दुबे, सतीश कुमार आदि ने मुख्यमंत्री द्वारा जारी निर्देश पर संतोष जताया.

आंगनबाड़ी सेविकाओं पर दबाव बनाना बंद करे सरकार : जेपी

रांची। झारखंड राज्य आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ के प्रदेश संयोजक जय प्रकाश पांडेय ने भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को शनिवार को पत्र लिखकर आंगनवाड़ी सेविकाओं पर अनावश्यक कार्यभार न थोपने की मांग की है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जानबूझकर सेविकाओं पर फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) और ईकेवाईसी जैसे तकनीकी कार्य थोप रही है. इससे न केवल सेविकाएं परेशान हैं, बल्कि पोषण से जुड़े कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं. उन्होंने बताया कि लाभार्थियों के आधार में गड़बड़ी, मोबाइल नंबर और पता अपडेट न होने जैसे कारणों से एफआरएस और ईकेवाईसी की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है. क्योंकि लाभार्थी के स्थान पर अन्य रिश्तेदार राशन लेने आ जाते हैं. वहीं नेटवर्क की कमी और 5जी मोबाइल के बजाय 4जी मोबाइल दिए जाने से पोषण ट्रैकर सुचारु रूप से नहीं चल पा रहा है.

रांची नगर निगम ने निर्माणाधीन जी+8 भवन को किया सील, अपर प्रशासक के आदेश पर काम रोका गया

शुभम संदेश। रांची

रांची नगर निगम द्वारा वार्ड नंबर 01, कांके रोड (भीठा) टिंबर लाइन स्थित निर्माणाधीन जी+8 रेसिडेंशियल/कमर्शियल भवन को अपर प्रशासक संजय कुमार के आदेशानुसार सील कर दिया गया और निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया. यह कार्रवाई दिनांक 28 जून को मो नईमुद्दीन अंसारी द्वारा शिकायत मिलने के बाद निगम की टीम द्वारा स्थल जांच के आधार पर की गई. जांच में पता चला कि बिना नक्शा अनुमोदन कराए ही निर्माण कार्य कराया जा रहा है. भवन निर्माण परमिशन सर्टिफिकेट की वैधता 14 फरवरी 2025 को समाप्त हो चुकी थी. पूर्व में भवन की चाहरदीवारी गिरने से बगल के भवन और दो वाहन क्षतिग्रस्त हो चुके थे, मलबे के कारण भवन के सामने की नाली बंद हो गई थी और दुर्घटना की संभावना बनी हुई थी.

पूर्व में रांची नगर निगम द्वारा निर्माण कार्य रोकने का नोटिस दिया गया था, लेकिन नियमों का उल्लंघन करते हुए निर्माण जारी रखा गया. इन कारणों के आधार पर झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की कंडिका-437 एवं झारखंड भवन उपविधि 2016 की कंडिका-20 के तहत उक्त भवन के निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से रोकने और सील करने की कार्रवाई की गई.

कचहरी चौक से समाहरणालय भवन तक अतिक्रमण हटाया

प्रशासक के आदेशानुसार शहर को स्वच्छ, अतिक्रमण मुक्त एवं सुगम यातायात व्यवस्था युक्त बनाए रखने हेतु रांची नगर निगम की इनफोर्समेंट टीम द्वारा निरंतर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है. इस क्रम में कचहरी चौक से समाहरणालय भवन तक विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया. अभियान के दौरान अज्ञात लोगों व वेंडरों द्वारा निगम की इनफोर्समेंट टीम के अधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की की गई एवं अपशब्दों का प्रयोग करते हुए सरकारी कार्य में बाधा डाली गयी. इस असंवेदनशील एवं आपत्तिजनक कृत्य को अपर प्रशासक संजय कुमार द्वारा गंभीरता से लिया गया है. अपर प्रशासक द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को कोतवाली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया गया. उनके द्वारा स्पष्ट कहा गया कि सरकारी कार्य में बाधा डालने वालों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. इसके अतिरिक्त, रांची नगर निगम द्वारा अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार अभियान जारी रहेगा और सड़क किनारे एवं सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी.

पड़वा प्रखंड स्थित बटसारा मध्य विद्यालय में कानूनी जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

बच्चों को उनके अधिकारों व कानून के बारे में दी गयी जानकारी

संवाददाता । पलामू

पड़वा प्रखंड स्थित बटसारा मध्य विद्यालय में शनिवार को कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर का आयोजन विद्यालय के लीगल लिटरेसी क्लब द्वारा किया गया, जिसमें बच्चों को उनके अधिकारों और संबंधित कानूनों के बारे में जानकारी दी गई. शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों में कानूनी जागरूकता बढ़ाना था, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और समाज में जिम्मेदार नागरिक के रूप में उभरें. कार्यक्रम की शुरुआत में अधिवक्ता नागेन्द्र पांडेय ने बच्चों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने कहा, ₹अगर जीवन में कुछ बनना है तो पहले से ही अपने लक्ष्य को तय करें, तभी सफलता की दिशा तय हो सकेगी.₹ इसके बाद उन्होंने बच्चों को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (किशोर न्याय बोर्ड) के कार्यों के बारे में बताया. उन्होंने समझाया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों द्वारा किए गए अपराधों से संबंधित मामलों की सुनवाई इसी बोर्ड में होती है, ताकि बच्चों को सही मार्गदर्शन मिल सके.

अधिवक्ता संजय मेहता ने बच्चों को कानूनी शिक्षा पर चर्चा की और बताया कि अगर वे अभी से तैयारी करें, तो अधिवक्ता के पेशे में भी एक अच्छा करियर बना सकते हैं. इसके अलावा, अधिवक्ता जैनेन्द्र कुमार ने जुवेनाइल जस्टिस से संबंधित अन्य पहलुओं पर प्रकाश डाला. कार्यशाला में गोल्हना मवि के शिक्षक सुष्मित कुमार सिंह और अन्य वक्ताओं ने बच्चों को अनजाने में किए गए अपराध जैसे मोबाइल चोरी, साइकिल चोरी, पोक्सो एक्ट और हिट एंड रन जैसी घटनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी. शिविर में विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरुण कुमार तिवारी, सहायक शिक्षक अनिल कुमार कुशवाहा, और अन्य शिक्षकगण उपस्थित थे. बाल संसद के सदस्य प्रधानमंत्री सनी राजकुमार, उप प्रधानमंत्री रानी, अर्चना, अभिजीत कुमार, विवेक कुमार, विक्की कुमार और हर्ष राज ने भी इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की. सभी ने इस जागरूकता शिविर को बेहद लाभकारी बताया और आशा व्यक्त की कि बच्चों को कानूनी जानकारी देने से वे भविष्य में सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे.

ज्ञान निकेतन स्कूल में शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी का आयोजन

मेदिनीनगर। विमला पांडेय मेमोरियल ज्ञान निकेतन स्कूल में हाल ही में शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया. इस गोष्ठी में अभिभावकों को उनके बच्चों की शैक्षिक प्रगति की जानकारी दी गई. कार्यक्रम की शुरुआत गुरु वंदना और स्वागत नृत्य के साथ हुई, जिसमें विद्यालय की छात्राओं ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया. कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य, मनोहर पांडेय ने अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि बच्चों के समग्र विकास में शिक्षकों और उनके माता-पिता दोनों की समान भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है. उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अभिभावकों को अपने बच्चों की प्रगति को लेकर समय-समय पर उनके वर्ग शिक्षक से संवाद करना चाहिए, ताकि बच्चों की शिक्षा में कोई कमी न रहे. गोष्ठी के एक विशेष अवसर पर, विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक रामप्रवेश पंडित को उनकी रचना 'वाणी वंदना' के लिए 'हिंदी प्रचारिणी सभा' द्वारा 'हिंदी रत्न सम्मान' से नवाजा गया. यह सम्मान विद्यालय के अध्यक्ष, बलिराम शर्मा ने शॉल पहनाकर उन्हें प्रदान किया. इसके अलावा, विद्यालय की कक्षा नौ की छात्रा, नंदिनी कुमारी और उनके पिता पवन कुमार को नंदिनी द्वारा लिखित पुस्तक 'द जू स्कूल' के लिए सम्मानित किया गया. यह पुस्तक अब प्रकाशित हो चुकी है और अमेज़न पर उपलब्ध है. कार्यक्रम में बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों का भी प्रदर्शन किया गया, जो बच्चों की कला और रचनात्मकता को दर्शाते थे. इस आयोजन में विद्यालय प्रभारी मनोज कुमार श्रीवास्तव, विंग इंचार्ज पूजा दूबे, कौशलेंद्र कुमार, रजनी प्रिया समेत अन्य शिक्षक और छात्र भी उपस्थित थे. इस गोष्ठी ने यह सिद्ध कर दिया कि बच्चों के समग्र विकास के लिए शिक्षकों और अभिभावकों की साझेदारी आवश्यक है, और एक मजबूत संवाद से ही बच्चों की प्रगति को सुनिश्चित किया जा सकता है.

एक नजर

आजसू का लातेहार में जनजागरण अभियान प्रारंभ

लातेहार। आजसू पार्टी, लातेहार द्वारा जनजागरण अभियान की शुरुआत की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य मोंगर-निंदिर पथ की खस्ताहाल स्थिति को उजागर करना है. अभियान के तहत जिला अध्यक्ष अमित पांडेय ने कहा कि पार्टी आम जनता की समस्याओं को जनता के समक्ष लाएगी और मीडिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से इन्हें प्रमुखता से उठाया जाएगा. इसके साथ ही संबंधित विभागों का घेराव भी किया जाएगा. अमित पांडेय ने इस दौरान कहा कि मोंगर-निंदिर पथ का टेंडर दो वर्ष पूर्व जारी किया गया था और कार्य भी शुरू हुआ था, लेकिन अब तक सड़क का निर्माण पूरा नहीं हो सका है. इस स्थिति के कारण राहगीरों और स्कूली बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. आए दिन सड़क पर दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रशासन इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है. उन्होंने इस मुद्दे को लेकर प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की और इसे आम जनता के साथ अन्याय करार दिया.

हादसों का कारण बन रहा लातेहार-पांडेयपुरा रोड

लातेहार। जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव ने लातेहार मुख्यालय से सैकड़ों गांवों को जोड़ने वाली लातेहार-पांडेयपूरा सड़क की खस्ता हालत पर चिंता व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि यह सड़क अब हादसों का कारण बन रही है. लातेहार शहर के पानी टंकी से चंदनडीह और पहाड़पुरी होते हुए पांडेयपूरा जाने वाली इस सड़क में बरसात के मौसम में गड्ढे हो गए हैं. विनोद उरांव ने यह भी कहा कि यदि जिला मुख्यालय की सड़कें इस हालत में हैं, तो ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों का क्या हाल होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है. यह सड़क न केवल आम लोगों के लिए बल्कि विद्यालयों, अस्पतालों और सरकारी क्वार्टरों के लिए भी अहम है. प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं, आम नागरिक और सरकारी अधिकारी इस सड़क से गुजरते हैं और उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. उरांव ने कहा कि इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू हुआ था, लेकिन यह अभी भी अधूरा पड़ा है. विशेष रूप से बरसात में सड़क का हाल और भी खराब हो गया है. उन्होंने शीघ्र ही इस सड़क को ठीक करने की मांग की है ताकि लोगों को इस परेशानी से राहत मिल सके.

वज्रपात से युवक की मौत, गांव में शोक की लहर

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के मोंगर पंचायत अंतर्गत घुटुवा गांव में शुक्रवार को वज्रपात के कारण एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई. मृतक की पहचान 27 वर्षीय राजेश गंझू, पिता पूरण गंझू के रूप में हुई है. राजेश छह महीने पहले तमिलनाडु में मजदूरी करने के लिए गया था और शुक्रवार को वह काम करके अपने गांव लौट रहा था. जैसे ही वह लातेहार क्षेत्र में पहुंचा, तेज बारिश और वज्रपात शुरू हो गए. करीब 3:30 बजे दोपहर के समय वह सेमरी फील्ड के पास एक पेड़ के नीचे बारिश से बचने के लिए रुका था, तभी जोरदार वज्रपात हुआ और वह उसकी चपेट में आ गया. इस हादसे में घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे. प्रशासन को भी सूचित किया गया. स्थानीय लोगों की मदद से शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेजा गया. इस हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है.

नप की बड़ी कार्रवाई: अवैध आरओ प्लांट संयंत्र सील

लातेहार। नगर पंचायत लातेहार ने शनिवार को शहर में अवैध रूप से संचालित आरओ प्लांट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की. नगर प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर विभागीय अधिसूचना के तहत नगर पंचायत ने दंडाधिकारी और पुलिस बल की उपस्थिति में एक अवैध आरओ प्लांट को सील कर दिया. यह संयंत्र मो. सुल्तान खान (करकट, लातेहार) के आवासीय परिसर में चलाया जा रहा था. प्लांट को नगर पंचायत से बिना निबंधन कराए संचालित किया जा रहा था, जो कि कानूनी प्रावधानों के खिलाफ है. नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा ने बताया कि बिना लाइसेंस और निबंधन के आरओ प्लांट चलाना अवैध है, और इसीलिए कार्रवाई की गई है. उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसे सभी प्लांटों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी.

मनरेगा व अबुआ आवास योजनाओं की समीक्षा बैठक

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ स्थित प्रखंड कार्यालय के सभागार में शनिवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना और अबुआ आवास योजना की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई. इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव ने की. बैठक में बीडीओ सोमा उरांव ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे अधूरी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करें, ताकि लाभार्थियों को समय पर योजना का लाभ मिल सके. उन्होंने कहा कि योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी संभव है, जब ये कागजों से बाहर निकलकर जमीनी स्तर पर लागू हों. बैठक में मनरेगा के तहत लंबित कार्यों, मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने, और भुगतान में पारदर्शिता बनाए रखने की दिशा में गंभीर चर्चा की गई. इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना और अबुआ आवास योजना की वर्तमान स्थिति की भी गहन समीक्षा की गई. बीडीओ ने चेतावनी दी कि यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई गई, तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

निवार्चन कार्य को निष्ठापूर्वक पूरा करें: बीडीओ

लातेहार। सदर प्रखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के तहत मतदान केंद्र संख्या 214 से 261 तक के सभी बीएलओ और पर्यवेक्षकों के लिए एक बैठक एवं प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार तिवारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण के उद्देश्यों और बीएलओ की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने बीएलओ के कर्तव्यों, प्रोटोकॉल, विशेष पोशाक शिष्टाचार, और टेलीफोन प्रोटोकॉल पर भी चर्चा की. बीडीओ तिवारी ने सभी कर्मचारियों से निर्वाचन कार्य को पूरी निष्ठा और तत्परता से करने की अपील की. प्रशिक्षण में प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रत्येक बिंदु पर चर्चा की गई, और बीएलओ द्वारा उठाई गई शंकाओं का समाधान किया गया. इस सत्र में निर्वाचन कर्मी सह पर्यवेक्षक अतुल कुमार, पवन कुमार यादव, और निर्वाचन ऑपरेटर चंदन कुमार उपस्थित थे. इसके अतिरिक्त, बीएलओ सरिता देवी, सुशीला देवी, निशा राज, पूनम देवी, फुद्दू देवी, भारती देवी, ललिता देवी, गीता देवी, विमला देवी, उर्मिला देवी, गायत्री देवी, ब्रिजिट बारला, सितारा देवी, सिंधुबाला देवी, आरती देवी, मिनी देवी, उषा कुमारी आदि ने भी प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया.

सीएचसी में महिला चिकित्सक की नियुक्ति की मांग

बालूमाथ। क्षेत्र की महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं में हो रही कठिनाइयों को लेकर जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने झारखंड सरकार से अविलंब बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में महिला चिकित्सक की नियुक्ति की मांग की है. उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया कि प्रखंड में महिला चिकित्सक की कमी के कारण यहां की महिलाओं, गर्भवती माताओं, किशोरियों और वृद्ध महिलाओं को उचित स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं. अनीता देवी ने बताया कि सामाजिक संकोच और परंपरागत झिझक के कारण कई महिलाएं पुरुष डॉक्टर से इलाज नहीं करा पातीं, जिससे उनका स्वास्थ्य प्रभावित होता है. इसके परिणामस्वरूप, महिलाएं या तो दूरदराज के शहरों का रुख करती हैं या झोलाछाप चिकित्सकों का सहारा लेती हैं, जिससे न केवल आर्थिक बोझ बढ़ता है, बल्कि स्वास्थ्य संकट भी उत्पन्न होता है. उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि बालूमाथवासियों की यह मांग कई वर्षों से लंबित है. महिला चिकित्सक की नियुक्ति से बालूमाथ और आसपास के गांवों की हजारों महिलाओं को बड़ा लाभ मिलेगा.

जुबली रोड से पिक अप वाहन की चोरी, मामला दर्ज

लातेहार। शहर के अति व्यस्त और रिहायसी इलाके जुबली रोड से अज्ञात चोरों ने एक पिक अप वाहन की चोरी कर ली है. भुक्तभोगी जितेंद्र कुमार राज, पिता आदित्य प्रसाद, ने इस घटना के बारे में सदर थाना में आवेदन दिया है. जितेंद्र कुमार ने अपनी शिकायत में बताया कि 9 जुलाई, बुधवार की रात लगभग 9 बजे उन्होंने अपनी पिक अप वाहन (नंबर जेएच 03 वाई_ 8564) जुबली रोड स्थित संकट मोचन भवानी मंदिर के पास खड़ी की थी. जब वह 11 जुलाई, शुक्रवार की सुबह करीब 8 बजे मंदिर के पास पहुंचे तो वहां उनकी पिक अप वाहन नहीं थी. इसके बाद उन्होंने आसपास के क्षेत्रों में वाहन की तलाश की, लेकिन उनका वाहन कहीं भी नहीं मिला. इस घटना के बाद उन्होंने थाना में शिकायत दर्ज कराई और चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. पुलिस अब मामले की जांच कर रही है और चोरों की पहचान करने के लिए प्रयासरत है.

पुलिस स्टेडियम में यंग फॉर एवर ग्रुप ने ददई दुबे को दी श्रद्धांजलि, बोले संतोष

मजदूरों के हक के लिए संघर्ष किया, हर वर्ग में पहचान बनाई

संवाददाता । मेदिनीनगर

स्थानीय पुलिस स्टेडियम में शुक्रवार को यंग फॉर एवर ग्रुप के सदस्यों ने पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दूबे उर्फ ददई दूबे को श्रद्धांजलि अर्पित की. ग्रुप के पूर्व सीओ संतोष कुमार शुक्ला ने कहा कि ददई दूबे जी का निधन पलामूवासियों और समग्र समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है. वे न केवल एक महान नेता थे, बल्कि झारखंड के इतिहास में उनका योगदान अभूतपूर्व है. उन्होंने मजदूरों के हक के लिए निरंतर संघर्ष किया और समाज के हर वर्ग में अपनी पहचान बनाई. मशहूर चिकित्सक डॉ. अरुण शुक्ला ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ददई दूबे किसी एक पार्टी के नेता नहीं थे, बल्कि उन्होंने समाज की भलाई के लिए काम किया. उनका योगदान राजनीतिक और सामाजिक दोनों ही दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण था. शोकसभा में जयराम पाठक और अन्य सदस्यों ने भी ददई दूबे के योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए. सभा में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई. इस अवसर पर ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य डॉ. एमपी सिंह, डॉ. पीएल पांडेय, डॉ. आरके रंजन, डॉ. प्रसून कुमार, राजीव रंजन पांडेय, राजू तिवारी, सतेंद्र तिवारी, नवनीत सुंदरम, सुनील कुमार, संजीव कुमार, अजय सिंह, प्रदीप सिंह, अशोक सिंह, सुधीर कुमार लाठ, अशोक कुमार लाठ, और विभाकर नारायण पांडे शामिल थे.

ददई बाबा अमर रहें के नारे से गूंजा शहर

मेदिनीनगर । पलामू जिले के हरदिल अजीज पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद, चंद्रशेखर दूबे उर्फ ददई दूबे का पार्थिव शरीर आज सुबह रांची से मेदिनीनगर पहुंचा. उनके शव के शहर में आगमन के साथ ही लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. जैसे ही उनकी अंतिम यात्रा चंद्रशेखर आजाद चौक (रेड़मा) पहुंची, वहां मौजूद लोगों ने उनके जयकारे लगाना शुरू कर दिया.

इस अवसर पर राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी, झारखंड प्रदेश द्वारा आयोजित विदाई कार्यक्रम में परशुराम वंशजों ने स्व. दूबे के पार्थिव शरीर पर फूल-माला अर्पित कर ₹ददई बाबा अमर रहें₹, ₹जब तक सूरज-चांद रहेगा, ददई दुबे आपका नाम रहेगा₹ जैसे जयकारों से माहौल को गूंजाया.

लोगों ने इस अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके अंतिम दर्शन के लिए भारी संख्या में उमड़े. राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने कहा कि ददई दूबे का निधन केवल परशुराम वंशजों के लिए ही नहीं, बल्कि समूचे समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है. उन्होंने यह भी घोषणा की कि आने वाले दिनों में ददई दूबे के नाम पर राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी कई कार्यक्रमों का आयोजन करेगी. इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के अन्य पदाधिकारी जैसे उपाध्यक्ष राजकुमार पाण्डेय, सचिव आशुतोष पाण्डेय लकी, प्रवक्ता संजय मिश्रा, जिलाध्यक्ष विकास दुबे, संजय पाण्डेय, सतीश तिवारी, अजय शुक्ला, मनीष ओझा, रामप्रकाश तिवारी, मुन्ना पाण्डेय सहित सैकड़ों परशुराम वंशज उपस्थित थे. वहीं, बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के सदस्य भी श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे. मोर्चा के अध्यक्ष उदय राम ने कहा कि ददई दूबे एक जुझारू और संवेदनशील नेता थे, जो मजदूरों और वंचित समाज के अधिकारों के लिए हमेशा संघर्षरत रहे. उनका निधन राज्य की राजनीति के लिए एक गहरी क्षति है. इस मौके पर मिंटू तिवारी, अशोक ठाकुर, कृष्णा राम, जयपाल मोची, शंभू दुबे सहित अन्य लोग भी मौजूद थे.

कांग्रेसियों ने चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे को श्रद्धांजलि दी

लातेहार। पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे का पार्थिव शरीर रांची से उनके पैतृक गांव ले जाने के दौरान लातेहार जिला कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस अवसर पर उनकी पत्नी और पुत्र अविनाश दुबे तथा अभय दुबे, झारखंड प्रदेश कांग्रेस सचिव प्रभात दुबे, विश्रामपुर विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी सुधीर चंद्रवंशी, पांकी के पूर्व प्रत्याशी रुद्र शुक्ला सहित अन्य कांग्रेस नेता उपस्थित थे. श्रद्धांजलि कार्यक्रम में लातेहार जिला कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष गूँजर उरांव, मिडिया प्रभारी पंकज तिवारी, समाजसेवी ललित पांडेय, उपेंद्र नाथ पांडेय, युवा नेता दादू दुबे, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनिता देवी, प्रमिला कुमारी, कांग्रेस नेता ज्योति प्रकाश दुबे, लातेहार प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मोती उरांव, नागेश्वर यादव, गुडु दुबे, साबिर अली सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता भी शामिल हुए. इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ₹मजदूरों के मसीहा चंद्रशेखर दुबे अमर रहे₹ के नारे लगाए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की.

आयोजन वन महोत्सव का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है, ताकि प्रदूषण न बढ़े

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में वन महोत्सव का आयोजन, बच्चों ने किया पौधरोपण

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

स्थानीय ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में शनिवार को उत्साह और उमंग के साथ वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एके सिंह ने संस्कृत श्लोक के माध्यम से वृक्षों की महत्ता पर प्रकाश डाला. उन्होंने श्लोक के जरिए यह बताया कि ''दशकूपसमा वापी दशवापीसमो ह्रदः, दशह्रदसमः पुत्रो दशपुत्रसमो द्रुमः'' अर्थात एक तालाब दस कुएं के समान है, एक झील दस तालाबों के बराबर है और एक वृक्ष दस पुत्रों के समान है. वृक्षों का समर्पण हमें परोपकार की शिक्षा देता है, इसलिए इन्हें बचाना और संरक्षण करना हम सबका परम कर्तव्य है. उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ती जनसंख्या और औद्योगिकीकरण के कारण हमारे वनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और इस कारण वन्य संसाधनों की अन्धाधुंध कटाई हो रही है. वन महोत्सव का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है. यह कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा हर साल जुलाई के पहले सप्ताह में मनाया जाता है, ताकि वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया जा सके. इस दौरान, देश भर के विद्यालयों, सरकारी कार्यालयों और संस्थाओं द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. प्राचार्य ने बताया कि वृक्षों से हमें ऑक्सीजन प्राप्त होती है और यह कार्बन-डाई-ऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, जो मनुष्य और जीव-जंतुओं के लिए अत्यंत लाभकारी है.

पर्यावरण संतुलन के लिए पेड़ लगाना जरूरी : शशि कुमार

हुसैनाबाद। मां शिवकुमारी देवी सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री मां बाल विकास विद्यालय की शाखा, जो ऊपरी कला गम्हरिया होलेया रोड पर स्थित है, में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष शशि कुमार के नेतृत्व में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पूर्व नपं अध्यक्ष शशि कुमार, पूर्व वार्ड पार्षद अजय प्रसाद गुप्ता, विद्यालय के निदेशक डॉ. जीतेन्द्र प्रसाद और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने मिलकर फलदार और छायादार पौधे लगाए, जिनमें आम, अमरूद, पपीता, अनार सहित कई पौधे शामिल थे. कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया. इस दौरान शशि कुमार ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए पौधरोपण महत्वपूर्ण है और इसके लिए जनसहभागिता की आवश्यकता है. उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी को पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के प्रति सजग रहना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरा-भरा पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सके. विद्यालय के निदेशक डॉ. जीतेन्द्र प्रसाद ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने की अपील की. उन्होंने कहा कि यह पौधरोपण अभियान बच्चों को पृथ्वी के महत्व और पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए प्रेरित करेगा. इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण और छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए, जिनमें रविंद्र कुमार मेहता, राहुल कुमार, जगनारायण सिंह, धीरेंद्र प्रसाद, पिंकी कुमारी, विक्रम विशाल, रिया राज, आरती सिंह, रूमी कुमारी, फिज्जा, रानी खातून, रामरजी देवी उपस्थित थे.

पलामू डीआईजी से संघर्ष मोर्चा प्रतिनिधि मंडल ने की मुलाकात

मेदिनीनगर। झारखंड आन्दोलनकारी संघर्ष मोर्चा और राजा मेदनीराय तीरंदाज एकेडमी के प्रशिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल ने आज पलामू डीआईजी नौशाद आलम से मुलाकात की. इस अवसर पर डीआईजी का स्वागत बुके, मेमोंटो और अंगवस्त्र से किया गया. डीआईजी नौशाद आलम ने कहा कि पलामू के लोग बहुत ही अच्छे हैं और यहां की गंगा-जमुनी तहजीब धार्मिक कार्यक्रमों में भी एकता का प्रतीक बनकर रहती है. झारखंड आन्दोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय संयोजक सतीश कुमार ने डीआईजी को जानकारी दी कि पलामू प्रमंडल के प्रसिद्ध खेल प्रशिक्षक डॉ. अज्जो हसन सिद्दीकी पिछले 14 जून से लापता हैं, लेकिन पुलिस को अभी तक इस मामले का कोई सुराग नहीं मिला है. सतीश कुमार ने डीआईजी से मामले के शीघ्र उद्भेदन की अपील की. डीआईजी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मामले की गहन छानबीन की जा रही है और जल्द ही लापता प्रशिक्षक का पता चल जाएगा.

ब्रीफ न्यूज

चौपारण बाजार में मिलावटी मिठाइयों का कारोबार

चौपारण। चौपारण बाजार में मिलावटी मिठाइयों का कारोबार बढ़ता जा रहा है, जो स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी साबित हो रहा है. दुकानदारों द्वारा अवैध रूप से बिक रही इन मिठाइयों के सेवन से पेट दर्द, उल्टी, और दस्त जैसी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं. बाजार में बिकने वाली ये मिठाइयां मुख्यतः बिहार के गया, शेरघाटी और झारखंड के बरकट्ठा व डुमरी से लाई जाती हैं. स्थानीय मिठाई विक्रेताओं का कहना है कि उन्हें ये मिठाइयां बेहद सस्ती दरों पर मिलती हैं, जिसके बाद वे इन्हें दुगने दामों पर बेचते हैं, ताकि अधिक मुनाफा कमाया जा सके. हालांकि, इन मिलावटी मिठाइयों का सेवन करने से स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, जो चिंता का कारण बन रही हैं.

भटक कर आए व्यक्ति को पुलिस ने परिजनों के हवाले किया

कोडरमा। जयनगर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक व्यक्ति को पुलिस ने सुरक्षित उसके परिजनों के हवाले कर दिया. जानकारी के अनुसार, चौपारण थाना क्षेत्र के बेहुआ निवासी राधेश्याम राम अपने किसी रिश्तेदार के घर जाने के लिए निकले थे, लेकिन रास्ते में वह भटक कर जयनगर मस्जिद मोहल्ला पहुंच गए थे. वह अकेले और परेशान हालत में भटकते हुए देखे गए, जिसके बाद स्थानीय पुलिस ने उन्हें अपने साथ थाना ले आई. पुलिस ने उनसे पूछताछ की और मोबाइल फोन का उपयोग करके उनके परिजनों से संपर्क किया. कुछ समय बाद, राधेश्याम राम के परिजन थाना पहुंचे, और पुलिस ने उन्हें व्यक्ति सौंप दिया.

कांग्रेस सांसद पप्पू यादव ने रजरप्पा में की पूजा अर्चना

रामगढ़। बिहार राज्य के पूर्णिया लोकसभा से कांग्रेस सांसद पप्पू यादव ने रविवार को रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिके मंदिर में पूजा अर्चना की. यहां पहुंचकर उन्होंने मां के चरणों में श्रद्धा भाव से पूजा की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया. पूजा के बाद पप्पू यादव ने नारियल बलि अर्पित किया और रक्षा सूत्र भी बंधवाया. मंदिर में यह पूजा अर्चना वरीष्ठ पुजारी द्वारा संपन्न कराई गई. इसके बाद पप्पू यादव मुरुबन्दा पहुंचे, जहां उन्होंने पेयजल स्वच्छता मंत्री योगेंद्र महतो के छोटे भाई भरत कपूर के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया. सांसद ने शोकसंतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और उनके प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की.

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में झारखंड में भूविज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

100 से अधिक विद्यार्थियों ने किया पंजीकरण

शुभम संदेश। हजारीबाग

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग द्वारा ₹झारखंड के आर्थिक खनिज संसाधनों की भूविज्ञान एवं अन्वेषण₹ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. यह संगोष्ठी झारखंड राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा प्रायोजित थी और इसे शनिवार को विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में शुभारंभ किया गया. संगोष्ठी में देशभर से 100 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया. इनमें संत कोलंबस महाविद्यालय, रांची विश्वविद्यालय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, आईआईटी आईएसएम धनबाद और आईआईटी खड़गपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्यार्थी शामिल थे. संगोष्ठी के मुख्य अतिथि, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए भूविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो एचएन सिन्हा का आभार व्यक्त किया. उन्होंने उच्च शिक्षा में शिक्षकों की कमी की समस्या पर चिंता जताते हुए इसके समाधान के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से कॉलेजों के बीच सहयोग स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया. संगोष्ठी के पहले दिन दो तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों ने झारखंड की भूवैज्ञानिक संरचना और खनिज संसाधनों पर अपने शोध प्रस्तुत किए. पहले सत्र की अध्यक्षता पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ एस के सिन्हा ने की, जबकि दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ हर्षवर्धन ने की.

झारखंड सरकार के खान और भूविज्ञान निदेशक, मनोज कुमार ने कोडरमा और गिरिडीह जिलों में लिथियम युक्त मिका-पेग्माटाइट जमाओं और सामरिक खनिजों की खोज में शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला. इसके अलावा, प्रो. एस. सारंगी, विभागाध्यक्ष, एप्लाइड जियोलॉजी, आईएसएम धनबाद ने बोकारो कोलफील्ड में लाइट रेयर अर्थ एलिमेंट्स की उपस्थिति पर जानकारी दी. इसके अलावा, कुमार अमिताभ, अपर निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग, झारखंड सरकार ने झारखंड की खनिज अर्थव्यवस्था पर प्रस्तुति दी. बोधिसत्व हाजरा, वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीआईएमएफआर, धनबाद ने हाइड्रोकार्बन भूविज्ञान में रॉक-इवैल तकनीक के अनुप्रयोग पर व्याख्यान दिया. डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रॉक्टर, ने रियो डी जनेरियो सम्मेलन का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के समय में पर्यावरण से संबंधित समझौतों में मुख्य रूप से विकासशील देशों से अपेक्षाएं की जाती हैं.

संगोष्ठी के अंत में, संगोष्ठी की विस्तारित शोध-सार संकलन पुस्तिका का विमोचन सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. संगोष्ठी के दौरान एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभानंद सिंह और उनके समूह ने प्रस्तुति दी. आयोजन समिति में मुख्य रूप से डॉ भैया अनुपम, डॉ हर्षवर्धन कुमार मौजूद थे.

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर हुई बैठक, बोले डीसी

विभागीय योजनाओं की समेकित जांच करें पदाधिकारी

शुभम संदेश। हजारीबाग

शनिवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिले के वरीय पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया. बैठक का उद्देश्य जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन, और आम जनों की समस्याओं के समाधान के लिए रणनीति तय करना था. उपायुक्त ने सभी वरीय पदाधिकारियों को आदेश दिया कि वे अपने-अपने आवंटित प्रखंडों में विभागीय योजनाओं के साथ-साथ अन्य विभागों की योजनाओं की भी समेकित जांच करें. उन्होंने विशेष रूप से फील्ड विजिट के दौरान लंबित मामलों की समीक्षा करने और विभिन्न योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

उपायुक्त ने कहा कि वरीय पदाधिकारी फील्ड विजिट के दौरान राजस्व विभाग के अंतर्गत लंबित लगान, म्यूटेशन जैसे मामलों की समीक्षा करें. इसके साथ ही जनता दरबार में प्राप्त भूमि संबंधी शिकायतों को लेकर अपर समाहर्ता से समन्वय बनाएं. शिक्षा विभाग के अंतर्गत विद्यालयों की शैक्षणिक स्थिति, पाठ्यपुस्तकों का वितरण, शिक्षकों का वेतन भुगतान और डीबीटी की समीक्षा की जाए. उन्होंने विद्यालय भ्रमण के दौरान बच्चों के साथ बैठकर मिड-डे मील की गुणवत्ता की भी जांच करने का निर्देश दिया. स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति की समीक्षा करने के साथ-साथ पीडीएस दुकानों से खाद्यान्न वितरण की प्रक्रिया की निगरानी करने की बात कही गई. कल्याण विभाग के छात्रावासों की बुनियादी आवश्यकताओं और पंचायत भवनों की स्थिति की जांच करने के निर्देश दिए गए. साथ ही पेंशन से संबंधित मामलों का भी समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया. उपायुक्त ने जल संकट वाले क्षेत्रों की पहचान करने और स्थानीय लोगों से संवाद करके समाधान की दिशा में काम करने का सुझाव दिया. साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पेयजल की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए.

कृषि विभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और केसीसी जैसी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाने के लिए एलडीएम से समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया. आंगनबाड़ी केंद्रों की सुविधाओं और संचालन की स्थिति की समीक्षा करने के साथ-साथ, मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत योग्य लाभुकों को योजना का लाभ दिलाने के लिए वरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया.

डीसी ने सीसीएल परियोजनाओं की प्रगति पर की बैठक

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कार्यालय सभाकक्ष में हजारीबाग जिले में चल रही केंद्रीय कोयला लिमिटेड (सीसीएल) की परियोजनाओं की कार्यान्वयन स्थिति और प्रगति पर एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई. बैठक में बड़का स्याल, चरही, अरगड्डा, चंद्रगुप्त और अन्य सीसीएल परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, प्रगति और संबंधित समस्याओं पर गहन चर्चा की गई. उपायुक्त ने परियोजना प्रतिनिधियों से अद्यतन जानकारी प्राप्त की और विभिन्न समस्याओं, जैसे म्यूटेशन और स्टेटमेंट-6 से संबंधित मामलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों के स्थानांतरण की आवश्यकताओं, पुनर्वास से जुड़ी समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया. बैठक में उठाए गए मुद्दों के समाधान हेतु उपायुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और सीसीएल प्रबंधन के बीच नियमित संवाद और समन्वय स्थापित कर लंबित मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए. इस दौरान उपायुक्त ने परियोजना प्रतिनिधियों से विभिन्न बाधाओं के बारे में जानकारी लेकर, उनके समाधान के लिए समन्वित प्रयास करने पर जोर दिया.

डीसी ने की विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा, दिए निर्देश

कोडरमा। नगर परिषद झुमरी तिलैया कार्यालय में उपायुक्त श्री ऋतुराज की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई. बैठक की शुरुआत में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दो लाभुकों को योजना का लाभ प्रदान किया गया. उपायुक्त ने नगर परिषद क्षेत्र में चल रही योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की और निर्देश दिए कि राज्य सरकार से प्राप्त लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा किया जाए. उन्होंने राजस्व वृद्धि हेतु आपसी समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक राजस्व संग्रह करने पर बल दिया. गुमो झुमरी तिलैया प्लेग्राउंड में पौधारोपण को लेकर सभी जेई को फील्ड विजिट कर समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने की दिशा में निर्देशित किया.

जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा

रामगढ़। शनिवार को रामगढ़ जिले में जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत हो रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में किया गया. बैठक में कार्यपालक अभियंता ने जल जीवन मिशन के तहत अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी. उपायुक्त ने तत्काल पूर्ण योजनाओं का हैंडओवर करने का निर्देश दिया और एक सप्ताह के भीतर आम जनता को मिलने वाले लाभ का विस्तृत प्रतिवेदन देने की बात कही.

एक नजर

गुरु पूर्णिमा पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

मरकच्चो। डोमचांच प्रखंड स्थित विवेकानंद आइडियल पब्लिक स्कूल, नवादा चौक धरगांव में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बच्चों के बीच वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी विवेकानंद, मां शारदा देवी और श्री रामकृष्ण परमहंस के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप जलाकर की गई. इसके बाद ऋग्वेद के मंत्र ₹संज्ञान सुक्तम₹ का सामूहिक गायन हुआ. विद्यालय के प्राचार्य जयप्रकाश मेहता ने अपने संबोधन में गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि गुरु शिष्य के जीवन में अहम भूमिका निभाते हैं, खासकर उनके चरित्र निर्माण में. कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वाद विवाद में अपनी प्रस्तुतियां दीं. प्रतियोगिता में प्रमुख भूमिका वर्ग सप्तम के विद्यार्थियों ने निभाई, जिनमें नेहा पांडे, साक्षी यादव, सत्यम कुमार मेहता, सब्बा नाज, अलहिब्जा, लवली पासवान, कुसुम कुमारी, बसंती कुमारी, प्रतिमा कुमारी, विपुल कुमार यादव, शाहनवाज हुसैन, आयन अंसारी, राहुल यादव, पीयूष कुमार, आयुष कुमार शामिल थे.

सुब्रतो कप की चैंपियन बनी हजारीबाग व धनबाद टीम

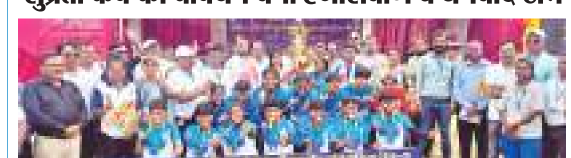

रामगढ़। 64वीं सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता के प्रमंडल स्तरीय फाइनल में धनबाद जिले ने अंडर 15 और अंडर 17 बालक वर्ग में और हजारीबाग जिले ने अंडर 17 बालिका वर्ग में चैंपियनशिप जीती. धनबाद जिले की अंडर 17 बालक टीम ने हजारीबाग को 4-0 से हराया, जबकि अंडर 15 बालक वर्ग में भी उन्होंने गिरिडीह को 3-1 से मात दी. हजारीबाग की अंडर 17 बालिका टीम ने कोडरमा को 3-1 से हराकर विजेता का खिताब जीता. समारोह के मुख्य अतिथि रामगढ़ विधायक ममता देवी ने खिलाड़ियों को उत्साहित करते हुए कहा कि झारखंड सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच देने का काम कर रही है. राज्य शिक्षा परियोजना के एडीपीओ नलिनी रंजन ने विजेताओं को सम्मानित किया. धनबाद और हजारीबाग की टीमों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रमंडल का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा. समापन समारोह में विभिन्न खेल अधिकारी और शिक्षक भी उपस्थित थे.

डीसी ने चंदवारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

कोडरमा। उपायुक्त ऋतुराज ने देर रात चंदवारा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर में भर्ती मरीजों से संवाद किया और उनके स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी ली. इसके साथ ही, मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा की. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध भोजन, पेयजल और बेड की व्यवस्था का भी जायजा लिया. उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के प्रबंधन को यह निर्देश दिया कि मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और उनकी सभी आवश्यकताएँ पूरी की जाएं. उपायुक्त ने सुरक्षा की दृष्टि से भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ताकि अस्पताल में सुरक्षा संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या न हो. इस निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी श्रीमती रिया सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदवारा सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे.

सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ की बैठक है आज

रामगढ़। रजरप्पा स्थित ऑफीसर्स क्लब में रविवार को भामसं से संबद्ध सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ की एकदिवसीय बैठक आयोजित की जाएगी. बैठक का शुभारंभ सुबह 12 बजे से होगा. इस बैठक में भारतीय मजदूर संघ के कोल प्रभारी और जेबीसीसीआई सदस्य लक्ष्मा रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के अध्यक्ष संजय कुमार चौधरी, झारखंड प्रदेश भामसं के महामंत्री राजीव रंजन सिंह, सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष निर्गुण महतो, और महामंत्री शशिभूषण सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे. इस बैठक में रजरप्पा क्षेत्र के अलावा अरगड्डा, हजारीबाग, बरकासायल, कुज्जू, नईसराय, मुख्यालय, ढोरी, बी एंड के, और कथारा के पदाधिकारी एवं सदस्य भी शामिल होंगे. बैठक की तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं, और क्षेत्रीय सचिव अनिल प्रसाद ने इस बैठक के आयोजन की जानकारी दी.

हजारीबाग के कर्जन ग्राउंड में ए डिवीजन फुटबॉल लीग जारी

हजारीबाग। जिला में चल रही ए डिवीजन फुटबॉल लीग के तहत आज कर्जन ग्राउंड में दो रोमांचक मुकाबले खेले गए. पहले मैच में आर्यन क्लब हेदलाग और जगुआर फुटबॉल क्लब केरेडारी के बीच मुकाबला हुआ. दोनों टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और मैच 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ. दूसरे मैच में यूनियन स्पोर्टिंग क्लब जिनगा और अंबेडकर क्लब खबरियांवा के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें खबरियांवा की टीम ने जिनगा को 5-1 से हराया. मैच के पूर्व मोहम्मद असलम और रघुराम ने खिलाड़ियों से परिचय लिया और उन्हें आशीर्वाद दिया. ये दोनों फुटबॉल प्रेमी हमेशा लीग मैचों में दर्शक दीर्घा में दिखाई देते हैं. कर्जन मैदान में हो रहे लीग मैचों में भी इनकी मौजूदगी निरंतर रहती है. आज के मैच के मुख्य रेफरी परमेश्वर गोप, सिकंदर यादव, विकास दास, गौरव कुमार और नकुल कुमार थे.

चौपारण सीएचसी में नई जांच लैब का उद्घाटन

चौपारण। बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चौपारण में एक नई आधुनिक जांच लैब का उद्घाटन किया. इस लैब में बायोकेमिस्ट्री, हेमेटोलॉजी एनालाइजर और हूनेट जैसी सुविधाओं की शुरुआत की गई है, जो स्थानीय लोगों के लिए एक बड़ी सौगात साबित होगी. उद्घाटन के बाद विधायक ने अस्पताल का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया. इस दौरान डॉ. पंकज मेहता, डॉ. रविकांत, डॉ. दिनेश एकलव्य और लैब टेक्नीशियन दुर्गा पासवान ने विधायक को अस्पताल की सुविधाओं और जांच प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी.

स्वच्छता और जल निकासी व्यवस्था का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

कोडरमा। नगर पंचायत कोडरमा के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त श्री ऋतुराज ने शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता और जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए. निरीक्षण के दौरान, उन्होंने राजा तालाब स्थित प्रस्तावित चिल्ड्रेन पार्क का स्थल देखा और आसपास की सफाई, नालियों की सफाई तथा जल जमाव की समस्या को हल करने के लिए कदम उठाने की बात की. इसके बाद, सब्जी मंडी स्थित वेंडिंग जोन का निरीक्षण करते हुए विक्रेताओं को व्यवस्थित करने और स्थल की सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

पूर्व जेपीसी सदस्य समेत दो अपराधी हथियारों के साथ गिरफ्तार

शुभम संदेश। रामगढ़

नोनियाबेड़ा जंगल से पुलिस ने पूर्व जेपीसी सदस्य राजेश गंझू और उसके साथी फुलेन्द्र गंझू को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है. रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि माण्डू थाना क्षेत्र के नोनियाबेड़ा जंगल में दो संदिग्ध व्यक्ति हथियार के साथ किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं. इसके बाद, डीएसपी परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जंगल में छापेमारी की. पुलिस को देखकर दोनों अपराधी भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें खदेड़कर पकड़ लिया. तलाशी के दौरान, उनके पास से एक देसी पिस्टल, एक देसी कट्टा और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए. पूछताछ में राजेश गंझू ने बताया कि वह झारखंड प्रस्तुत कमेटी (जेपीसी) का सदस्य रह चुका है और पहले भी जेल जा चुका है. फुलेन्द्र गंझू के साथ मिलकर वे केरेडारी क्षेत्र में किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे. दोनों ने यह भी स्वीकार किया कि 25 जून को सिकरी ओपी क्षेत्र में बीजीआर कंपनी से सामान ले जा रहे टेम्पो में बैठे व्यक्तियों पर गोली चला कर वे फरार हो गए थे.

बिरहोर समुदाय के लिए दो दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

शुभम संदेश। केरेडारी

एनटीपीसी चट्टी बरियातु कोल माइनिंग प्रोजेक्ट ने अपने सामुदायिक कल्याण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को निभाते हुए 11 और 12 जुलाई को हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड स्थित बिरहोर टोला, पगार में दो दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया. यह पहल विशेष रूप से बिरहोर समुदाय, जो कि एक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह है, के लिए की गई थी. यह स्वास्थ्य शिविर उस समुदाय की मौजूदा स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के रूप में आयोजित किया गया, जो कुपोषण, नियमित चिकित्सा परीक्षणों की कमी और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों से जूझ रहा था. इस पहल का आयोजन पूर्व में किए गए बेसलाइन सर्वेक्षणों और समुदाय के साथ संवाद के आधार पर हुआ, जिसमें बिरहोर समुदाय की स्वास्थ्य स्थिति को प्राथमिकता दी गई.

स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य बिरहोर समुदाय में विशेष रूप से बुजुर्गों के बीच एनीमिया, कुपोषण, संक्रमण और अन्य सामान्य बीमारियों की रोकथाम करना था. इसके तहत चिकित्सा परीक्षणों और स्वास्थ्य मूल्यांकन के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की सुविधाएं प्रदान की गई. शिविर में कुल 103 लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 48 लोगों (41 वयस्क और 7 बच्चे) ने स्वास्थ्य जांच करवाई. शिविर की सफलता का श्रेय एनटीपीसी के सीएसआर विभाग और परियोजना की चिकित्सा टीम को जाता है, जिन्होंने समुदाय में जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा.

40 लाख की अवैध शराब के साथ चालक गिरफ्तार

शुभम संदेश। हजारीबाग

हजारीबाग उत्पाद विभाग को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. सहायक उत्पाद आयुक्त शिव कुमार साहू को गुप्त सूचना मिलने पर की गई कारवाई में उत्पाद विभाग ने बीती रात बरही तिलैया रोड पर एक कंटेनर से करीब 400 पेटी अवैध विदेशी शराब जब्त की. शराब की बोतलों और कार्टूनों पर र्फॉर सेल इन चंडीगढ़ ऑनलीर लिखा हुआ था. बरामद शराब की अनुमानित कीमत 40 लाख रुपये बताई जा रही है. कारवाई के दौरान, छह चक्के वाले कंटेनर वाहन (संख्याः यूपी 86 टी 2578) को पकड़ा गया, जिसमें चालक पंजाब निवासी जगदीश सिंह को गिरफ्तार किया गया. उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है और मामले में अन्य संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है. बताया जा रहा है कि पानीपत निवासी मोंटी इस अवैध तस्करी का मुख्य आरोपी है, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं. यह शराब रांची से बिहार के पटना भेजी जा रही थी, लेकिन चालक ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में यह नहीं बताया कि शराब की डिलीवरी कहां की जानी थी. पुलिस के अनुसार, तस्करों ने वाहन को पार्सल वाहन के रूप में डिज़ाइन किया था ताकि प्रशासन को धोखा दिया जा सके.

लावालौंग | मध्य विद्यालय के जर्जर भवन में जान जोखिम में डाल कर पढ़ रहे हैं बच्चे

छत से टपकता है पानी और फर्श पर है कीचड़

शुभम संदेश। चतरा

लावालौंग प्रखंड के हाहे स्थित एक राजकीय मध्य विद्यालय के बच्चों के लिए स्कूल भवन अब उनकी जान का खतरा बन गया है. यह स्कूल, जिसका भवन जर्जर हो चुका है, बच्चों को उनकी पढ़ाई के दौरान गंभीर खतरे में डाल रहा है. छत से टपकता पानी और गंदे कीचड़ में बैठकर पढ़ाई करना बच्चों के लिए रोज़मर्रा की समस्या बन गई है. स्कूल का भवन इतनी खराब हालत में है कि बच्चे बिना बेंच के गंदे फर्श पर बैठकर पढ़ने को विवश हैं. यहां तक कि छत से पानी टपकता है और फर्श पर कीचड़ जमा रहता है, जिससे बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य दोनों पर खतरा मंडरा रहा है. जब

इस मुद्दे को लेकर प्रधानाध्यापक प्रमोद सिंह से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि पिछले साल मरम्मत करवाई गई थी, लेकिन फिर भी पानी टपक रहा है. उन्होंने यह भी बताया कि स्कूल को मेंटेनेंस के लिए सिर्फ 50 हजार रुपये मिलते हैं, जो ऑनलाइन व्यवस्था और अन्य खर्चों के लिए भी काफी कम हैं.

ग्रामीणों का आरोप है कि इस सीमित राशि का इस्तेमाल सही तरीके से नहीं किया जाता, और मरम्मत केवल खानापूरी के तौर पर की जाती है. उनका कहना है कि अगर सही तरीके से मरम्मत की जाए, तो बच्चों को गंदे पानी और रिसाव से छुटकारा मिल सकता है. यह हालत बच्चों के लिए न केवल मानसिक तनाव, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक है.इसके अलावा, मिड डे मील में भी कई अनियमितताएं सामने आई हैं. रसोइया के अनुसार, कभी-कभी ही हरी सब्जी बनाई जाती है, जो सरकार द्वारा तय पोषण मापदंडों का उल्लंघन करती है. इसके अलावा, स्कूल के शौचालयों की स्थिति भी बदतर है – न पानी की व्यवस्था है, न साफ-सफाई. मजबूरी में बच्चे खुले में शौच करने को मजबूर हैं, जो न केवल शर्मनाक है बल्कि स्वास्थ्य के लिहाज से भी खतरनाक है.

यह सवाल अब प्रशासन और शिक्षा विभाग से उठता है कि आखिर कब तक बच्चों की जिंदगी के साथ ऐसा खिलवाड़ होता रहेगा? क्या शिक्षा विभाग और प्रशासन इन बच्चों की तकलीफों पर ध्यान देंगे? क्या केवल कागजों पर विकास दिखाने से असली समस्याएं हल हो जाएंगी? क्या शिक्षा विभाग ने कभी इस स्कूल का निरीक्षण किया है? क्या बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकता में है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल – क्या प्रधानाध्यापक के खिलाफ कोई कार्रवाई होगी, या बच्चों की जिंदगी ऐसे ही दांव पर लगती रहेगी? यह स्थिति सरकार और प्रशासन की नाकामी को उजागर करती है, और बच्चों के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है.

डीसी ने किया लावालौंग प्रखंड का दौरा, समस्याओं पर की चर्चा

शुभम संदेश। चतरा

उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद सहित अन्य जिला प्रशासनिक अधिकारियों के साथ लावालौंग प्रखंड का दौरा किया. इस दौरे में उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और क्षेत्रीय विकास हेतु महत्वपूर्ण निर्देश दिए. दौरे की शुरुआत झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी के तहत संचालित मल्चिंग कृषि परियोजना के निरीक्षण से हुई. उपायुक्त ने सखी मंडल की दीदियों से आत्मीय संवाद किया और उनकी मेहनत की सराहना की. उन्होंने बताया कि मल्चिंग विधि से मिट्टी की नमी बनी रहती है, खरपतवार पर नियंत्रण होता है और उपज में वृद्धि होती है. यह पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित और टिकाऊ है. उपायुक्त ने इस तकनीक के लाभ को अन्य प्रखंडों में भी बढ़ावा देने की बात की और साथ ही दीदियों को बतख पालन, अमरूद बागवानी और पपीता की खेती जैसे विकल्पों से जोड़ने का सुझाव दिया ताकि ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि हो सके. बैठक में उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने क्षेत्रीय समस्याओं को समझने के लिए जनप्रतिनिधियों से खुली चर्चा की. जनप्रतिनिधियों ने जर्जर सड़कों, आंगनबाड़ी केंद्रों की जर्जर स्थिति और मोबाइल नेटवर्क की खराब स्थिति पर ध्यान आकर्षित किया. उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे बिजली से वंचित गांवों का सर्वे करें.

ब्रीफ न्यूज

कार की टक्कर में ऑटो सवार दंपती घायल, इलाज जारी

गुमला। सिसई रोड पर स्थित करम डीपा के पास शुक्रवार की देर शाम एक कार और ऑटो के बीच सीधी टक्कर हो गई, जिसमें ऑटो सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों की पहचान हड़ुआ टोली गांव निवासी बहुरन महली और उसकी पत्नी मारवाड़ी महली के रूप में हुई है. घटना के अनुसार, राजेश महली ने बताया कि उनकी मां कुछ दिन पहले मेहमान गए थे और शुक्रवार की शाम बस से गुमला लौटीं थीं. उनके पिता ऑटो लेकर बस पड़ाव से उन्हें लेने गए थे. जैसे ही वे घर लौट रहे थे, करम डीपा के पास अचानक उनकी ऑटो कार से टकरा गई. इस हादसे में दोनों दंपति के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं.

सांप ने बच्ची को डसा सदर अस्पताल में भर्ती

गुमला। बसिया थाना क्षेत्र स्थित बाटालोया गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी. विजय साहू की दस वर्षीय पुत्री श्वेता उरांव को बकरी चराने के दौरान जहरीले सांप ने डस लिया. घटना के बाद, श्वेता ने किसी तरह घर लौटकर परिजनों को इस भयानक घटना के बारे में बताया. परिजनों ने घबराए बिना उसे तुरंत रेफरल अस्पताल बसिया पहुंचाया. वहां से डॉक्टरों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे सदर अस्पताल गुमला के लिए रेफर कर दिया. श्वेता को शुक्रवार की देर रात सदर अस्पताल लाया गया, जहां उसकी इलाज प्रक्रिया चल रही है. अस्पताल में उसे इलाज देने वाले चिकित्सकों के अनुसार, सांप के जहर का असर न बढ़े, इसके लिए तुरंत उपचार किया जा रहा है.

पांच परगना उच्च विद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम

बुंडू। पांच परगना उच्च विद्यालय ताऊ बुंडू में शनिवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए उन्हें वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर सभी जीवों के लिए ऑक्सीजन का संचार जरूरी है, और वृक्ष हमें यही जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं. प्रधानाध्यापक ने छात्रों से आग्रह किया कि प्रत्येक छात्र कम से कम एक पेड़ लगाए ताकि पर्यावरण की स्थिति को सुधारने में योगदान दिया जा सके.

सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ की बैठक हुई संपन्न

पिपरवार। बचरा ऑफीसर्स क्लब में सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ की एक महत्वपूर्ण कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक में भारतीय मजदूर संघ के कोल प्रभारी और जेबीसीसीआई सदस्य श्री के. लक्ष्म रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के अध्यक्ष संजय कुमार चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. कार्यक्रम की अध्यक्षता सीसीएल कर्मचारी संघ के अध्यक्ष निर्मुण महतो ने की, जबकि संचालन का कार्य महामंत्री शशि भूषण सिंह ने किया.

उमराव साधो कुजूर की 43वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

नामकुम। शनिवार को खिजरी के लोकप्रिय और कर्मठ पूर्व विधायक स्व उमराव साधो कुजूर की 43वीं पुण्यतिथि बड़े श्रद्धा भाव से मनाई गई. यह आयोजन नामकुम के सदाबहार चौक स्थित विधायक की प्रतिमा के पास हुआ. श्रद्धांजलि सभा की शुरुआत खिजरी के पाहन लोंदई पाहन, पाइन भोरा, और बिरसा पाहन द्वारा विधिवत पूजा से की गई.

डीएसई ने स्कूल का किया निरीक्षण, एचएम व सीआरपी का वेतन रोका

शुभम संदेश। गुमला

जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम ने शनिवार को गुमला जिले के उत्क्रमित मध्य विद्यालय तर्री का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान विद्यालय की कई व्यवस्थाओं में खामियां पाई गईं, जिसके कारण उन्होंने एचएम (हेडमास्टर) सर्वेश्वर कुमार और सीआरपी (सर्कल रेसोर्स पर्सन) का वेतन रोकने का आदेश दिया. निरीक्षण में विद्यालय के जर्जर भवन, सफाई की कमी, उपस्कर और पुस्तकों के समुचित रख-रखाव में लापरवाही पाई गई. इसके अलावा, विद्यालय प्रबंधन समिति और शिक्षकों के बीच समन्वय की कमी भी ध्यान में आई, जिसे एचएम की लापरवाही बताया गया. डीएसई ने इस पर शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों से सुधार के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा. तर्री स्कूल जिला मुख्यालय से महज एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. विद्यालय का भवन दो तल्ला और मजबूत है, लेकिन छत पर गंदगी जमा होने के कारण जल जमाव और वर्षा के पानी का रिसाव हो रहा है. इस कारण भवन के चारों ओर का छज्जा टूटकर गिरने लगा है. एक कमरे में पुराने और नए पुस्तकें रखी गई हैं, जिनमें धूल की परत जम गई है.

इसके अतिरिक्त, दूसरे तल्ले के बरामदे में अनुपयोगी उपस्कर रखे गए हैं, जिन्हें मरम्मत कर उपयोग में लाया जा सकता है. विद्यालय में मध्याह्न भोजन बनाने के लिए नए बर्तन खरीदे गए हैं, लेकिन वे स्कूल से बाहर रखे गए थे. अधिकारियों की उपस्थिति में इन बर्तनों को विद्यालय में लाया गया. डीएसई के पूछने पर एचएम सर्वेश्वर कुमार मौन रहे और उन्होंने आवश्यक रिकाड्र्स जैसे कैश बुक आदि प्रस्तुत नहीं किए. विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक की कार्यवाही भी संतोषजनक नहीं पाई गई. इस पर नूर आलम ने निर्देश दिए कि विद्यालय को मिलने वाली राशि से प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाए और सोमवार से मजदूरों को लगाकर भवन की मरम्मत कराई जाए. इस निरीक्षण में बीपीओ ओम प्रकाश दास, एई शमशाद अली, जेई जुल्कर रैन आदि अधिकारी भी शामिल थे.

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में बोले उपायुक्त डॉ. ताराचंद

प्रखंडों में सहिया व सहायिका की मजबूत टीम बनायी जाए

शुभम संदेश। लोहरदगा

उपायुक्त डॉ. ताराचंद की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित की गई. इस बैठक में जिले के स्वास्थ्य व पोषण संबंधित योजनाओं की समीक्षा की गई और उन योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया. बैठक की शुरुआत में उपायुक्त ने स्वास्थ्य व पोषण योजनाओं के कार्यान्वयन में समन्वय की आवश्यकता को महसूस करते हुए सभी प्रखंडों में एएनएम, सहिया, आंगनवाड़ी सेविका व सहायिका की एक मजबूत टीम बनाने का निर्देश दिया. उनका उद्देश्य था कि ये टीमें जिला के हर कोने में पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर सकें, ताकि आम लोगों को आवश्यक सेवाएं सुलभ तरीके से मिल सकें. एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत बच्चों में एनीमिया की स्थिति को सुधारने के लिए उपायुक्त ने विद्यालयों द्वारा उठाए गए कदमों की विस्तार से समीक्षा की. उन्होंने निर्देश दिया कि विद्यालयों में बच्चों को आयरन और फोलिक एसिड की गोलियों का सेवन सुनिश्चित किया जाए. यदि किसी विद्यालय में यह निर्धारित खुराक बच्चों को नहीं दी जाती, तो संबंधित सीआरपी और बीआरपी को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.

उपायुक्त ने स्वास्थ्य और पोषण के इंडिकेटर्स में सुधार के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने पर जोर दिया. इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य, समाज कल्याण और शिक्षा विभाग को एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता जताई, ताकि योजनाओं का सही तरीके से कार्यान्वयन हो सके और जिले में स्वास्थ्य व पोषण के स्तर में सुधार हो सके. उपायुक्त ने गर्भवती महिलाओं के प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) को लेकर विशेष निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि जिले के सभी पोषक क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं का एएनसी सुनिश्चित किया जाए, ताकि उनका उचित निगरानी और उपचार हो सके. साथ ही, महिलाओं का हीमोग्लोबीन स्तर भी जांचा जाए, ताकि किसी भी स्वास्थ्य समस्या का समय पर निदान किया जा सके. स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई. उपायुक्त ने निर्देश दिया कि स्वास्थ्य केंद्रों में सभी जरूरी सेवाएं ससमय उपलब्ध रहें, ताकि जरूरतमंदों का इलाज सही समय पर किया जा सके. इसके अलावा, उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को प्रखण्ड स्तर पर बैठकें आयोजित करने का निर्देश दिया, ताकि स्वास्थ्य योजनाओं की प्रभावी समीक्षा की जा सके.

बैठक में टीबी, मलेरिया, कुष्ठ रोग और बच्चों के टीकाकरण कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई. उपायुक्त ने इन समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और स्वास्थ्य विभाग से इन पर नियमित निगरानी रखने को कहा. इस बैठक में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, सिविल सर्जन डॉ. राजू कच्छप, जिला शिक्षा अधीक्षक अभिजीत कुमार, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे. सभी ने मिलकर जिले के स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी योजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की और आवश्यक कदम उठाने का संकल्प लिया. बैठक के अंत में, उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में सभी योजनाएं समय पर और सही तरीके से लागू हों.

आपूर्ति पदाधिकारी ने पुगू में विभागीय कार्यों का किया निरीक्षण

गुमला। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीतिलता किस्कू ने शनिवार को गुमला सदर प्रखंड के पुग्गू पंचायत के विभिन्न सरकारी संस्थानों एवं योजनाओं का निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के क्रम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी आंगन बाड़ी केंद्र पुग्गू खास पहुंची जहां बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार की गुणवत्ता,टीकाकरण, साफ सफाई की जानकारी, संसाधन की उपलब्धता ,सेविका सहायिका की उपस्थिति एवं अन्य पहलुओं की जानकारी ली. सेविका सहायिका को बच्चों को पौष्टिक आहार एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया. राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय,घासीटोली में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने विद्यालय में छात्र छात्राओं की उपस्थिति, शिक्षकों की संख्या, मध्याह्न भोजन एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की जानकारी हासिल की.

आदिवासी महिलाओं का सशक्तीकरण अभियान

नामकुम। उषा मार्टिन फाउंडेशन आदिवासी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण सशक्तिकरण अभियान चला रहा है. इस अभियान के तहत 85 से अधिक महिलाओं को विभिन्न रोजगार उन्मुख कार्यक्रमों से जोड़ा गया है. इनमें जूट बैग, फोल्डर और कागज के ठोंगों के निर्माण का प्रशिक्षण, सोहराई पेंटिंग की कला, और बांस से हेडक्राफ्ट बनाने का प्रशिक्षण शामिल है. हरातू गांव की महिलाओं ने सोहराई पेंटिंग के माध्यम से 40 हजार रुपये की आमदनी की है.

प्रतिभा सम्मान समारोह में 280 छात्रों को किया गया सम्मानित

शुभम संदेश। चान्हो

प्रखंड कार्यालय परिसर में मैट्रिक और इंटर परीक्षा के सफल परीक्षार्थियों को भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान से नवाजा गया. इस अवसर पर राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने 280 छात्रों को सम्मानित किया. इनमें ब्लाइंड स्कूल की छात्राएं भी शामिल थीं. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी सफलता की पहली सीढ़ी है और उन्हें अवसरों को पहचान कर उन्हें सफलता में बदलने के लिए तैयार रहना चाहिए. उन्होंने बताया कि पहले यह सम्मान समारोह केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित था, लेकिन 2005 में बंधु तिर्की ने मांडर में इसकी शुरुआत की, जिसके बाद यह सम्मान समारोह अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी आयोजित किया जा रहा है. पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि सही दिशा में मेहनत से ही सफलता प्राप्त होती है. उन्होंने यह भी कहा कि अब छात्रों के पास इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी का बेहतरीन साधन है, जिसका उपयोग करके वे अपने भविष्य को संवार सकते हैं. समारोह में मैट्रिक टॉपर बबली भगत, इंटर टॉपर श्रवण कुमार, सोहेब अंसारी, सकलेन इमरान सहित कई छात्रों को सम्मानित किया गया.

जमीन से जुड़ी समस्याओं का अंचल दिवस में होगा समाधान: उपायुक्त

शुभम संदेश। गुमला

राजस्व एवं अंचल से संबंधित जनसमस्याओं के शीघ्र निष्पादन के लिए उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने शनिवार को अंचल दिवस की शुरुआत की. उपायुक्त ने शनिवार को घाघरा प्रखंड से इसकी अभिनव शुरुआत की. अंचल दिवस के अवसर पर घाघरा के नागरिकों से उपायुक्त ने सीधा संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं को सुना और समस्याओं के त्वरित निष्पादन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए. उपायुक्त ने कहा कि पदस्थापन के साथ ही उन्हें जिला स्तरीय जन शिकायत निवारण दिवस पर अंचल से संबंधित काफी संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं. अब तक ऐसे 120 से अधिक आवेदन केवल भूमि, दाखिल खारिज, राजस्व अभिलेखों में सुधार, जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र एवं अन्य अंचल सेवाओं से संबंधित प्राप्त हुए हैं. जन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए और राज्य सरकार से प्राप्त मार्गदर्शन के आधार पर उपायुक्त ने जनता को स्थानीय स्तर पर सुलभ सुविधा के लिए प्रत्येक शनिवार को अंचल दिवस की घोषणा की. कहा कि अंचल दिवस के आयोजन से जनता को बेवजह कार्यालयों का चक्कर नहीं लगना पड़ेगा. उन्होंने जनता से अंचल दिवस में अपने कार्यों का निष्पादन के लिए भाग लेने और अधिकारियों को त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिए.पहले दिन के अंचल दिवस में दाखिल खारिज के दस आवेदनों का तत्काल समाधान किया गया और लाभुकों के बीच शुद्धि पत्र वितरण किया गया. वहीं डीसी ने भूमि सुधार उप समाहर्ता और अनुमंडल पदाधिकारी को भी सप्ताह में दो दिन प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन करने का निर्देश दिया है. कहा कि अंचल स्तर से ऊपर के मामले की जन सुनवाई भूमि सुधार उप समाहर्ता एवं अनुमंडल पदाधिकारी करेंगे. कहा कि जिले के सभी अंचल में प्रत्येक शनिवार को अंचल दिवस आयोजित होंगे जबकि जिला प्रशासन ने विशेष अंचल दिवस की घोषणा की है. जिसमें उपायुक्त एवं जिला के वरीय अधिकारी शामिल होंगे.

जनसुनवाई विधायक डॉ रामेश्वर उरांव ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, कहा

हम हमेशा ग्रामीणों से जुड़े रहना चाहते हैं

शुभम संदेश। लोहरदगा

शनिवार को लोहरदगा जिले के पेसरार प्रखंड मुख्यालय में पूर्व मंत्री एवं स्थानीय विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव ने जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया. इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना. कार्यक्रम में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई, जिनमें पेयजल, राशन कार्ड, पथ निर्माण, पुलिया निर्माण, मैया सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, आधार कार्ड, आदि प्रमुख समस्याएं थीं.

ग्रामीणों द्वारा उठाई गई समस्याओं पर विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव ने त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि पेसरार एक सुदूरवर्ती क्षेत्र है, जहां आदिम जनजातियां निवास करती हैं और विकास कार्यों को अंजाम देने में कई तरह की चुनौतियां पेश आती हैं. लेकिन वह प्रखंड स्तर पर जाकर समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और चाहते हैं कि वह हमेशा ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं से जुड़े रहें.

डॉ. उरांव ने आगे कहा कि वर्तमान गठबंधन सरकार ने ₹मैया सम्मान योजना₹ के तहत महिलाओं को सशक्त बनाने का काम किया है. इसके साथ ही अन्य लोककल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सभी वर्गों और गांवों के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने समाज और संस्कृति के विकास की भी आवश्यकता पर बल दिया. इस अवसर पर कार्यकारी ज़िलाध्यक्ष हाजी शकील अहमद, विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, विनोद सिंह खेरवार, रविंदर खेरवार, जिप सदस्य रूबी कुमारी, शामूल अंसारी, सदरुल अंसारी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे. सभी ने मिलकर विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव के प्रयासों का समर्थन किया और क्षेत्र के विकास में योगदान देने का संकल्प लिया. यह कार्यक्रम क्षेत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जिससे ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद मिली.

गोली चलाने के आरोपी मदन गिरफ्तार, जेल भेजा गया

बुढ़मू। पुलिस ने शनिवार को करंबा गांव में छापामारी कर गोली चलाने के मुख्य आरोपी मदन यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. यह घटना आपसी जमीन विवाद को लेकर हुई थी. पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को करंबा गांव के विष्णु यादव और मदन यादव के बीच जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद मदन यादव और उनके साथियों ने गोली चलाने की घटना को अंजाम दिया. विष्णु यादव ने इस घटना के बाद बुढ़मू थाना में मदन यादव समेत तीन अन्य आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मदन यादव को गिरफ्तार कर लिया. साथ ही घटनास्थल से एक जिंदा गोली भी बरामद की गई है, जो मामले की गंभीरता को दर्शाती है. वहीं, मदन यादव के परिजनों ने आरोप लगाया है कि गोली चलाने की घटना नहीं हुई थी.

एक नजर

धरती आबा जागृति अभियान में 62 हजार लोग हुए लाभान्वित

गुमला। पीवीजीटी परिवार को लाभान्वित करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित धरती आबा जनजातीय जागृति अभियान के तहत गुमला जिला में अब तक अब तक 678 से अधिक कैंप आयोजित किए जा चुके हैं. प्रतिदिन गुमला जिला के पंचायतों एवं गांवों में औसतन 40 शिविरों आयोजित किए जा रहे हैं और ग्रामीणों को उनके हक अधिकारी की जानकारी के साथ जरूरतमंदों को लाभान्वित किया जा रहा है. उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के अनुसार इस अभियान का उद्देश्य पीवीजीटी समुदाय के समावेशी विकास को सुनिश्चित करना है. अब तक पीभीटीजी बाहुल्य 146 गांवों में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया. जिससे 216 गांवों के नागरिक शामिल हुए. इन शिविरों के माध्यम से अब तक 62,237 से अधिक पीभीटीजी समुदाय के सदस्यों को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ दिया जा चुका है.

लोहरदगा में नेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

लोहरदगा। जिला में 07-16 जुलाई तक सभी बीएलओ के लिए नेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया जा रहा है, जिसका संचालन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सचिव, मंत्रिमण्डल (निर्वाचन) विभाग द्वारा किया जा रहा है. इसी क्रम में पांचवें दिन जिला परिषद लोहरदगा में प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया. इस सत्र में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने प्रशिक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला और प्रशिक्षण के बाद के कार्यों की जानकारी ली. आज के प्रशिक्षण में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी आशुतोश कुमार, मास्टर ट्रेनर उदय कुमार महतो और रऊफ अंसारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया. यह प्रशिक्षण मतदान केंद्र संख्या 201 से 250 तक के बीएलओ के लिए था.

मणि फिसरी केंद्र टुकुपानी में मछली बीज का वितरण

सिमडेगा। जिले के टुकुपानी स्थित मणि फिसरी केंद्र में रविवार को मछली बीज (जीरा) का वितरण किया जाएगा. केंद्र के संचालक रमेश प्रसाद ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि इस अवसर पर इच्छुक व्यक्ति जो मत्स्य पालन में रुचि रखते हैं, वे केंद्र से संपर्क कर सकते हैं. केंद्र पर मछली पालन की तकनीकी जानकारी और उच्च गुणवत्ता वाले मछली बीज प्रदान किए जाएंगे, जिससे किसान या उद्यमी इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं. रमेश प्रसाद ने यह भी बताया कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर ग्रामीण युवा स्वरोजगार के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं. इस प्रकार के प्रयासों से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ेगा, बल्कि मछली पालन से किसानों की आय में भी वृद्धि होगी.

जीवन को सफल एवं सार्थक बनाएं: अखिलेश कुमार

गुमला। सरस्वती विद्या मंदिर गुमला में शनिवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गयाद्ध जिसमें दसवीं व बारहवीं बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया. विद्या विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित संकुल स्तरीय मेधावी छात्र सम्मान समारोह में 33 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया. सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी और आंखों में आत्मविश्वास झलक रहा था. विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफल होने के साथ जीवन का सार्थक होना भी अनिवार्य है. विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें. मेरिट केवल शिक्षा में ही नहीं हर क्षेत्र में होना चाहिए. सचिव विजय बहादुर सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी काम को बीच में नहीं छोड़ना है. जब तक मंजिल ना मिले बगैर रुके प्रयास करते रहना है.

पाकरटांड़ में बैठक: सांप डंसने से बचाव व वैक्सीनेशन पर जोर

सिमडेगा। पाकरटांड़ अंचल कार्यालय में अंचल अधिकारी नितीन शिवम् गुप्ता की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक में सदर बीपीएम दिलीप कुमार सिंह, प्रखंड लेखा प्रबंधक रविकांत कुमार और मोहम्मद बाबू समेत अन्य अंचल कर्मचारी उपस्थित रहे. बैठक में मुख्य रूप से सांप काटने से बचाव, उपचार और वैक्सीनेशन पर चर्चा की गई. बीपीएम दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि यदि सांप काटे गए व्यक्ति को चार घंटे के भीतर सदर अस्पताल सिमडेगा पहुंचा दिया जाए, तो उसकी जान बचाई जा सकती है. इसके लिए गांव से एंबुलेंस तक लाने के लिए 500 की राशि तुरंत उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि आपातकालीन स्थिति में कोई देरी न हो. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सदर अस्पताल में एंटी-स्नैक वेनम की कोई कमी नहीं है और इसके बारे में जन जागरूकता बढ़ाई जा रही है. सांप के काटने से मृत्यु होने पर मृतक के परिवार को 4 लाख का मुआवजा दिया जाएगा.

पेज एक का शेष...

बाबा साहेब अंबेडकर से आदिवासी ग्राम व्यवस्था की अनदेखी हुई?

अब से गांव-गांव में सब तीर पठाओ. पत्ता मिले तो समझना कि धर्म की बात सुनने को बुलाया है. तीर भेजने से समझना कि मैं लड़ने के लिए बुला रहा हूं.' (जंगल के दावेदार, महाश्वेता देवी, पृष्ट सं 104)

डॉक्टर अल्तेकर ने 'स्टेट एण्ड गवर्नमेंट इन ऐंशियेंट इण्डिया' में लिखा है कि 'अति प्राचीनकाल से ही भारत में प्रशासन की धुरी गांव रहे हैं... इसमें सन्देह नहीं कि गांव ही सामाजिक जीवन के केन्द्रबिन्दु और देश की अर्थव्यवस्था के प्रधान इकाई थे. राष्ट्रीय संस्कृति,समृद्धि और प्रशासन का भव्य भवन इन्हीं पर खड़ा था, इनसे ही इनको संबल प्राप्त होता था.' (पृष्ठ 225).

श्री श्रीमन्नारायण ने अपने 'गान्धीयन कांस्टीट्यूशन' के पृष्ठ ४६-४७ में सर चार्ल्स ट्रेवलीन लिखते हैं- 'एक के बाद एक विदेशी आक्रमण-कारी भारत में आते और जमते रहे, किन्तु कुश की भांति ग्राम-पालिका-समितियां अपने स्थान पर डटी रहीं.' सर जॉर्ज बर्डउड ने लिखा है कि संसार के किसी भी देश में भारत जितनी धार्मिक और राजनीतिक क्रान्तियां नहीं हुई हैं, फिर भी ग्राम-समितियों के कार्यों पर कोई आँच नहीं आयी. वे समग्र देश में सदा की भांति एकरस स्थानीय हित के कार्यों में लगी रहीं.

चार दशक बाद संवैधानिक दर्ज़ा : संविधान सभा में अम्बेडकर के विरोध के चलते लगभग समझौते के तौर पर पंचायतों को राज्य के नीति निर्देश तत्वों में शामिल किया गया. अंबेडकर के नजरिए को ठीक करने में लगभग चार दशक लग गए. 1992 में 73वें संविधान संशोधन के बाद पंचायतों को संवैधानिक दर्जा मिला और 1996 में अनुसूचित क्षेत्रों (आदिवासी क्षेत्रों) के लिए विशेष प्रावधान किए गए. इससे आदिवासी ग्राम व्यवस्था को कानूनी मान्यता और अधिकार मिले. आदिवासी ग्राम व्यवस्था की ताकत सामूहिक निर्णय, सामाजिक समरसता,पारदर्शिता, महिलाओं की भागीदारी, स्थानीय विवादों का त्वरित समाधान और प्राकृतिक संसाधनों के सामूहिक प्रबंधन का कर्तव्य है.

संविधान की आत्मा समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व है और आदिवासी ग्राम परंपराएं इन मूल्यों का जीवंत उदाहरण हैं. अंबेडकर का नजरिया न्याय की मांग करता था और यही न्याय अब हमें आदिवासी ग्राम व्यवस्थाओं से सीख कर और उन्हें सशक्त कर के ही मिलेगा. आज के समय में जब पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने की बातें हो रही हैं, तो हमें यह भी देखना होगा कि क्या हम वाकई आदिवासी मॉडल से कुछ सीख रहे हैं या फिर उसी औपनिवेशिक ढांचे को आधुनिक नाम दे रहे हैं?

मंथन

विकास की मुख्यधारा से हर जिले को जोड़ने की कवायद

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित झारखंड कैबिनेट बैठक ने राज्य के समावेशी विकास को गति देने वाले कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी है. कुल 27 महत्वपूर्ण प्रस्तावों में बुनियादी ढांचा विकास, प्रशासनिक पारदर्शिता, सामाजिक सुरक्षा और सेवा प्रबंधन से जुड़े फैसले राज्य के भविष्य की दिशा तय करने वाले हैं. पुलिस थानों में दो व चार पहिया वाहनों की खरीद, संस्था निबंधन नियमावली का गठन, और सरकारी कर्मियों के लिए 6 फ़ीसदी महंगाई भत्ते की वृद्धि जैसे निर्णय प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुचारु और संवेदनशील बनाएंगे. वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रस्तावित सड़क परियोजनाएं न सिर्फ भौगोलिक दूरी कम करेंगी, बल्कि आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को भी मजबूती प्रदान करेंगी. मुख्यमंत्री की यह बात कि हर जिले को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए₹ केवल एक नारा नहीं, बल्कि नीति का स्पष्ट संकेत है. राज्य के पिछड़े जिलों को मुख्यधारा में लाने के लिए इस प्रकार की योजनाओं और बजट प्रावधानों की निरंतरता आवश्यक है. साथ ही अनुपूरक बजट लाने की संभावना इस बात का संकेत है कि सरकार सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में लचीलेपन और तत्परता के साथ काम कर रही है. यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में इन निर्णयों पर ठोस चर्चा हो और जनता को इनका सीधा लाभ मिले. झारखंड यदि समान विकास का मॉडल बनना चाहता है, तो निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन पर ज़ोर देना होगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने दूसरे कार्यकाल में लगातार जनोपयोगी नीतियां लागू करके विकास का ढांचा खड़ा कर रहे हैं।

नजरिया

सर्पदंश से मौतें: स्वास्थ्य ढांचे व जनजागरूकता की परीक्षा

पलामू जिले के चैनपुर क्षेत्र से आई सर्पदंश की दो घटनाएं अत्यंत पीड़ादायक हैं. एक ही रात में तीन लोगों की मौत और दो की गंभीर हालत न केवल एक दुखद त्रासदी है,बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में जनस्वास्थ्य व्यवस्था की चुनौतियों को भी उजागर करती है. विधायक आलोक चौरसिया के नाती अर्जुन और देव की मौत और उनके दामाद की गंभीर स्थिति ने समाज को झकझोर दिया है. वहीं बासडीह गांव की शकुंतला की मौत और उनके पति की गंभीर स्थिति ने यह साबित कर दिया है कि संकट वर्ग या पद देखकर नहीं आता. इन घटनाओं में एक बात सामान्य है-सभी पीड़ित जमीन पर सो रहे थे और रात के समय जहरीले सांप ने उन्हें डसा. यह सीधे तौर पर ग्रामीण जीवन की मजबूरियों और जागरूकता की कमी को दर्शाता है. गर्मी और वर्षा के मौसम में सर्पदंश की घटनाएं आम होती हैं, लेकिन आज भी गांवों में न तो बचाव उपायों की जानकारी है और न ही समय पर इलाज की व्यवस्था. ऐसी घटनाएं यह सोचने को मजबूर करती हैं कि क्या ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र और आपातकालीन सेवाएं पर्याप्त हैं? रिम्स जैसे बड़े अस्पतालों तक पहुंचने से पहले ही अगर रास्ते में जान चली जाए, तो यह चिकित्सा व्यवस्था की असफलता का संकेत है. सरकार स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाए, प्राथमिक चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करे और गांवों में सुरक्षित रहने की जानकारियां पहुंचाए. सर्पदंश से होने वाली मौतें रोकी जा सकती हैं, बशर्ते हम सजग हों और व्यवस्था जिम्मेदार.

हर एक स्पर्श व दृष्टि में है जीवन का भावार्थ

डॉ मयंक मुरारी

जीवन का अर्थ हमसे कहीं भी छिपा नहीं है. बस यह कस्तूरी मृग की तरह है.

जीवन की यात्रा में हम उसका अर्थ खोजते हैं. हम सदैव कुछ ऐसा चाहते हैं जो हमें जीने का उद्देश्य दे. और, जीवित रहने का एक कारण हो. एक ही इच्छा होती है कि मृत्यु के पूर्व यह अनुभूति न हो कि सब व्यर्थ गया. जीवन बर्बाद हो गया. तब प्रश्न उठता है कि हम इसका अर्थ कैसे पाएं? जीवन का अर्थ हमसे कहीं भी छिपा नहीं है. यह हर उस चीज में है, जिसे हम छूते हैं, देखते हैं और गुजर जाते हैं. जीवन का अर्थ ठीक उस कस्तूरी मृग की भांति है. हम पूरी दुनिया में अर्थरूपी अमृत कलश को खोजते हैं, जबकि हम अपने भीतर के स्त्रोत की खोज ही नहीं करते हैं. हरमन हेस अपने उपन्यास "सिद्धार्थ" में कहते है कि- क्या सभी झरनों का प्राचीन स्रोत उसके अपने हृदय में नहीं बहता था? यही वह था जिसे खोजना था, अपने ही अस्तित्व के भीतर स्रोत. हमें बस इसको ही अपना बनाना था. बाकी सब खोज, चक्कर और उलझन बेकार की बात है.जीवन में खुशी की खोज भोग या इच्छा के साथ सही नहीं है. यही हमको उलझाा देता है. जब हम किसी चीज को बहुत अधिक उत्सुकता के साथ खोजने लगते है तो हम उसमें पूरी तरह विलीन हो जाते हैं.
हरमन हेस अपने उपन्यास में कहते हैं कि जीवन का अर्थ खोजना उत्तर नहीं है, जीवन जीना, शांति और करुणा के साथ जीना ही सही पथ है. सिद्धार्थ का मुख्य पात्र जीवन का अर्थ खोजने के लिए आम आदमी की दुनिया में प्रवेश करता है. वह उनके सुख में लिप्त होता है, प्रेमी बनता है, संपत्ति अर्जित करता है. इससे एक आसक्ति बनती है और अंततः वह नौकर, धन और पदार्थ का बड़ा घर बनाता है जहां सुख की अनुभूति शून्य है. वह सीखता है कि ये बातें उथली और क्षणभंगुर है. इन चीजों से हमारी आत्मा के भीतर स्थायी खुशी की भावना नहीं आती है. हरएक व्यक्ति पूरी संभावना के साथ जन्म लेता है. कोई जन्म से पूर्ण नहीं होता है. वह क्या बनना या प्राप्त करन चाहता है, उसके भीतर ही छिपा होता है. यह भीतर से आता है, अतएव विकास उस भीतर की चीज चेतना की प्रगति से करनी होगी. जब कोई व्यक्ति आत्मसिद्ध होता है, वह चरम अनुभवों को प्राप्त करता है. फिर उसे किसी चीज की मांग नहीं रहती, कोई इच्छा नहीं, कोई आकांक्षा नहीं. वह जो है, उसमें पूर्णतया संतुष्ट होता है.जर्मन में जन्मे स्विस लेखक हरमन हेस की सिद्धार्थ (1922) और स्टेपेनवुल्फ (1927) सहित कई रचनाएं जीवन में पूर्णता और अर्थ खोजने में सहयोग करती है. उन्होंने 1946 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार जीता. हरमन हेस ने उपन्यास के अलावा पूर्व की यात्रा पर आधारित जीवनी लिखा है. सिद्धार्थ उपन्यास का मुख्य पात्र भी संतुष्ट नहीं है. वह अपने भविष्य को छोड़कर ज्ञान की तलाश करने का फैसला करता है. वह अपने अभिन्न मित्र के साथ जीवन का अर्थ खोजने निकल पड़ता है. सबसे पहले तपस्वियों के एक समूह के पास जाता है, जो व्यक्तिगत संपत्ति से दूर रहते हैं और वे भौतिक दुनिया को सभी दर्द का स्रोत मानते हैं. फिर एक वेश्या सिद्धार्थ को भौतिक प्रेम का रहस्य सिखाती है. एक धनी व्यापारी के पास जो सिद्धार्थ को लाभ, व्यापार और सांसारिक सुखों के बारे में सिखाता है. फिर एक भोगवादी जीवन की ओर जिसमें सिद्धार्थ खाता है, पीता है, जुआ खेलता है और बहुत ही पापपूर्ण तरीके से कई यौन इच्छाओं में लिप्त रहता है. अंत में, एक तपस्वी जीवन में वापस, लेकिन एक ऐसा जीवन जो दुनिया और उसमें मौजूद हर चीज को विशेष और अद्वितीय मानता है. अपनी यात्रा के विभिन्न चरणों के दौरान, सिद्धार्थ को हर उस व्यक्ति में कुछ मूल्यवान चीज मिलती है जिसके साथ वह बातचीत करता है और प्रत्येक चरण उसे उसके अंतिम लक्ष्य के करीब ले जाता है.
सुंदर और गहन रूप से विचारोत्तेजक लेखन के माध्यम से, हेस ने पृथ्वी पर प्रत्येक व्यक्ति के मौलिक मूल्य को प्रदर्शित किया है. ब्रह्मांड में योगदान देने के लिए हर किसी के पास कुछ खास है.मेरा हमेशा से यह विश्वास रहा है, कि चाहे हमारे जीवन

एक सच्चा साधक, जो वास्तव में खोजना चाहता है, वह किसी भी सिद्धांत को स्वीकार नहीं कर सकता. लेकिन जिस व्यक्ति ने वह पा लिया है, जिसे खोजना चाहता था, ऐसा व्यक्ति हर सिद्धांत, हर मार्ग, हर लक्ष्य को स्वीकार कर सकता है.

में कोई भी अच्छी या बुरी परिस्थिति आए, हम उसे अर्थ दे सकते हैं, तथा उसे मूल्यवान वस्तु में बदल सकते हैं. लेकिन ऐसा नहीं होता है. इसका कारण यह है कि मेरा वास्तविक स्वरूप कहीं और, बहुत दूर, अदृश्य रूप से भटकता रहता है और उसका मेरे जीवन से कोई लेना-देना नहीं है, जबकि हम वास्तविक रूप में कहीं और ही होते हैं. उपन्यास में सिद्धार्थ कहता है कि कोई व्यक्ति खोज रहा होता है, तो यह बहुत आसानी से होता है कि वह केवल वही चीज देखता है जिसे वह खोज रहा होता है. ऐसा होने पर वह कुछ भी पाने में असमर्थ होता है, कुछ भी आत्मसात करने में असमर्थ होता है, क्योंकि वह केवल उस चीज के बारे में सोच रहा होता है जिसे वह खोज रहा होता है, क्योंकि उसके पास एक लक्ष्य होता है.
ज्यादातर लोग गिरते हुए पत्ते की तरह होते हैं जो हवा में मुड़ता-घूमता रहता है, लड़खड़ाता है. जमीन पर गिरता है. हालांकि, दूसरे लोग-बहुत कम-एक निश्चित मार्ग पर स्थापित सितारों की तरह होते हैं. कोई हवा उन तक नहीं पहुंच सकती, और वे अपने भीतर अपना नियम और अपना मार्ग लेकर चलते हैं. अपने लक्ष्य की ओर प्रयास करने के दौरान हम अपनी नाक के नीचे मौजूद कई चीजों को नहीं देख पाते हैं. वे सारी आवाजें, सारे लक्ष्य, सारी चाहत, सारे दुख, सारे सुख, सारी अच्छाई और बुराई, ये सब मिलकर ही दुनिया थी. ये सब मिलकर ही घटनाओं की धारा थी, जीवन का संगीत था. जीवन कोई अलग चीज नहीं होती है. मेरा रास्ता मुझे कहां ले जाएगा? यह प्रश्न ही बेवकूफी भरा है. रास्ता जहां और जिस भी तरफ जाएगा, मैं उसका अनुसरण करूंगा. जीवन का देखने का यही सही तरीका है. ऐसा नहीं करने कारण ही हम जो मूल्यवान है उसको खोते जाते हैं. एक सच्चा साधक, जो वास्तव में खोजना चाहता है, वह किसी भी सिद्धांत को स्वीकार नहीं कर सकता. लेकिन जिस व्यक्ति ने वह पा लिया है जिसे वह खोजना चाहता था, ऐसा व्यक्ति हर सिद्धांत, हर एक, हर मार्ग, हर लक्ष्य को स्वीकार कर सकता है.

आज का इतिहास

- 1645: अलेक्सेई रोमानोव अपने पिता माइकल की जगह रूस के शासक बने।
- 1803: राजा राम मोहन राय व एलेग्जेंडर डफ ने स्कॉटिश चर्च कॉलेज शुरू किया.
- 1977: जनता पार्टी सरकार ने भारत रत्न सहित अन्य नागरिक सम्मान देना बंद कर दिया.
- 1998: लिएंडर पेस ने हॉल आफ़ फ़ेम टेनिस में जीवन का प्रथम ए.टी.पी. ख़िताब जीता.
- 2000: फिजी में महेंद्र चौधरी समेत 18 बंधक रिहा किए गए.
- 2004: रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साइबेरिया और देश के सुदूर पूर्ववर्ती इलाकों के विकास के लिए भारत से और मज़बूत संबंधों की इच्छा जताई.
- 2006: परमाणु बम निर्माण संबंधी ईरान मसला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के हवाले.
- 2011: देश की आर्थिक राजधानी मुंबई तिहरे बम धमाकों से दहल उठी. इन धमाकों में बहुत बड़ी जनहानि हुई.

मुट्ठी न हमेशा खुली अच्छी, न हमेशा बंद अच्छी...

चिंतन

एक गांव में एक आदमी के दो पुत्र थे राम और श्याम. दोनों थे तो सगे भाई पर एक दुसरे के बिल्कुल विपरीत, जहां राम बहुत कंजूस था वहीं श्याम को फिजूलखर्ची की आदत थी. दोनों की पत्नियां भी उनकी इस आदत से परेशान थीं.
घरवालों ने दोनों को समझाने के बहुत प्रयास किये पर ना राम अपनी कंजूसी छोड़ता और ना ही श्याम अपनी फिजूलखर्ची से बाज आता.
एक बार गांव के करीब ही एक बहुत ही सिद्ध महात्मा का आगमन हुआ. राम और श्याम के वृद्ध पिता ने सोचा क्यों न उन्हीं से इस समस्या का समाधान पूछा जाए और अगले ही दिन वे महात्मा जी के पास पहुंचे.
महात्मा जी ने ध्यानपूर्वक उनकी बातें सुनीं और अगले दिन दोनों पुत्रों को लेकर आने को कहा.
पिताजी तय समय पर पुत्रों को लेकर पहुंच गए.
महत्मा जी ने पुत्रों के सामने अपनी बंद मुट्ठियां घुमाते हुए कहा, बताओ यदि मेरा हाथ हमेशा के लिए ऐसा ही हो जाए, तो कैसा लगेगा? राम और श्याम बोले, ऐसे में तो ऐसा लगेगा जैसे कि आपको कोढ़ हो.
अच्छा अगर मेरे हाथ हमेशा के लिए ऐसे हो जाएं तो कैसा लगेगा? महात्मा जी ने अपनी फैली हथेलियां दिखाते हुए पूछा.
जी , तब भी यही लगेगा कि आपको कोढ़ है. राम और श्याम हंसते हुए बोले.
तब महात्मा जी गंभीरता से बोले, पुत्रों यही तो मैं तुम्हे समझाना चाहता हूं , हमेशा अपनी मुट्ठी बंद रखना यानी कंजूसी दिखाना या हमेशा अपनी हथेली खुली रखना यानी फिजूलखर्ची करना एक तरह का कोढ़ ही तो है. हमेशा मुट्ठी बंद रखने वाला धनवान होते हुए भी निर्धन ही रहता है और हमेशा मुट्ठी खुली रखने वाला चाहे जितना भी धनवान हो उसे निर्धन बनते समय नहीं लगता. सही व्यवहार है कि कभी मुट्ठी बंद रहे तो कभी खुली, तभी जीवन का संतुलन बना रहता है.
पुत्र महात्मा जी की बात समझ चुके थे. अब उन्होंने मन ही मन सोच-समझ कर ही खर्च करने का निश्चय किया.

X इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #SamsungGalaxyM36
2. #AiSmartphonesXCheQ
3. #LoveForMonster
4. #AirIndiaCrash
5. #BissellIndia
6. Boeing
7. KVM AS ZEHRAAK IN SILAA
8. Teach Values
9. Strong Roots
10. एयर इंडिया

बहुरंग

'मालिक' और 'आंखों की गुस्ताखियां' की पहले दिन 3.35 करोड़ रुपये की कमाई की

अभिनेता राजकुमार राव इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मालिक' को लेकर चर्चा में हैं. 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म में पहली बार राजकुमार राव का गैंगस्टर अवतार देखने को मिला, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा और प्यार दिया. दूसरी ओर, विक्रांत मैसी की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' भी उसी दिन रिलीज़ हुई और इन दोनों फिल्मों के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिला. अब दोनों ही फिल्मों के पहले दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ चुके हैं. 'मालिक' बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट बॉक्स ऑफिस ट्रैकिंग वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, 'मालिक' ने रिलीज के पहले दिन 3.35 करोड़ रुपये की कमाई की है. मौजूदा समय में सिनेमाघरों में कई फिल्में लगी हुई हैं, ऐसे में फिल्म की यह ओपनिंग ठीक-ठाक मानी जा रही है. हालांकि, फिल्म का कुल बजट करीब 50 करोड़ रुपये बताया जा रहा है, जिससे साफ है कि 'मालिक' को इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अभी लंबा सफर तय करना होगा. अब सारी उम्मीदें वीकेंड पर टिकी हैं, यही वो मौका है जब फिल्म को अपना असली दम दिखाना होगा और दर्शकों को बड़ी संख्या में सिनेमाघरों तक खींचना पड़ेगा. 'आंखों की गुस्ताखियां' बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट विक्रांत मैसी की फिल्म के लिए पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर जो नतीजा सामने आया, वो शायद खुद उन्होंने भी नहीं सोचा होगा. इस फिल्म से संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर ने बॉलीवुड में अभिनय की दुनिया में कदम रखा है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर 8210075897

मेष : आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा. शुभांक-2-6-8

वृष : सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. शुभांक-4-6-8

मिथुन : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-5-7-8

कर्क : ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. नैतिक दायरे में रहें. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें. मेहमानों का आगमन होगा. छात्रों को लाभ. शुभांक-4-6-7

सिंह : आय के अच्छे योग बनेंगे. संतान की उन्नति के योग हैं. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. पुराने मित्र से मिलन होगा. स्वविवेक से कार्य करें. शत्रुपक्ष से सावधान रहें. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. आत्मविश्वास बढ़ेगा. इच्छित कार्य सफल होंगे. इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं. शुभांक-2-5-6

कन्या : "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी. मेहमानों का आगमन होगा. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय. मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें. शुभांक-4-5-7

तुला : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. शुभांक-3-5-7

वृश्चिक : लाभ में आशातीत वृद्घि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय समान रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी. शुभांक-2-4-6

धनु : अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. कामकाज की अधिकता रहेगी. व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. शुभांक-4-6-7

मकर : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्घ कार्य संपन्न हो जाएंगे. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. आनन्ददायक वातावरण बनेगा. शुभांक-1-3-5

कुंभ : होश में रहकर कार्य करें. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं. शुभांक-3-4-6

मीन : राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. मनोरथ सिद्घि का योग है. शुभांक-2-4-6

सैफ अली खान पर हुए हमले पर रोनित रॉय बोले- हमलावर के निशाने पर सैफ नहीं करीना थी

16 जनवरी की आधी रात को सैफ अली खान के घर में घुसे एक हमलावर ने उन पर चाकू से कई वार किए थे. इस हमले में सैफ गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया था. यह घटना पूरे देश को चौंका देने वाली थी और राजनीतिक गलियारों में भी इसकी गूंज सुनाई दी थी. अब, इस हमले के छह महीने बाद अभिनेता रोनित रॉय ने सनसनीखेज खुलासा किया है. उन्होंने दावा किया है कि उस रात सिर्फ सैफ ही नहीं बल्कि उनकी पत्नी करीना कपूर भी हमलावर के निशाने पर थीं. एक इंटरव्यू में रोनित रॉय ने बताया, ₹जो हुआ, वो सबको पता है. सैफ उस वक्त अस्पताल में थे. मैंने करीना से बात की और फिर उनके घर गया. वहां जाकर मैंने आसपास के पूरे इलाके का निरीक्षण किया और उन्हें कुछ जरूरी सुरक्षा संबंधित निर्देश भी दिए. दरअसल, हमने ऐसी किसी स्थिति की कल्पना नहीं की थी, इसलिए उनके घर पर सुरक्षा व्यवस्था थोड़ी कमजोर थी. लेकिन यही हमारा काम है, जहां कमी हो, उसे तुरंत दूर करना. अब हम इस पर पूरी तरह ध्यान दे रहे हैं. रोनित रॉय ने बताया, सैफ के अस्पताल से डिस्चार्ज होते ही वहां भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी. मीडिया भी बड़ी संख्या में मौजूद थी. लेकिन इससे पहले, जब सैफ अस्पताल में थे और करीना घर लौट रही थीं, तब उनकी कार पर हमला हुआ था. भीड़ ने उनकी कार को घेर लिया और हल्की टक्कर भी मारी, जिससे वह काफी डर गई थीं. उसी वक्त उन्होंने मुझसे सैफ को सुरक्षित घर लाने के लिए कहा. मैंने पहले उनके घर पर अपनी सिक्योरिटी टीम तैनात की और फिर खुद सैफ को अस्पताल से घर लेकर गया. उस दौरान पुलिस की भी पूरी मौजूदगी थी. गौरतलब है कि रोनित रॉय न सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक प्रतिष्ठित निजी सुरक्षा एजेंसी के मालिक भी हैं. बॉलीवुड के कई बड़े सितारे उनकी सुरक्षा एजेंसी की सेवाएं लेते हैं. हमले की इस घटना के बाद सैफ अली खान ने भी अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी रोनित रॉय को सौंप दी.

राजकुमार राव की सादगी और समर्पण पर फिदा हुईं पत्रलेखा

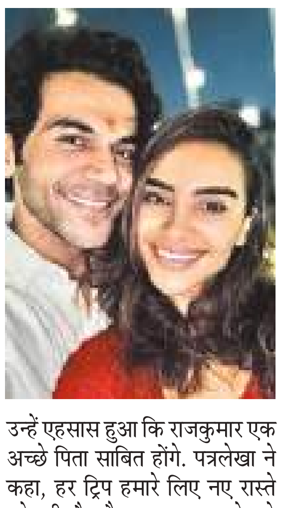

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं. हाल ही में इस कपल ने सोशल मीडिया के ज़रिए फैंस को यह खुशखबरी दी थी, जिसे लेकर उन्हें ढेरों बधाइयां मिल रही हैं. अब पत्रलेखा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर खुल कर बात की है. उन्होंने बताया कि इस खास दौर में राजकुमार राव उनका बेहद ध्यान रख रहे हैं, चाहे बात उनके खाने-पीने की हो या आराम की, राजकुमार हर छोटी-बड़ी ज़रूरत में उनके साथ खड़े हैं. इसके साथ ही पत्रलेखा ने एक प्यारा खुलासा भी किया. उन्होंने बताया कि वह मां बनने के बाद अपने बच्चे के साथ पहली ट्रिप हिमाचल की प्लान कर रही हैं, जहां वह प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताना चाहेंगी.
पत्रलेखा ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में बताया कि वह राजकुमार राव के साथ न्यूज़ीलैंड गई थीं. वहाँ उन्हें एहसास हुआ कि राजकुमार एक अच्छे पिता साबित होंगे. पत्रलेखा ने कहा, हर ट्रिप हमारे लिए नए रास्ते खोलती है और हम एक-दूसरे को बेहतर समझते हैं. न्यूज़ीलैंड में मुझे लगा कि राज एक अच्छे पिता साबित होंगे. पत्रलेखा ने आगे अपनी बात शेयर करते हुए कहा, राजकुमार मेरा बहुत अच्छे से ख्याल रख रहे हैं. उन्होंने ये समझने की पूरी कोशिश की है कि मुझे क्या पसंद है, किस चीज़ से मुझे आराम मिलता है. वो एक कमाल के पार्टनर हैं और इस सफर ने इसे और भी साबित कर दिया है. हम बच्चे के आने के बाद न्यूज़ीलैंड के साउथ आइलैंड जाने की सोच रहे हैं. पहले कभी उस जगह के बारे में नहीं सोचा था, लेकिन अब वो हमारी बकेट लिस्ट में है. हो सकता है हम वहां बच्चे के साथ बंजी जंपिंग करें या फिर कुछ और रोमांचक प्लान बनाएं. प्रेग्नेंसी के चलते कुछ वक्त का ब्रेक ले रहीं पत्रलेखा ने हाल ही में बताया, मैं अगले 6-7 महीनों तक कोई शूटिंग नहीं करूंगी. इस दौरान मैं सिर्फ घर पर रहकर आराम करना चाहती हूं. पत्रलेखा आखिरी बार फिल्म 'फुले' में नजर आई थीं, जिसमें उनके अभिनय की काफी सराहना हुई थी.

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते है और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर लें क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो वह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो वह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। वह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते है।

होम साइंस में बनाएं आदर्श करियर

गृह विज्ञान का उद्देश्य नित्य परिवर्तनशील समाज में घर, सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के कल्याण और स्वास्थ्य को बनाए रखना है। गृह प्रबंधन के लिए कौशल एवं वैज्ञानिक ज्ञान अपेक्षित होता है जो मात्र घर के कार्यकलापों तक सीमित नहीं होता बल्कि यह एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय का आधार भी बनता है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेहतर गृह प्रबंध से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह समृद्ध सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के लिए विशेषज्ञ परामर्श देने हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है।

वर्तमान समय में होम साइंस अर्थात गृह विज्ञान विषय बहुत व्यापक हो गया है, इसे अब केवल खाना बनाने में दक्षता वाला क्षेत्र ही नहीं माना जाता अपितु गृह-कार्यों को श्रेष्ठता से सम्पन्न करने वाला विज्ञान माना जाने लगा है। होम साइंस एक अंतरविषयी क्षेत्र है, जिसमें कई विषय सम्मिलित हैं। होम साइंस में जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, शरीर विज्ञान, स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र, ग्रामीण विषय, सामाजिक एवं परिवार संबंध, बाल विकास, खाद्य एवं पोषण, परिधान डिजाइन, पहनावा, मानव विकास संसाधन, गृह प्रबंधन, गृह सज्जा, प्रदर्शनी एवं प्रदर्शन कला, ब्यूटी कल्चर, गृह प्रबंध, फैशन मैनेजमेंट, शिशु देखभाल, भोजन प्रबंध, टेक्सटाइल एंड क्लोथिंग, पोषण इत्यादि विषय समाहित हो गए हैं और यह विषय बदलते वक्त की आवश्यकता बन गया है। इस विषय का ज्ञान रखने वाले युवा बेहतर कॅरियर बना सकते हैं।
गृह विज्ञान का उद्देश्य नित्य परिवर्तनशील समाज में घर, सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के कल्याण और स्वास्थ्य को बनाए रखना है। गृह प्रबंधन के लिए कौशल एवं वैज्ञानिक ज्ञान अपेक्षित होता है जो मात्र घर के कार्यकलापों तक सीमित नहीं होता बल्कि यह एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय का आधार भी बनता है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेहतर गृह प्रबंध से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह समृद्ध सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के लिए विशेषज्ञ परामर्श देने हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है। गृह विज्ञान प्रकृति में अधिकांशतः वैज्ञानिक है और इसलिए विश्लेषिक मस्तिष्क एवं वैज्ञानिक कुशाग्र बुद्धि होना इस विषय में कॅरियर बनाने हेतु आवश्यक है। इस क्षेत्र में एक व्यावहारिक सोच, सौंदर्यपरक, सृजनशील तथा युक्तिसंगत अभिवृत्ति होना अपेक्षित है।
गौरतलब है कि गृह विज्ञान 10 +2 स्तर पर एक विषय के रूप में लिया जा सकता है। गृह विज्ञान में शिक्षा चार चरणों में डिप्लोमा डिग्री, स्नातकोत्तर डिग्री और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। होम साइंस में बेहतर कॅरियर बनाने के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने आवश्यक हैं।
हालांकि एक विषय के रूप में होम साइंस स्कूलों में पढ़ाया जाता है, परन्तु यह होम साइंस का बहुत सूक्ष्म रूप होता है जो केवल विषय की सतही जानकारी ही देता है। इसके अलावा कई विश्वविद्यालय होम साइंस में डिप्लोमा भी कराते है, जो एक वर्षीय या दो वर्षीय अवधि के होते हैं। जो विद्यार्थी होम साइंस को स्नातक स्तर पर चुनना चाहते हैं, उनके लिए यह आवश्यक है कि उन्होंने इस विषय को 12वीं तक पढ़ा हो। यह पाठ्यक्रम कला एवं विज्ञान दोनों विषयों के साथ उपलब्ध है। आप बीएससी होम साइंस, होम इकोनॉमिक्स, एप्लाइड न्यूट्रीशन, ह्यूमन न्यूट्रीशन, खाद्य व तकनीक, हेल्थ एंड न्यूट्रीशन, फूड टेक्नोलॉजी, फूड सर्विसेज से तथा होम साइंस से बीए कर सकते हैं।
गृह विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई में चलाया जा रहा है। ग्रेजुएशन स्तर पर आप बीएससी (ऑनर्स) या बीए (गृह विज्ञान) या गृह विज्ञान स्नातक (बीएचएससी) डिग्री चुन सकते हैं। गृह विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में स्नातक या स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी किया जा सकता है। जादवपुर विश्वविद्यालय एक वर्षीय अवधि का बीएड (गृह विज्ञान) पाठ्यक्रम चलाता है। जो अपनी किस्म का एकमात्र पाठ्यक्रम है। कई विश्वविद्यालयों में एमफिल तथा डॉक्टोरल (पीएचडी) पाठ्यक्रम की सुविधा भी उपलब्ध है।
पूर्णकालिक एमफिल पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष है, जबकि अंशकालिक पाठ्यक्रम में दो वर्ष अध्ययन करना होता है। पीएचडी पाठ्यक्रम तीन से चार वर्षों में पूरा किया जा सकता है। इस क्षेत्र में कॅरियर चुनने वाले व्यक्ति को यथार्थवादी सोच सहित तार्किक बुद्धि एवं संतुलित मनोवृत्ति वाला होना चाहिए। कलात्मक कल्पना के साथ सृजनशीलता होना भी इस क्षेत्र में आवश्यक है। होम साइंस रोजगार की दृष्टि से एक अत्यंत उपयोगी विषय है। इससे स्नातक एवं स्नातकोत्तर करने के उपरांत न केवल सरकारी तथा प्राइवेट क्षेत्र में नौकरियाँ हासिल की जा सकती हैं, बल्कि कई प्रकार के स्वरोजगार भी प्रारंभ किए जा सकते हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा नेट/पीएचडी आदि के उपरांत अध्यापन का पेशा भी अपनाया जा सकता है। गृह विज्ञान विषय से स्नातक कोर्स करने के उपरांत सामुदायिक एवं सामाजिक कार्य के क्षेत्रों तथा गैर सरकारी संगठनों, अस्पतालों में खाद्य एवं पोषण से जुड़े कार्यों तथा खाद्य सेवाओं में कॅरियर बनाया जा सकता है। विश्वविद्यालयों तथा कॉलेजों में एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, प्रोफेसर के रूप में अध्यापन व्यवसाय में कार्य ग्रहण करने के अलावा शिक्षा अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, मनोवैज्ञानिक तथा अनुसंधानकर्ता के रूप में भी अवसर हैं। गृह विज्ञान के छात्र पोषण सलाहकार, अनुसंधान सहायक, खाद्य वैज्ञानिक, खाद्य विश्लेषक तथा पारिवारिक सलाहकार के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। खाद्य उत्पादों, शिशु आहार तथा खाद्य उत्पादों के विक्रय एवं संवर्धन के क्षेत्र में भी कॅरियर के विकल्प हैं। कुछ अन्य क्षेत्र जिनमें होम साइंस के विशेषज्ञ कॅरियर बना सकते हैं, वह इस प्रकार है-

केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान में स्नातक या स्नातकोत्तर करने के उपरांत केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाया जा सकता है। केटरिंग का कार्य कुछ विशेष स्थानों जैसे स्कूल एवं अस्पतालों में किया जा सकता है। इनके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के संस्थानों एवं कार्यालयों में कैंटीन चलाने में भी यह पाठ्यक्रम बहुत लाभप्रद है। प्रशिक्षित व्यवसायी उन व्यक्तियों के लिए भी केटरिंग सेवाएँ जैसे भोजनालय या टिफिन सेंटर संचालित कर सकते हैं जो कारखानों एवं कार्यालयों में कार्य करते हैं तथा भोजन की, विशेष रूप से दोपहर के भोजन की व्यवस्था नहीं कर सकते या व्यवस्था करने का समय नहीं होता है।

बेकरी एवं कन्फेक्शनरी के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान स्नातक या स्नातकोत्तर व्यक्ति कन्फेक्शनरी, आइसक्रीम पार्लर अथवा बेकरी आसानी से चला सकते हैं। वे अपने निजी ऐसे उत्पादों को भी विकसित करने के लिए अभिनव कौशल का प्रयोग कर सकते हैं जो अधिक पोषक हों और पुराने उत्पादों से भिन्न हों।

डे केयर सेंटर के रूप में कॅरियर

नौकरी करने वाली महिलाओं को परिवार से बाहर शिशु देखरेख की आवश्यकता होती है। जिन बच्चों को 12 वर्ष की आयु का होने तक वयस्कों द्वारा देखरेख किए जाने की आवश्यकता होती है और जिन्हें घर पर अकेले नहीं छोड़ा जा सकता, उनके लिए गृह विज्ञान के विशेषज्ञ डे केयर सेन्टर, क्रेच, नर्सरी स्कूल एवं ऑफ्टर स्कूल सेंटर जैसी चाइल्ड हुड केयर यूनिट चला सकते हैं। इसके अलावा वृद्धाश्रम का भी संचालन किया जा सकता है।

पुनर्वास केन्द्र के रूप में कॅरियर

होम साइंस स्नातक कम समझ वाले बच्चों के लिए पुनर्वास केन्द्र संचालित कर सकते हैं। ये केन्द्र समाज के लिए न केवल एक सेवा होगी, बल्कि इनसे उनके तथा अन्य व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजन में भी सहायता मिलेगी।

हॉबी सेंटर के रूप में कॅरियर

गृह विज्ञान के विशेषज्ञ ऐसे हॉबी सेंटर चला सकते हैं जहाँ सजावटी वस्तुएँ, खिलौने, डिजाइनर मोमबत्ती, रंगोली, आभूषण डिजाइनिंग, पेंटिंग तथा घरेलू बेकार सामग्रियों से उपयोगी वस्तुएँ बनाना सिखाया जाता है।

ब्यूटी पार्लर के रूप में कॅरियर

आप ब्यूटी पार्लर के क्षेत्र में भी कॅरियर बना सकते हैं। इस क्षेत्र में आप त्वचा तथा बालों की देखभाल संबंधी सेवाएँ दे सकते हैं।
वैश्वीकरण के वर्तमान दौर में होम साइंस एक अच्छा कॅरियर प्रदान करने वाला क्षेत्र है। इस क्षेत्र में आपका वेतन आपकी योग्यताओं तथा अनुभव पर निर्भर करेगा।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग कम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्राफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।
पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रेंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

लाड्र्स में एक बार फिर ड्यूक बॉल को लेकर हंगामा, अंपायर से भिड़े कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत

भारतीय टीम ने की कड़ी आलोचना, तो इसके बाद निर्माता बदलाव के लिए तैयार

एजेंसियां। लाड्र्स

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉड्र्स में खेला जा रहा है. इस मैच में एक बार फिर ड्यूक बॉल को लेकर विवाद हुआ है. शुक्रवार को महज 10 ओवर के बाद ही गेंद बदलनी पड़ी, जिस पर भारतीय खिलाड़ियों ने नाराजगी जताई. कप्तान शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज की अंपायर से बहस भी हुई. अब इस मामले पर ड्यूक बॉल की निर्माता कंपनी के मालिक दिलीप जाजोदिया का बयान आया है.

उन्होंने कहा कि इंग्लैंड में असामान्य रूप से गर्म मौसम और मौजूदा समय में बल्लेबाजों के आक्रामक खेल को ध्यान में रखते हुए उनकी कंपनी सुधार करने के लिए हमेशा तैयार रहती है.

10 ओवर के खेल के बाद गेंद बदलने से भारतीय खिलाड़ी नाराज : लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन सुबह के सत्र में दो बार गेंद को बदला गया. महज 10 ओवर के खेल के बाद गेंद को दोबारा बदलने को लेकर भारतीय खिलाड़ियों में रोष दिखा. जाजोदिया ने समाचार एजेंसी से कहा, 'विश्व क्रिकेट में केवल तीन मान्यता प्राप्त निर्माता हैं (ड्यूक्स, एसजी और कूकाबुरा)। क्रिकेट गेंद बनाना आसान नहीं है. यह अगर आसान होता, तो दुनिया भर में सैकड़ों निर्माता होते. इसलिए मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को यह समझने की जरूरत है कि हम हाथ पर हाथ धरे बैठे नहीं हैं. हम अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं. अगर कोई समस्या है तो उसकी समीक्षा की जाएगी और हम उसका हल निकालने की कोशिश करेंगे. चाहे वह चमड़े की खराबी हो या किसी और चीज की. हम इसकी जांच करेंगे. मैं आराम से बैठा सिगार नहीं पी रहा हूं.

उन्होंने कहा, खिलाड़ी मेरी क्रिकेट गेंद की आलोचना कर सकते हैं. मैं भी खराब शॉट या खराब गेंद के लिए उनकी आलोचना कर सकता हूं. आप जानते हैं मेरा क्या मतलब है? आपको समझदार होना होगा.

ड्यूक बॉल निर्माता कंपनी के मालिक का बयान : जाजोदिया से जब इस गेंद के जल्दी खराब होने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, इस पर मौसम का बड़ा असर होता है. क्रिकेट खेलने का तरीका और बल्ले का प्रकार बदल रहा है.

खिलाड़ी शॉट में ज्यादा ताकत का इस्तेमाल कर रहे हैं. गेंद समय-समय पर बाउंड्री के बाहर कठोर चीजों से टकराती है. ऐसे में भी यह गेंद 80 ओवर तक चलती है और यह एक चमत्कार की तरह है. ड्यूक गेंद पर लेकर ईसीबी की नाराजगी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, नहीं, कोई तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है. हम एक टेस्ट श्रृंखला के बीच में हैं. मैं पूरे सम्मान के साथ कह रहा हूं कि पिछले मैचों में दो नतीजे आए हैं. इसमें भारत ने एक मैच जीता है. कप्तान गिल ने किसी भी अन्य खिलाड़ी से अधिक रन बनाए हैं. दो गेंदबाजों ने छह विकेट लिए. तो मैं बस यही कह सकता हूं कि असुविधा के लिए मुझे खेद है लेकिन कम से कम आप क्रिकेट तो खेल रहे हैं.

भारत में दिया जाएगा ड्यूक बॉल को अंतिम रूप

भारत में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर एसजी टेस्ट बॉल का उपयोग किया जाता है. जाजोदिया का मानना है कि भारत जैसे विशाल क्रिकेट खेलने वाले देश को गेंद के अधिक विकल्पों की आवश्यकता है और उनकी कंपनी बढ़ते बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी उपस्थिति का विस्तार करेगी. कंपनी मेरठ में है, लेकिन उसकी सभी गेंदों को इंग्लैंड में अंतिम रूप दिया जाता है. जाजोदिया ने पिछले हफ्ते बंगलुरू की अपनी यात्रा के दौरान भारत में एक कार्यालय पंजीकृत किया है, जिससे यह स्थिति बदलने वाली है. उन्होंने बीसीसीआई अधिकारियों से भी मुलाकात की जो गेंद का परीक्षण कर रहे हैं. अनुभवी प्रशासक बृजेश पटेल ड्यूक्स के भारत संचालन के प्रमुख होंगे. जाजोदिया ने कहा, मैं मेरठ से गेंदें खरीद रहा था और उन्हें यहां (इंग्लैंड) अंतिम रूप दे रहा था. लेकिन अब हम उन्हें भारत में भी अंतिम रूप देंगे. हम अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं क्योंकि हमारा मानना है कि अब भारत में समय सही है. मेरा मतलब है, अर्थव्यवस्था, उत्साह, बीसीसीआई क्रिकेट में जो सुविधाएं दे रहा है, बेंगलुरु में जो सुविधा है (वह सब इसके लिए अनुकूल है).

गिल और पंत ने दूसरे टेस्ट के बाद भी उठाए थे सवाल

मौजूदा सीरीज के दूसरे मुकाबले के बाद भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल और उपकप्तान ऋषभ पंत ने गेंद के इतनी जल्दी नरम होने और आकार बदलने पर निराशा व्यक्त की थी. अपने टेस्ट करियर में 604 में से ज्यादातर विकेट ड्यूक बॉल से लेने वाले इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने भी तेजी से खराब हो रही गेंद के खिलाफ बात की. इस पर जाजोदिया ने कहा, सुपरस्टार (बड़े खिलाड़ी) बहस कर सकते हैं. मुझे वही बनाना होगा जो वे चाहते हैं.

बुमराह के 'पंजे' ने इंग्लैंड को विशाल स्कोर बनाने से रोका

राहुल ने अर्धशतक लगाकर भारत को संभाला

एजेंसियां। लाड्र्स

जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी ने जहां इंग्लैंड को पहली पारी में विशाल स्कोर बनाने से रोका, वहीं सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने अर्धशतक लगाकर भारतीय पारी को संभाले रखा। इंग्लैंड ने पहली पारी में 387 रन बनाए थे. भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में तीन विकेट पर 145 रन बनाए हैं और वह अभी इंग्लैंड से 242 रन पीछे चल रही है. स्टंप्स के समय केएल राहुल 53 रन और ऋषभ पंत 19 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं. इंग्लैंड की ओर से क्रिस वोक्स, जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिला है. इंग्लैंड को ऑलआउट करने के बाद भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने यशस्वी जायसवाल का विकेट जल्द गंवाया जो आठ गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 13 रन बनाकर आउट हुए. यशस्वी आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन जोफ्रा आर्चर की गेंद पर हैरी ब्रूक को कैच थमा बैठे. इसके बाद केएल राहुल ने करुण नायर के साथ मिलकर पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई. इसे बेन स्टोक्स ने करुण को आउट कर तोड़ा। करुण अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन 62 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 40 रन बनाकर आउट हो गए.

बल्लेबाजी के लिए उतरे पंत : इंग्लैंड को शुभमन गिल के रूप में तीसरी सफलता मिली. क्रिस वोक्स ने शुभमन गिल को आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया. पिछले टेस्ट में दोहरा शतक और शतक लगाने वाले कप्तान गिल तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके और 16 रन बनाकर आउट हुए. भारत के लिए राहत की बात यह रही कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बल्लेबाजी के लिए उतरे. पंत पहले दिन विकेटकीपिंग करते वक्त चोटिल हो गए थे और मैदान से बाहर चले गए थे. उन्होंने दूसरे दिन भी विकेटकीपिंग नहीं की थी और उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने ही विकेट के पीछे जिम्मा संभाला था. हालांकि, बल्लेबाजी के लिए पंत उतरे जिससे उनकी चोट को लेकर चल रही चर्चाओं पर विराम लगा.

रूट ने लगाया शतक : इससे पहले, इंग्लैंड के लिए अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने शतकीय और जैमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने दूसरे दिन चार विकेट पर 251 रन से आगे खेलना शुरू किया. जो रूट 99 और बेन स्टोक्स ने 39 रन से आगे पारी बढ़ाई. रूट ने दिन के खेल की पहली ही गेंद पर चौका लगाकर अपने टेस्ट करियर का 37वां शतक पूरा किया. रूट का लॉड्र्स मैदान पर यह लगातार तीसरा शतक है. वह तीसरे ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने लॉड्र्स में लगातार तीन शतक लगाए हैं. रूट के टेस्ट करियर का यह 37वां सैकड़ा है और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बन गए. रूट शतक लगाने के बाद ज्यादा देर टिक नहीं सके और जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर उनकी पारी का अंत किया. रूट 199 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 104 रन बनाकर आउट हुए.

बुमराह ने दिए इंग्लैंड को झटके : दूसरे दिन इंग्लैंड की शुरुआत खराब हुई. बुमराह ने पहले सत्र में तीन विकेट झटके। उन्होंने बेन स्टोक्स (44), जो रूट (104) और क्रिस वोक्स (0) को पवेलियन की राह दिखाई. इसके बाद मोर्चा जेमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स ने संभाला. दोनों के बीच आठवें विकेट के लिए 80 से ज्यादा रनों की साझेदारी हुई जिसे मोहम्मद सिराज ने तोड़ा. उन्होंने जेमी स्मिथ को अपना शिकार बनाया, जो 56 गेंदों में 51 रन बनाकर पवेलियन लौटे. इसके बाद बुमराह ने जोफ्रा आर्चर के रूप में इंग्लैंड को नौवां झटका दिया. वह सिर्फ चार रन बना पाए. बुमराह ने इस तरह पारी में पांच विकेट लिए. बुमराह भारत के 15वें गेंदबाज हैं जिन्होंने लॉड्र्स में पांच या इससे अधिक विकेट लिए हैं. वहीं, बुमराह विदेशी धरती पर सर्वाधिक बार फाइव-फर लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए.

बुमराह विदेशी धरती पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं और उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर भी यह जारी रखा है. बुमराह ने लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में फाइव-फर लिया था और अब तीसरे टेस्ट में भी वह ऐसा करने में सफल रहे. बुमराह विदेश में सबसे ज्यादा बार पांच या इससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं. उन्होंने इस मामले में कपिल देव को पीछे छोड़ दिया है. बुमराह ने 13वीं बार विदेश में टेस्ट मैच में फाइव-फर लिया है, जबकि कपिल ने 12 बार ऐसा किया था. भारत के खिलाफ पहली पारी में ब्रायडन कार्स अपना पहला अर्धशतक पूरा करने में कामयाब रहे. उन्होंने 83 गेंदों में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाए। उन्हें सिराज ने बोल्ड किया. शोएब बशीर एक रन बनाकर नाबाद रहे. इससे पहले मुकाबले के शुरुआती दिन जैक क्राउली ने 18, बेन डकेट ने 23, ओली पोप ने 44 रन बनाए थे. वहीं, भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट झटके, जबकि मोहम्मद सिराज और नीतीश कुमार रेड्डी को दो-दो सफलताएं मिलीं। इसके अलावा रवींद्र जडेजा ने एक विकेट हासिल किया.

आलोचकों को लताड़ा, लॉड्र्स के ऑनर्स बोर्ड में शामिल होने पर बोले बुमराह-

जब अंगद बड़ा होगा, तो उसे बताऊंगा

एजेंसियां। लाड्र्स

भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के 5/74 के प्रदर्शन को लॉड्र्स के ऑनर्स बोर्ड में शामिल किया गया है. इस उपलब्धि को वह अपने बेटे अंगद के साथ साझा करना चाहते हैं. दाएं हाथ के गेंदबाज ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा कि जब उनका बेटा बड़ा होगा तब वह उसे इसके विषय में बताएंगे. 31 वर्षीय गेंदबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहली पारी में पांच विकेट लिए. लॉड्र्स में बुमराह ने पहली बार टेस्ट मैच की किसी पारी में इतने विकेट लिए हैं.

शुक्रवार का खेल समाप्त होने के बाद जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने पांच विकेट हॉल हासिल करने के बाद जश्न क्यों नहीं मनाया, इसके जवाब में बुमराह ने कहा- 'सच तो यह है कि मैं थक गया था. मैं 21 साल के लड़के की तरह उछल-कूद नहीं कर सकता. मुझे खुशी है कि मैंने योगदान दिया. ऑनर्स बोर्ड पर नाम देखकर अच्छा लगा. यह एक ऐसी बात है जिसके बारे में मैं अपने बेटे को बड़ा होने पर बता सकता हूं.

दिग्गजों की सूची में हुए शामिल : बुमराह भारत के 15वें गेंदबाज हैं जिन्होंने लॉड्र्स में पांच या इससे अधिक विकेट लिए हैं. वहीं, बुमराह विदेशी धरती पर सर्वाधिक बार फाइव-फर लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं.

बुमराह उन भारतीय गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने लॉड्र्स मैदान पर फाइव-फर पूरे किए हैं. बुमराह से पहले मोहम्मद निसार, अमर सिंह, लाला अमरनाथ, वीनू मानकड़, रमाकांत देसाई, बीएस चंद्रशेखर, बिशन सिंह बेदी, कपिल देव, चेतन शर्मा, वेंकटेश प्रसाद, आरपी सिंह, प्रवीण कुमार, भुवनेश्वर कुमार और ईशांत शर्मा ऐसा कर चुके हैं.

फिटनेस पर सवाल उठाने वालों पर भड़के बुमराह

दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद बुमराह ने उनकी फिटनेस पर सवाल खड़े करने वालों पर भी हमला बोला. उन्होंने कहा- लोग दर्शकों के लिए सनसनी फैलाना चाहते हैं, मैं समझता हूं कि वे इन सब से पैसा कमाना चाहते हैं. मुझे खुशी है कि मैं उनकी इसमें मदद कर रहा हूं. यादें महत्वपूर्ण हैं और मैं जितना हो सके उतना योगदान देना चाहता हूं. बता दें कि, बुमराह को एजबेस्टन टेस्ट में आराम दिया गया था. भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने बताया था कि तेज गेंदबाज के वर्कलोड को मैनेज करने के उद्देश्य से उन्हें आराम दिया गया है. इस दौरे पर बुमराह अपना दूसरा मुकाबला खेल रहे हैं.

युवाओं के प्रदर्शन पर क्या बोले बुमराह

इस दौरान बुमराह ने युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी बात की. उन्होंने कहा- ये युवा बहुत आत्मविश्वासी हैं और उन्हें बहुत ज्यादा मार्गदर्शन या जानकारी की जरूरत नहीं है. जब भी और जिस भी क्षमता में उन्हें मेरी जरूरत होगी, मैं उनकी मदद के लिए तैयार हूं, और मैं यहां पिछले दौरों में सीखे अपने अनुभव उनके साथ साझा करता हूं.

बोटाफोगो छोड़कर नॉटिंघम फॉरेस्ट में शामिल हुए जैर कुन्हा

रियो डी जेनेरियो । ब्राजीलियन क्लब बोटाफोगो ने पुष्टि की है कि उसके सेंट्रल डिफेंडर जैर कुन्हा इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब नॉटिंघम फॉरेस्ट में शामिल हो गए हैं. यह ट्रांसफर डील लगभग 12 मिलियन यूरो में पूरी हुई है. 20 वर्षीय जैर, जो 2028 तक बोटाफोगो से अनुबंधित थे, अब नॉटिंघम फॉरेस्ट के साथ जून 2030 तक का अनुबंध कर चुके हैं. बोटाफोगो ने शुक्रवार को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक बयान जारी कर यह जानकारी दी. बयान में कहा गया, हम डिफेंडर को हमारे क्लब के लिए उनकी प्रतिबद्धता और मेहनत के लिए धन्यवाद देते हैं और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं. जैर ने फरवरी में सैंटोस से बोटाफोगो में शामिल होने के बाद क्लब के लिए सभी प्रतियोगिताओं में कुल 22 मैच खेले. वह ब्राजील की अंडर-20 राष्ट्रीय टीम के सदस्य भी हैं. गौरतलब है कि जैर इस हफ्ते नॉटिंघम फॉरेस्ट से जुड़ने वाले बोटाफोगो के दूसरे खिलाड़ी हैं. इससे पहले क्लब ने स्ट्राइकर इगोर जीसस को 11.5 मिलियन यूरो की रिपोर्टेड फीस पर साइन किया था.

क्रिस्टल पैलेस को मल्टी-क्लब ओनरशिप नियमों के उल्लंघन के चलते यूएफा कॉन्फ्रेंस लीग में किया डिमोट

एजेंसियां। लंदन/न्यूऑन

प्रीमियर लीग क्लब क्रिस्टल पैलेस को यूरोपीय फुटबॉल में बड़ा झटका लगा है. यूएफा ने शुक्रवार को घोषित किया कि मल्टी-क्लब ओनरशिप नियमों के उल्लंघन के चलते क्लब को यूरोपा लीग से हटा कर तीसरे स्तर की प्रतियोगिता यूएफा कॉन्फ्रेंस लीग में स्थानांतरित कर दिया गया है. दूसरी ओर, ओलंपिक लियोन को यूरोपा लीग में खेलने की अनुमति दे दी गई है. बता दें कि ईगल फुटबॉल ग्रुप , जो लियोन का बहुसंख्यक मालिक है, वहीं इसके चेयरमैन जॉन टेक्सटर क्रिस्टल पैलेस में भी नियंत्रणकारी हिस्सेदारी रखते हैं. यह स्थिति यूएफा के मल्टी-क्लब स्वामित्व नियमों के खिलाफ है. क्रिस्टल पैलेस ने पिछला सत्र एफए कप जीतकर यूरोपा लीग के लिए क्वालिफाई किया था, जबकि लियोन लिग 1 में छठे स्थान पर रहते हुए इस प्रतियोगिता में पहुंचे. लियोन को खराब वित्तीय स्थिति के चलते फ्रांस की घरेलू लीग 2 में डिमोट करने का खतरा था, लेकिन बुधवार को यह फैसला पलट दिया गया, जिसे यूएफा की क्लब फाइनेंशियल कंट्रोल बॉडी (सीएफसीबी) अपने निर्णय से पहले देख रही थी. यूएफा ने अपने आधिकारिक बयान में कहा: "तदनुसार, सीएफसीबी फर्स्ट चैंबर ने ओलंपिक लियोन और क्रिस्टल पैलेस द्वारा जमा किए गए दस्तावेजों की समीक्षा की और यह निष्कर्ष निकाला कि 1 मार्च 2025 तक ये क्लब मल्टी-क्लब ओनरशिप के मानदंडों का उल्लंघन कर रहे थे."

दक्षिण कोरिया ने ईस्ट एशियन कप में लगातार दूसरी जीत दर्ज की, हांगकांग को 2-0 से हराया

एजेंसियां। योंगइन (दक्षिण कोरिया)

मेजबान दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को ईस्ट एशियन कप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए हांगकांग, चीन को 2-0 से हराकर टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत हासिल की. मैच के 27वें मिनट में कांग सांग-यून ने सियो मिन-वू के पास पर अपने डिफेंडर को छकाते हुए शानदार फिनिश के साथ पहला गोल किया. हाफ टाइम के बाद दक्षिण कोरिया ने दो बार लंबी दूरी से गोल करने की कोशिश की लेकिन दोनों बार निशाना चूक गया. हालांकि 67वें मिनट में ली हो-जे ने दमदार हेडर के जरिए टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया. पूरा मैच दक्षिण कोरिया के दबदबे में रहा. टीम ने कुल 78 प्रतिशत गेंद पर कब्जा बनाए रखा और 20 शॉट लिए, जिनमें से 6 सीधे गोल पोस्ट की दिशा में थे.

ईस्ट एशियन कप चार टीमों की एक मिनी लीग है, जिसमें हर टीम अन्य तीन टीमों से एक-एक बार मुकाबला करती है. अंक तालिका का निर्धारण अंकों, फिर आमने-सामने के परिणाम, गोल अंतर और किए गए गोलों के आधार पर होता है. दक्षिण कोरिया ने अपने पहले मुकाबले में चीन को 3-0 से हराया था. दो जीत के साथ कोरियाई टीम के अब छह अंक हो गए हैं.

एथलेटिक बिलबाओ के गोलकीपर जुलेन एगिरेजाबाला लोन पर वेलेंसिया क्लब में हुए शामिल

एजेंसियां। मैड्रिड

ला लीगा क्लब वेलेंसिया ने एथलेटिक बिलबाओ के गोलकीपर जुलेन एगिरेजाबाला को लोन पर साइन कर लिया है. यह कदम वेलेंसिया के मुख्य गोलकीपर जियोर्गी ममारदाशविली के लिवरपूल ट्रांसफर के बाद लिया गया है, ताकि टीम को एक भरोसेमंद विकल्प मिल सके. एगिरेजाबाला 2025-26 सीजन के लिए वेलेंसिया से जुड़ेंगे और क्लब के पास सीजन के अंत में उन्हें स्थायी रूप से साइन करने का विकल्प भी होगा. 24 वर्षीय एगिरेजाबाला ने यह निर्णय नियमित पहले एकादश में खेलने के मौके पाने के उद्देश्य से लिया है, क्योंकि एथलेटिक में उनके आगे स्पेन के अंतरराष्ट्रीय गोलकीपर उनाई सिमोन हैं. अब तक

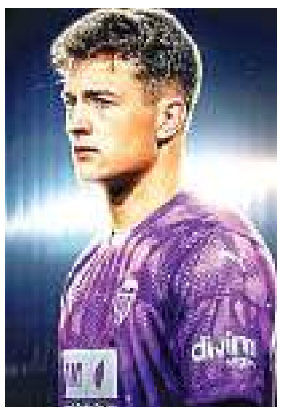

एगिरेजाबाला मुख्य रूप से सिमोन के विकल्प के रूप में ही खेले हैं. हालांकि, पिछले सीजन सिमोन की कलाई की सर्जरी के चलते उन्होंने ला लीगा में 14 मुकाबले खेले और यूरोपा लीग में एथलेटिक की ओर से पहले विकल्प के रूप में खेले. एगिरेजाबाला ने 2023/24 कोपा डेल रे अभियान में एथलेटिक की पूरी भूमिका निभाई थी.

इस दौरान क्लब ने 40 वर्षों बाद यह प्रतिष्ठित खिताब जीता और निर्णायक पेनल्टी शूटआउट में एगिरेजाबाला की अहम बचाव भूमिका रही. हालांकि, आगामी सीजन में उनाई सिमोन के ला लीगा और चैंपियंस लीग में खेलने की संभावना के चलते एगिरेजाबाला के लिए मौके सीमित थे—खासतौर पर ऐसे सीजन में, जो फीफा वर्ल्ड कप के साथ समाप्त होगा. इस बीच, एथलेटिक क्लब ने 21 वर्षीय गोलकीपर एलेक्स पादिला को मैक्सिकन क्लब पुमास से लोन से वापस बुला लिया है, जो इस सीजन में सिमोन के बैकअप की भूमिका निभाएंगे.

अनहोनी

बोले मोहम्मद सिराज- कल का पता नहीं है, हम किसके लिए कर रहे हैं

डिओगो जोटा की मौत ने सिराज को चौंकाया

एजेंसियां। लंदन

खेल जगत में उस वक्त सनसनी फैल गई जब लिवरपूल से खेलने वाले पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में अचानक मौत हो गई. इस घटना ने प्रशंसकों से लेकर खिलाड़ियों तक को झकझोर कर रख दिया. भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी डिओगो जोटा की मौत ने झकझोर कर रख दिया है. इसका खुलासा उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा जारी किए गए वीडियो में किया.

डिओगो जोटा की मौत ने सिराज को चौंकाया : बीसीसीआई ने शनिवार को एक वीडियो जारी किया, जिसमें सिराज को डिओगो जोटा पर बात करते देखा गया. उन्होंने कहा- 'आखिरी मैच में जब हम लोग आ रहे थे तब पता चला था कि डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में मौत हो गई. मैं पुर्तगाल का प्रशंसक हूं क्योंकि सीआर7 (क्रिस्टियानो रोनाल्डो) भी उसी टीम से खेलते हैं. मैं बहुत भावुक हूं.' तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन सिराज ने जोटा को अपना विकेट समर्पित किया था और उन्हें श्रद्धांजलि दी थी. इसके विषय में उन्होंने कहा- 'मुझे पिछले मैच में करना था लेकिन नहीं हो सका. जिंदगी अप्रत्याशित है. हम किसके लिए लड़ रहे हैं. हम किसके लिए कर रहे हैं. कल का ही पता नहीं है. जिंदगी का कुछ भरोसा नहीं है. मैं चौंक गया, मुझे समझ नहीं आया ये कैसे हो गया.

मौत से 10 दिन पहले हुई थी शादी : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्पेन में डिओगो जोटा की कार दुर्घटनाग्रस्त हुई. हादसे के वक्त उनके साथ कार में उनके भाई आंद्रे भी मौजूद थे. आंद्र भी 26 वर्षीय फुटबॉलर हैं. यह दुखद घटना जोटा की शादी के 10 दिन बाद हुई है. उन्होंने 10 दिन पहले लंबे समय से गर्लफ्रेंड रहीं रुटे कार्डोसो के साथ पोर्टो में शादी की थी.

सिराज ने दी डिओगो जोटा को श्रद्धांजलि

लॉड्र्स टेस्ट के दूसरे दिन सिराज ने इंग्लैंड को आठवां झटका जेमी स्मिथ के रूप में दिया। उन्होंने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज को ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया. वह 56 गेंदों में छह चौके की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुए. सिराज ने अपना यह विकेट कार दुर्घटना में मारे गए फुटबॉलर डिओगो जोटा को समर्पित किया. तेज गेंदबाज ने जोटा की 20 नंबर जर्सी का इशारा किया. इससे पहले रियल मैड्रिड के स्टार फुटबॉलर कायलियन एमबाप्पे ने भी डिओगो जोटा को श्रद्धांजलि दी थी. इसकी तस्वीर भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी.

विंबलडन जूनियर फाइनल में पहुंचा भारतीय मूल का खिलाड़ी

एजेंसियां। लंदन

इस वक्त लंदन में टेनिस का सबसे लोकप्रिय टूर्नामेंट विंबलडन 2025 का आयोजन हो रहा है. इस बड़े टूर्नामेंट को देखने बड़े-बड़े सेलिब्रिटीज आते हैं. कई भारतीय क्रिकेटर्स भी हाल ही में विंबलडन देखने के लिए पहुंचे थे. वुमेंस सिंगल कैटेगिरी में फाइनल अमांडा अनिसिमोवा और इगा स्विटेक के बीच खेला जाएगा जबकि मेंस सिंगल में कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर का मुकाबला होगा. हालांकि एक भारतीय मूल का खिलाड़ी भी विंबलडन जूनियर में अपने नाम का डंका बजा रहा है. हम बात कर रहे हैं अमेरिका के लिए खेलने वाले भारतीय मूल के टेनिस खिलाड़ी रोनित कर्की की. रोनित विंबलडन जूनियर के फाइनल में पहुंच गए हैं.

कौन हैं रोनित कर्की : रोनित कार्की 17 साल के अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी हैं, जो भारतीय मूल के हैं और जूनियर सर्किट में काफी धूम मचा रहे हैं. वह सीधे हाथ से खेलते हैं और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं. 7 जुलाई 2025 तक, रोनित आईटीएफ जूनियर रैंकिंग में 52वें स्थान पर थे. 28 अप्रैल 2025 को उन्होंने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 49 हासिल की थी. वह विंबलडन में जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गए हैं. सेमीफाइनल में उन्होंने बुल्गारिया के अलेक्जेंडर वासिलेव को हराया था. क्वार्टर फाइनल में रोनित ने विश्व नंबर 16 एलन वाजनी को मात दी थी. रोनित ने जनवरी 2025 में अपने साथी जैक सैटरफील्ड के साथ आईटीएफ जूनियर जे300 बैरेंक्विला डबल्स का खिताब जीता.

पटना से दिल्ली का सफर 4 घंटे और हावड़ा जाने में लगेंगे मात्र दो घंटे

बिहार में बुलेट ट्रेन के सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण

संवाददाता । पटना

बिहार में 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली बुलेट ट्रेन के लिए सर्वेक्षण कार्य पूरा हो गया है और रिपोर्ट रेल मंत्रालय को सौंप दी गई है. दिल्ली-हावड़ा (कोलकाता) बुलेट ट्रेन केवल 6.5 घंटे में 1,669 किलोमीटर की दूरी तय करेगी. पटना से दिल्ली की 1,000 किलोमीटर की यात्रा में वर्तमान 13-14 घंटों की तुलना में मात्र 4 घंटे ही लगेंगे. पटना से कोलकाता की 578 किलोमीटर की यात्रा का समय बहुत ही कम हो जाएगा. करीब 5 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना दो चरणों में पूरी होगी. पहला चरण, दिल्ली से वाराणसी (लखनऊ और अयोध्या के रास्ते) 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य है. दूसरा चरण वाराणसी से हावड़ा (पटना के रास्ते) तक है. बिहार में बुलेट ट्रेन मौजूदा पटरियों के साथ-साथ चलेगी. बुलेट ट्रेन बनारस से मुगलसराय, बक्सर, पटना, किऊल, आसनसोल होते हुए हावड़ा जाएगी. पटना बिहार का एकमात्र स्टॉप होगा. इसके बाद अगला स्टॉप पश्चिम बंगाल का आसनसोल होगा. रेलवे ने जानकारी दी है कि बुलेट ट्रेन के लिए बिहार में अलग से कॉरिडोर नहीं बनाया जाएगा. मौजूदा रेल ट्रैक के समानांतर दो और हाई स्पीड ट्रैक बिछाए जाएंगे, जिस पर बुलेट ट्रेन चलेगी. यह ट्रैक पूरी तरह से अलग और विशेष रहेगा. इन ट्रैकों पर सामान्य गाड़ियां नहीं चलेंगी. फिलहाल जमीन अधिग्रहण की योजना नहीं है, लेकिन जरूरत पड़ने पर किसानों से जमीन ली जाएगी. रेलवे अधिकारियों के अनुसार, बिहार में पहले से ही तीन लाइन गुजर रही हैं. चौथे रूट पर खर्च करना उचित नहीं होगा. जमीन अधिग्रहण और अन्य खर्चों को कम करने के लिए मौजूदा रेल क्षेत्र का विस्तार करते हुए हाई स्पीड ट्रैक बनाए जाएंगे. रेलवे अधिकारियों ने बताया कि बिहार में बुलेट ट्रेन का सिर्फ एक स्टॉपेज होगा, जो फुलवारी शरीफ के पास बनेगा. इसके लिए स्पेशल स्टेशन बनाया जाएगा. बुलेट ट्रेन पकड़ने के लिए यात्रियों को इस अलग स्टेशन पर पहुंचना होगा.

पटना से रवाना होने के बाद अगला स्टॉप बंगाल के आसनसोल में होगा. इस प्रोजेक्ट से बिहार से दिल्ली और कोलकाता जाने वाले यात्रियों को समय और पैसे दोनों की बचत होगी. बुलेट ट्रेन की शुरुआत के बाद पटना से दिल्ली का सफर सिर्फ 4 घंटे और पटना से कोलकाता का सफर 2 घंटे में पूरा होने में लगेगा. रेल मंत्रालय और रेलवे की टीमें इस प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने के लिए काम कर रही हैं.

ब्रीफ न्यूज

कांवरियों को टोल टैक्स और लाइसेंस फीस से मिलेगी राहत

लखीसराय । श्रावणी मेला 2025 के पावन अवसर पर लखीसराय जिला प्रशासन ने कांवर यात्रियों को बड़ी राहत देते हुए कई अहम सुविधाओं की घोषणा की है. जिला प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, 11 जुलाई से 9 अगस्त तक चलने वाली कांवर यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को टोल टैक्स, प्रवेश शुल्क या किसी प्रकार की लाइसेंस फीस नहीं देनी होगी. लखीसराय जिलाधिकारी मितलेश मिश्र ने स्पष्ट किया कि यह आदेश पूरे जिले में लागू रहेगा और इसका सख्ती से पालन कराया जाएगा.

डोईया में संपत्ति विवाद में महिला को मारी गोली

नालंदा । नालंदा जिले के नूरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत डोईया गांव में शनिवार को एक महिला की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई. मृतका की पहचान 60 वर्षीय सुशीला देवी के रूप में हुई है, जो पटना पीएमसीएच में जीएनएम (स्टाफ नर्स) के पद पर कार्यरत थीं. घटना के समय सुशीला देवी खेत से लौट रही थीं, तभी पीछे से घात लगाए बदमाशों ने सिर में गोली मार दी. गोली लगने के बाद वह सड़क किनारे गिर पड़ीं. उनका पुत्र सोनू कुमार जब सड़क की ओर से लौट रहा था, तो उसने अपनी मां को घायल अवस्था में देखा.

वैशाली :रेलवे ट्रैक पर मिला पोस्टमैन का शव

वैशाली । वैशाली जिले में उस समय सनसनी फैल गई जब हाजीपुर के ढाला नंबर 54 के पास रेलवे ट्रैक से एक पोस्टमैन का शव बरामद हुआ. मृतक की पहचान लालगंज के कटहरा थाना क्षेत्र के घटारो निवासी राकेश कुमार (37) के रूप में हुई है. वे हाजीपुर पोस्ट ऑफिस में पोस्टमैन के पद पर कार्यरत थे. शव मिलने की खबर से न केवल उनके परिजन, बल्कि पूरा क्षेत्र स्तब्ध है. पुलिस को दिए बयान के अनुसार, राकेश कुमार दो दिन पहले अपने ससुराल जाने के लिए घर से निकले थे. उन्होंने अपने भाई को इस बात की जानकारी दी थी कि वे किशनगंज स्थित अपने ससुराल जा रहे हैं.

एसडीआरएफ मुख्यालय का मामला को लेकर पहुंचे सीएम

एलिवेटेड सड़क के निर्माण कार्य का लिया जायजा

बिहटा-दानापुर

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को बिहटा में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) मुख्यालय परिसर का निरीक्षण कर निर्माणाधीन भवनों के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया. निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक भवन के प्रथम तल एवं तृतीय तल का निरीक्षण कर उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया. मौके पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राज्य आपदा मोचन बल के मुख्यालय परिसर में बचे हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाकर इसे जल्द पूर्ण करायें. इस मुख्यालय परिसर तक सुगमतापूर्वक आवागमन हो सके, इसका ख्याल रखें. राज्य आपदा मोचन बल के मुख्यालय परिसर के नवनिर्मित भवनों पर सोलर पैनल का अधिष्ठापन सुनिश्चित कराएं, इससे बहुत फायदा होगा. उन्होंने कहा कि हमलोगों ने सभी सरकारी भवनों पर सोलर पैनल लगाने का निर्णय लिया है और इस दिशा में काम पहले से हो रहा है.

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन बिहटा- दानापुर एलिवेटेड सड़क का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया. निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह निर्माणाधीन एलिवेटेड पथ फोरलेन होगा, जिसमें चार बाईपास (नेऊरागंज, पैनाल, कन्हौली और विशुनपुरा) होंगे.

यह पटना-बक्सर फोरलेन सड़क का अहम हिस्सा है.

उल्लेखनीय है कि बिहटा-दानापुर एलिवेटेड परियोजना की लंबाई 25.081 किलोमीटर है जो दानापुर रेलवे स्टेशन से शुरु होकर कोईलवर ब्रिज को संपर्कता प्रदान करेगी. इस परियोजना की लागत 1969.39 करोड़ रुपये है, जिसका निर्माण सीईगल इंडिया लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है. इस परियोजना की प्रारंभ तिथि 11 मार्च 2024 है, जबकि समापन तिथि 06 सितबर 2026 निर्धारित की गयी है. बिहटा दानापुर एलिवेटेड परियोजना का पहला पड़ाव निर्धारित समय से 2 महीने पहले ही पूर्ण हो चुका है और वर्तमान प्रगति 30.07 प्रतिशत है. इस फोरलेन एलिवेटेड पथ में कुल 387 पिलर है, जिनमें से 289 का कार्य प्रगति पर है. इसमें 4 बड़े पुल, 10 छोटे पुल, 37 पुलिया और 1 अंडरपास है, जिसका कार्य प्रगति पर है.

इस परियोजना के पूर्ण होने से कोईलवर से दानापुर तक यातायात सुगम होगा और सुचारु रूप से वाहनों का परिचालन होने से ईंधन तथा समय की भी बचत होगी. यह परियोजना बिहटा हवाई अड्डे को विशेष कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, साथ ही पटना की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी.

मधुबनी में दो शराब तस्कर की मौत,भीड़ ने पुलिस पर किया हमला

पटना । बिहार में मधुबनी जिले के मधवापुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत पिरोखर गांव में शनिवार को पुलिस पर पत्थरबाजी हुई. बताया जा रहा है कि पुलिस के पीछा करने के दौरान दो शराब तस्कर की मौत के बाद आक्रोशित भीड़ ने पुलिस पर जमकर पत्थरबाजी की. मरने वाले शराब तस्कर में रामप्रीत मुखिया का बेटा राजकिशोर मुखिया है. जबकि दूसरा जीतन मुखिया का बेटा सचिन मुखिया है. दोनों का घर सीतामढ़ी जिले के पुपरी थाना क्षेत्र अन्तर्गत सिंगयाही का है. डीएसपी नीरज कुमार वर्मा और डीएसपी अमित कुमार घटनास्थल पर जाकर हालात का जायजा लिया है. पुलिस के मुताबिक पुलिस को शराब तस्करी से जुडी खबर मिली थी. इसी को लेकर डायल 112 पर सवार पुलिस वालों ने शराब तस्करों का पीछा करना शुरू किया. शराब तस्करों के बारे में बताया जा रहा है कि वे बाइक पर सवार होकर शराब लेकर जा रहे थे. इसी दौरान मधवापुर थाना के डायल 112 के वाहन ने उनका पीछा किया. हालांकि इसी दौरान तस्करों की बाइक की टक्कर डायल 112 से हो गई और एक तस्कर ने वहीं दम तोड़ दिया. दूसरा तस्कर बुरी तरह से जख्मी हो गया. उसे इलाज के लिए दरभंगा के डीएमसीएच ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई. तस्कर की मौत से गुस्साए लोगों ने एनएच-552 को जाम कर दिया. इससे कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया. बाद में जब पुलिस वहां जाम छुड़वाने आई तो भीड़ ने पहले पुलिस को निशाना बनाया. पुलिस पर पत्थरबाजी की और उनके हथियार छीनने की कोशिश की.

बिहार विस चुनाव से पहले प्रशांत किशोर का बड़ा हमला, कहा

पीएम मोदी को सिर्फ कुर्सी से प्यार

कहा- संवाददाता । जहानाबाद

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की सियासत गरमाने लगी है. जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने शनिवार को जहानाबाद में आयोजित प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई बड़े नेताओं पर तीखे हमले किए. शहर के मारवाड़ी धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में प्रशांत किशोर ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सिर्फ कुर्सी से प्यार है.

संगठन में चाहे जो नियम-कानून बने हों, उससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता. वह किसी भी हाल में प्रधानमंत्री की कुर्सी से चिपके रहना चाहते हैं और इसके लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं. प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान पर भी जमकर निशाना साधा. चिराग पासवान पर तंज कसते हुए किशोर ने कहा, बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट का नारा देने वाले खुद केंद्र में मंत्री हैं. उनकी पार्टी के पांच सांसद हैं, लेकिन फिर भी बिहार का क्या भला हुआ? यह एक यक्ष प्रश्न है, जिसका जवाब बिहार की जनता मांग रही है.

केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को मिली बम से उड़ाने की धमकी

पटना । केंद्रीयमंत्री और लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को एक इंस्टाग्राम अकाउंट से 20 जुलाई तक बम से उड़ाने की धमकी दी गई है. जमुई सांसद और चिराग पासवान के जीजा ने एक्स पोस्ट में इसके लिए राजद पर आरोप लगाया है. पटना के साइबर थाने में लोजपा (रा) के मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट ने इस पर प्राथमिकी दर्ज कराई है. चिराग को धमकी मिलने के बाद पार्टी में हड़कंप मच गया है. भट्ट ने बताया कि यू-ट्यूबर दक्षाप्रिया के इंस्टाग्राम अकाउंट के कमेंट्स सेक्शन में टाइगर मेराज इदिसी ने चिराग पासवान को बम से उड़ाकर जान से मारने की धमकी दी है. उन्होंने पुलिस से संदिग्ध को फौरन गिरफ्तार करने की मांग की है. जमुई सांसद अरुण भारती ने एक्स पोस्ट में कहा कि अप्रत्याशित हार के डर से बौखलाई राजद बिहार में जंगलराज 2.0 लाना चाहती है. इसलिए राजद के आपराधिक तत्व चिराग पासवान को बम से उड़ाने की धमकी दे रहे हैं. सांसद भारती ने राज्य सरकार से चिराग पासवान की सुरक्षा बढ़ाने और उन्हें बुलेटप्रूफ गाड़ी उपलब्ध कराने की मांग की है. जमुई सांसद ने कहा है चिराग पासवान शेर का बेटा है. न किसी से डरा है, न डरेगा. बिहार के लिए जिएगा. बिहार के लिए मरेगा.

भूमि विवाद में गोली मारकर महिला कि हत्या

नालंदा। चड़हिया गांव में शनिवार की सुबह पूर्व की अदावत में एक 40 वर्षीय महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई है. घटना का मुख्य कारण संप्पति विवाद बताया जाता है. मृत महिला की पहचान चुडिहिया गांव निवासी सुनील कुमार कि चालीस वर्षीय पत्नी सुसीला देवी के रूप में की गयी है. घटना के संबंध में मृतिका के पुत्र सोनु कुमार ने बताया कि भूमि विवाद को लेकर चचेरे भाइयों से अदावत चली आ रही है पिछले दिनों की हुई विवाद में जान से मारने की धमकी दी गयी थी उक्त महिला पटना पीएमसीएच अस्पताल में परिचारिका के रूप में कार्यरत थी और प्रतिदिन शाम में डिय्टी जाती थी और सुबह वापस आती थी.

कारोबार

रिलिगेयर की फंडिंग योजना को मंजूरी

एजेंसी । नयी दिल्ली

रिलिगेयर एंटरप्राइजेज बोर्ड ने कंपनी को 1,500 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. यह राशि वॉरंट्स के प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए जुटाई जाएगी. इसका उद्देश्य कंपनी के कारोबार विस्तार और रणनीतिक पहलों को गति देना है. रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड एक वित्तीय सेवा कंपनी है जो भारत में कई तरह की सेवाएं प्रदान करती है. यह मुख्य रूप से लघु और मध्यम उद्यमों को ऋष्रा, किफायती आवास वित्त, स्वास्थ्य बीमा, और खुदरा ब्रोकिंग जैसी सेवाएं देती है. इस राशि में डाबर के मालिक बर्मन परिवार की कंपनियां 750 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी, जो कुल राशि का 50 % है. जबकि शेष राशि हिंदुस्तान टाइम्स लिमिटेड, निवेशक आशीष धवन, जेएम फाइनेंशियल क्रेडिट सॉल्यूशंस और अन्य निवेशकों द्वारा दी जाएगी.

ई-ट्रक खरीद पर 9.6 लाख तक सब्सिडी

एजेंसी । नयी दिल्ली केंद्र सरकार ने शुक्रवार को ई-ट्रक (इलेक्ट्रिक ट्रक) खरीदने वाले ग्राहकों को 9.6 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता देने की नई योजना की शुरुआत की. भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने पीएम ई-ड्राइव पहल के तहत इस योजना का उद्घाटन किया. योजना का उद्देश्य ई-ट्रकों को बढ़ावा देना है. इसके लिए 10,900 करोड़ रुपये के परिव्यय में से 500 करोड़ रुपये इलेक्ट्रिक ट्रकों के लिए निर्धारित किए गए हैं. योजना के प्रमुख लाभार्थी बंदरगाह, यातायात सेवाओं व उत्पाद से जुड़ी कंपनियां, सीमेंट और इस्पात उद्योग होंगे. इसके तहत 5,600 इलेक्ट्रिक ट्रकों को समर्थन दिया जाएगा. इस मौके पर कुमारस्वामी ने कहा, डीजल ट्रक, कुल वाहन संख्या का केवल 3 प्रतिशत हैं, इसके बावजूद वायु प्रदूषण को काफी हद तक बढ़ाते हैं. योजना के तहत दिल्ली में पंजीकृत होने वाले लगभग 1,100 ई-ट्रकों के लिए प्रोत्साहन राशि आरक्षित की गई है.

पहली बार एक करोड़ रुपये के पार पहुंचा बिटकॉइन

क्रिप्टोकरंसी मार्केट में तेजी का रुख, रचा नया इतिहास

एजेंसी । नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी और लोकप्रिय क्रिप्टोकरंसी बिटकॉइन ने पहली बार एक करोड़ रुपये के स्तर को पार करके नया इतिहास रच दिया. भारतीय समय के अनुसार शाम 6 बजे बिटकॉइन 1,18,033 यानी करीब 1.01 करोड़ रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था. बताया जा रहा है कि अमेरिका में बिटकॉइन ईटीएफ में हुए रिकॉर्ड इन्वेस्टमेंट और दुनिया के कई बड़े संस्थागत निवेशकों द्वारा की गई खरीदारी की वजह से इस क्रिप्टोकरंसी की कीमत में अचानक इतनी तेजी आई है. कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि बिटकॉइन ने 1,18,000 डॉलर के स्तर को पार करके ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना दिया है. उनका मानना है कि अगर बाजार की स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ तो बिटकॉइन जल्दी ही 1,25,000 डॉलर के स्तर तक भी पहुंच सकता है. इस क्रिप्टोकरंसी ने अप्रैल के महीने में ही कंसोलिडेशन का सामना किया था, लेकिन अब इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की खरीदारी और क्रिप्टो मार्केट में बने बुलिश सेंटीमेंट की वजह से बिटकॉइन ने जबरदस्त तेजी दिखाई है. इस साल जनवरी में 1 लाख डॉलर का आंकड़ा छूने के बाद अप्रैल के महीने में बिटकॉइन 75,000 डॉलर के स्तर तक गिर गया था. इस गिरावट के बाद क्रिप्टो मार्केट में एक बार फिर तेजी का रुख बना शुरू हुआ, जिसकी वजह से इस क्रिप्टोकरंसी ने एक बार फिर 1 लाख डॉलर के स्तर को पार करने में सफलता हासिल कर ली. बिटकॉइन की तेजी की वजह से इसके मार्केट कैप ने ताइवानी और ऑस्ट्रेलियन डॉलर को भी पीछे छोड़ दिया है. लॉन्ग टर्म होल्डर्स की हिस्सेदारी बढ़ने का मतलब इस क्रिप्टोकरंसी की मजबूती के प्रति लोगों के बढ़ते विश्वास को समझा जाता है.

डॉलर की तुलना में 15 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली । ट्रेड टैरिफ की अनिश्चितता और इंडियन स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों द्वारा जमकर की गई बिकवाली के कारण भारतीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर की तुलना में गिरावट का शिकार हो गई. रुपया डॉलर की तुलना में 15 पैसे की कमजोरी के साथ 85.79 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ. इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय मुद्रा 85.64 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी. रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ की थी. इंटर बैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की कमजोरी के साथ 85.76 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी. दिन के कारोबार के दौरान कुछ समय के लिए डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपया 27 पैसे फिसल कर 85.91 के स्तर तक भी आ गया था, लेकिन इसके बाद डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपया सुधर कर 85.78 के स्तर तक पहुंच गया. अंत में रुपया पिछले बंद भाव से 15 पैसे की गिरावट के साथ 85.79 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ.

देश का विदेशी मद्रा भंडार तीन अरब डॉलर घट कर 699.74 अरब पहुंचा

मुंबई । अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है. देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार जुलाई को समाप्त हफ्ते में 3.05 अरब डॉलर घटकर 699.74 अरब डॉलर रह गया है. इससे पिछले हफ्ते के दौरान कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.85 अरब डॉलर बढ़कर 702.78 अरब डॉलर पर पहुंच गया था. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि चार जुलाई को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.54 अरब डॉलर घटकर 591.29 अरब डॉलर रह गईं. इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 34.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.85 अरब डॉलर हो गया. आरबीआई के मुताबिक चार जुलाई को समाप्त हफ्ते में विशेष आहरण अधिकार 3.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.87 अरब डॉलर पर पहुंच गया. आंकड़ों के अनुसार इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 10.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.74 अरब डॉलर हो गया. देश का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में बढ़कर अबतक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर 704.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया था.

डीजीजीआई बेंगलुरु इकाई का मामला

266 करोड़ के फर्जी बिल मामले में छह कंपनी का हुआ पर्दाफाश

एजेंसी । नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की बेंगलुरु क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने एक मामले की जांच के दौरान नई दिल्ली में 6 से अधिक परिसरों में तलाशी ली. अधिकारियों ने तलाशी के दौरान 266 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के फर्जी चालानों का खुलासा किया, जिसमें फर्जी कंपनियों से 48 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाना और उसे आगे बढ़ाना शामिल था. वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि जीएसटी की खुफिया शाखा डीजीजीआई ने दिल्ली शहर में छह परिसरों की तलाशी ली और 266 करोड़ रुपये के फर्जी चालान और फर्जी कंपनियों से 48 करोड़ रुपये के फर्जी आईटीसी पारित करने का खुलासा किया है. मंत्रालय ने कहा कि जीएसटी खुफिया महानिदेशालय की बेंगलुरु क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों द्वारा बेंगलुरु में शुरू की गई एक मामले की जांच में पाया गया कि बिना किसी व्यावसायिक गतिविधि के 4 कंपनियों ने सैकड़ों करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं की प्राप्ति दिखाई है. मंत्रालय ने बताया कि मास्टरमाइंडों ने बिना किसी व्यावसायिक गतिविधि के फर्जी कंपनियां बनाईं, कारोबार बढ़ाने के लिए सर्कुलर ट्रेडिंग की, एक कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कराया और आईटीसी धोखाधड़ी में लिप्त रहे. वित्त मंत्रालय के मुताबिक जांच से पता चला है कि बिना किसी व्यावसायिक गतिविधि के चार कंपनियों ने सैकड़ों करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं की प्राप्ति दिखाई है. इन कंपनियों के परिसरों की तलाशी के दौरान मुख्य आरोपित के परिसरों से मूल दस्तावेज़, जैसे चालान और मुहरें, बरामद की गईं. इस मामले के मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है. वित्त मंत्रालय ने कहा कि सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा सर्कुलर ट्रेडिंग और फर्जी आईटीसी के उपयोग से जीएसटी धोखाधड़ी के ऐसे पैटर्न का पता चलने के बाद डीजीजीआई ने सेबी अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू करने के लिए हाल ही में सेबी के साथ विशिष्ट जानकारी साझा की है.

रक्षाबंधन पर विशेष

इस वर्ष 9 अगस्त को राखी और 'भारत छोड़ो आंदोलन' की तिथि का संगम

व्यापारियों को इस वर्ष राखी पर 17 हजार करोड़ के व्यापार के उम्मीद: कैट

एजेंसी । नयी दिल्ली

इस वर्ष 9 अगस्त को भारत की अनुपम संस्कृति एवं सभ्यता का प्रतीक भाई-बहन का पवित्र पर्व 'रक्षाबंधन' देशभर में मनाया जाएगा. इस बार राखी का त्यौहार विशेष है, क्योंकि इसी दिन 'भारत छोड़ो आंदोलन' की वर्षगांठ भी है. कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने देशभर के व्यापारियों से आग्रह किया है कि वो इस बार राखी त्यौहार को 'राष्ट्रभक्ति राखी उत्सव' के तौर पर मनाएं. कैट की ओर से जारी एक अनुमान के अनुसार इस वर्ष राखी पर देशभर में करीब 17 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है. चांदनी चौक से सांसद तथा कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि एक ओर जहां यह दिन भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक होगा, वहीं दूसरी ओर देशभक्ति की भावना को भी जीवंत करेगा. इस अनूठे संयोग को देखते हुए देशभर के व्यापारी वर्ग ने बड़े पैमाने पर राखी के त्यौहार पर राखी की बिक्री के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं. उन्होंने कहा कि भारत की तीनों सेनाओं के शौर्य और वीरता को सम्मान देने के लिए कैट की पहल पर देशभर से महिला उद्यमी तीनों सेनाओं के सैनिकों को राखियां भेजकर इस बात का एहसास कराएंगी कि सारा देश उनके साथ है. कैट इस संबंध में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलकर सैनिकों के लिए उनको राखियों की एक खेप भी सौंपेगा.

खंडेलवाल ने कहा कि कैट को इस वर्ष राखी त्यौहार के मौके पर लगभग 17,000 करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार होने की उम्मीद है. वहीं, मिठाइयां एवं ड्राई फ्रूट्, गिफ्ट पैक, हैम्पर्स, सजावट सामग्री, परिधान, सौंदर्य प्रसाधन, पूजा सामग्री और पैकेजिंग आदि का भी करीब 4 हजार करोड़ रुपये का व्यापार का अनुमान है. कैट ने देशभर के व्यापार मंडल, स्थानीय बाजार संघ और ट्रेड एसोसिएशन को इस बार राखी को 'राष्ट्रभक्ति राखी महोत्सव' के रूप में भी मनाने का आवाहन किया है.

कैट की वेद एवं धार्मिक कमेटी के चेयरमैन तथा प्रसिद्ध ज्योतिष आचार्य श्री दुर्गेश तारे ने बताया कि रक्षा बंधन का पर्व भद्रा रहित व अपराह्न काल में मनाने का शास्त्रीय विधान है. इस वर्ष श्रावण पूर्णिमा 9 अगस्त को रक्षा बंधन का पर्व प्रातःकाल से दोपहर 1.38 मिनट तक ही मनाना उत्तम रहेगा क्योंकि यह समय भद्रा से मुक्त एवं श्रवण नक्षत्र से युक्त है.

ऋण व व्यवसाय का पहला एक्सपो समृद्धि कॉन्क्लेव में

1-3 अगस्त तक भारत मंडपम में

एजेंसी । नयी दिल्ली

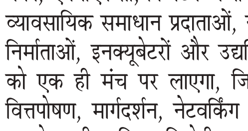

देश का पहला ऋष्रा एवं व्यवसाय एक्सपो समृद्धि कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन 1 से 3 अगस्त तक राजधानी के भारत मंडपम में होगा. यह सम्मेलन समावेशी वित्तीय सशक्तिकरण और उद्यमशीलता के पुनरुत्थान की दिशा और 20247 विकसित भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतीक साबित होने वाला है. कॉन्क्लेव की समन्वय समिति के अध्यक्ष डॉ. राजीव दुबे ने शुक्रवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह केवल आयोजन नहीं है, बल्कि यह हर उस उद्यमी के आर्थिक उत्थान के लिए राष्ट्रीय आंदोलन है, जो महत्वाकांक्षी होने के बावजूद पहुंच से वंचित है. समन्वय समिति की उपाध्यक्ष पूनम गुप्ता ने कहा कि यह सम्मेलन बैंकों, एनबीएफसी, फिनटेक कंपनियों, व्यावसायिक समाधान प्रदाताओं, नीति निर्माताओं, इनक्यूबेटरों और उद्यमियों को एक ही मंच पर लाएगा, जिससे वित्तपोषण, मार्गदर्शन, नेटवर्किंग और सहयोग की सुविधा मिलेगी. उन्होंने बताया कि पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, केकेजीए पार एक्सीलेंस प्राइवेट लिमिटेड, सागा, कैट, एआईएआई, हाउस ऑफ एमएलएमसी, एफएम रेडियो मिर्ची और ग्राफिसैड्स की इस संयुक्त पहल का उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना, विकास पूंजी को खोलना और एमएसएमई, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और देश के युवाओं के लिए नए अवसर प्रदान करना है.

न्यूज अपडेट

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन माझी ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली । ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की. प्रधानमंत्री कार्यालय ने दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीर एक्स पर साझा करते हुए यह जानकारी दी. मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने एक्स पोस्ट में कहा, "आज मुझे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. ओडिशा के विकास के लिए उनकी प्रेरणा और अटूट सहयोग के लिए मैं आभारी हूं. इस अवसर पर ओडिशा के विभिन्न विकास कार्यों, भावी कार्य योजनाओं, केंद्र-राज्य समन्वय और राज्य के समग्र विकास को गति देने पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई. समृद्ध ओडिशा, विकसित भारत के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए केंद्र और राज्य मिलकर प्रतिबद्ध हैं.

एएआईबी की जांच रिपोर्ट पर जल्द बाजी में न निकालें निष्कर्ष: नायडू

नई दिल्ली । केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने शनिवार को कहा कि अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया के विमान हादसे को लेकर विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की रिपोर्ट प्रारंभिक निष्कर्षों पर आधारित है. इसकी अंतिम रिपोर्ट जारी होने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने में जल्दबाजी नहीं करना चाहिए. एएआईबी की रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया में नायडू ने मीडियाकर्मियों से कहा, 'हमें इंतज़ार करना चाहिए. यह एक प्रारंभिक रिपोर्ट है. मंत्रालय में हम इसका विश्लेषण कर रहे हैं. मुझे लगता है कि अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही हम इस पर टिप्पणी करें तो बेहतर होगा.' नागरिक उड्डयन मंत्री ने आश्वासन दिया कि अहमदाबाद विमान हादसे की अंतिम रिपोर्ट जारी होने के बाद इस हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ितों के परिवारों को न्याय मिलेगा.

जम्मू-कश्मीर में उल्लेखनीय बदलाव हो रहे हैं: उपराज्यपाल

श्रीनगर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में उल्लेखनीय बदलाव हो रहे हैं, खास तौर पर शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और आर्थिक क्षेत्र इसमें शामिल हैं. शोपियां में बोलते हुए उपराज्यपाल ने बदलती मानसिकता और उन झूठे आख्यानों को खत्म करने पर ज़ोर दिया जो कभी आर्मी गुडविल स्कूल जैसी पहलों में सामुदायिक भागीदारी को हतोत्साहित करते थे. उन्होंने सवाल किया कि एक समय लोगों से कहा जाता था कि वह अपने बच्चों को आर्मी गुडविल स्कूलों में न भेजें. डर और अविश्वास पैदा करने के लिए आख्यान गढ़े जाते थे लेकिन आपसे पूछता हूँ कि अगर हमारे बहादुर सैनिक हमारी सीमाओं की रक्षा कर सकते हैं तो वह हमारे बच्चों को शिक्षित करने में मदद क्यों नहीं कर सकते.

मणिपुर में अलग-अलग संगठनों के 23 उग्रवादी गिरफ्तार किए गए

इंफाल । मणिपुर के तीन जिलों में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए तलाशी अभियानों में अलग-अलग संगठनों के 23 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस के अनुसार, ये सभी विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े हुए हैं. पुलिस ने शनिवार को बताया कि इंफाल वेस्ट जिले के महाराबी इलाके से प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (वीसी-रेड आर्मी) का एक कैडर पकड़ा गया. इसके अलावा, केसीपी (टी) संगठन से जुड़े दो उग्रवादी, एक इंफाल वेस्ट के फुमलौ ममांग लाइकै और दूसरा इंफाल ईस्ट के केबी खुलेन गांव से गिरफ्तार किए गए हैं. इंफाल वेस्ट के विभिन्न हिस्सों से केसीपी संगठन के तीन सक्रिय कैडरों को पकड़ा गया.

दिल्ली के वेलकम क्षेत्र की जनता कॉलोनी में चार मंजिली इमारत गिरी

नई दिल्ली । दिल्ली के वेलकम क्षेत्र स्थित जनता कॉलोनी में शनिवार सुबह एक चार मंजिली इमारत अचानक भरभरा कर गिर गई. यह हादसा सुबह करीब 7 बजे हुआ, जब अधिकतर लोग अपने काम पर जाने की तैयारी कर रहे थे. मामले की सूचना मिलते ही दमकल की 7 गाड़ी मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया. दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग के अनुसार अभी तक दमकलकर्मियों ने आठ लोगों को मलबे से बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां सभी का इलाज चल रहा है. फिलहाल बचाव कार्य जारी है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मलबे में 10 से 12 लोगों के दबे होने की आशंका है. मौके पर दिल्ली पुलिस, दमकल और एनडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है.

पद्मश्री सानु का निधन, राज्यपाल और सीएम ने शोक व्यक्त किया

गंगटोक । सिक्किम के एक वरिष्ठ साहित्यकार और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित सानु लामा का शनिवार सुबह सिलीगुड़ी के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया. सिक्किम के राज्यपाल और मुख्यमंत्री सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और वरिष्ठ साहित्यकारों लामा के निधन पर शोक व्यक्त किया है. सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने आज जारी अपने शोक संदेश में कहा कि वरिष्ठ साहित्यकार सानु लामा के निधन का समाचार सुनकर उन्हें गहरा दुख हुआ है. उन्होंने सानु लामा के निधन को साहित्य जगत और सिक्किम के लोगों के लिए अपूरणीय क्षति बताया. उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम में भाजपा कार्यालय का किया उद्घाटन, बोले-

2026 में होने वाले विस चुनाव में भाजपा सरकार बनाएगी

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्मित प्रदेश कार्यालय 'मरारजी भवन' का उद्घाटन किया. इस मौके पर उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और उनसे इस साल होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव और 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव में जुट जाने का आह्वान किया. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन के दौरान यह दावा किया कि केरल में इस साल होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव और 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी न केवल बड़ी जीत हासिल करेगी, बल्कि राज्य में सरकार भी बनाएगी. उन्होंने कहा कि केरल में एनडीए की सरकार बनाने का समय आ गया है. स्थानीय चुनावों में भाजपा 25 प्रतिशत से ज़्यादा वोट हासिल करेगी और 2026 में सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ेगी. उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यालय के उद्घाटन के साथ ही इसके लिए एक अवसर पैदा हो रहा है. अमित शाह ने कहा कि भाजपा के बिना केरल का विकास नहीं हो सकता.

जिला न्यायाधीश फ्रिम्पोंग ने ट्रंप प्रशासन को दिया आदेश

लॉस एंजिल्स व कैलिफोर्निया में आव्रजन छापे फौरन रोकें

एजेंसी । लॉस एंजिल्स

संघीय न्यायाधीश मामे इवुसी-मेन्सा फ्रिम्पोंग ने शुक्रवार को अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) के नागरिक अधिकार मुकदमे के पक्ष में फैसला सुनाया. संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को तत्काल लॉस एंजिल्स और कैलिफोर्निया के कई अन्य काउंटियों में आव्रजन छापों को अस्थायी रूप से रोकने का आदेश दिया. छापे की यह कार्रवाई कई दिनों से संयुक्त राज्य अमेरिका आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) कर रहा है. न्यायाधीश ने कहा कि इन छापों को तत्काल रोका जाए. सीबीएस न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, जिला न्यायाधीश फ्रिम्पोंग ने फैसले में लिखा, आईसीई संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के चौथे संशोधन का उल्लंघन कर रहा है. न्यायाधीश ने निर्धारित किया कि संघीय एजेंट बिना पुख्ता साक्ष्य के धरपकड़ नहीं कर सकते. एसीएलयू और आप्रवासी अधिकार समूहों ने कानूनी दस्तावेज में दावा किया कि संघीय एजेंट रंगभेद के आधार पर लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं. बिना वारंट के छापा मार रहे हैं. लोगों को कानूनी सलाह नहीं लेने देते. संघीय एजेंट खुलेआम संविधान का उल्लंघन

कर रहे हैं.

सभी को गैरकानूनी रोक से बचाने के लिए संवैधानिक अधिकार दिए गए : एसीएलयू के वकील मोहम्मद ताजसर ने कहा, चाहे उनकी त्वचा का रंग कुछ भी हो, वे कोई भी भाषा बोलते हों या कहीं भी काम करते हों, सभी को गैरकानूनी रोक से बचाने के लिए संवैधानिक अधिकार दिए गए हैं. हालांकि ट्रंप प्रशासन के वकीलों ने मुकदमे के दौरान इन दावों का खंडन किया. अमेरिकी न्याय विभाग ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की कि संघीय सरकार इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी या नहीं. अमेरिकी अटॉर्नी बिल एसेली ने फैसले के बाद एक्स पोस्ट में कहा कि संघीय एजेंट कानून लागू करते रहेंगे और अमेरिकी संविधान का पालन करेंगे. हम मुकदमे में लगाए गए आरोपों से पूरी तरह असहमत हैं. हम यह मानते हैं कि एजेंटों ने कभी भी बिना उचित कानूनी औचित्य के किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं लिया. इस फैसले पर कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने कहा, आज न्याय की जीत हुई. अदालत के फैसले से संघीय आव्रजन अधिकारियों के लोगों के अधिकारों का उल्लंघन करने और नस्लीय भेदभाव करने पर अस्थायी रोक लग गई है. बताया गया है कि संघीय जज फ्रिम्पोंग ने दो अस्थायी निरोधक आदेश जारी किए हैं. सनद रहे, जज फ्रिम्पोंग की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन ने की थी. फ्रिम्पोंग ने अपने फैसले में ट्रंप प्रशासन की जमकर आलोचना की है. फ्रिम्पोंग ने फैसले में लिखा, बिना किसी संदेह के गश्ती दल का घूमना संविधान के चौथे संशोधन का उल्लंघन है और वकीलों को पहुंच से वंचित करना संविधान के पांचवें संशोधन का उल्लंघन है.

इस मुकदमे के केंद्र में मोंटेबेलो निवासी ब्रायन गाविडिया हैं. उन्हें पिछले महीने आव्रजन एजेंटों ने हिरासत में लिया था. गाविडिया ने गुरुवार को लॉस एंजिल्स में अदालत के बाहर कहा, मेरे अमेरिकी होने की बात कहने और साबित करने के बाद भी एजेंटों ने मेरा फोन छीन लिया.

ब्राजील का राष्ट्रपति कार्यालय अमेरिका से आने वाले 'टैरिफ' को रिसीव नहीं करेगा

ब्रासीलिया/वाशिंगटन । ब्राजील का राष्ट्रपति कार्यालय अमेरिका से भौतक रूप से आने वाले डोनाल्ड ट्रंप के 50 प्रतिशत वाले पत्र 'बोल्सोनारो इफैक्ट टैरिफ' को रिसीव नहीं करेगा. ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने अपने राजनयिकों को इस आशय का आदेश दिया है. अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम से ब्राजील के राष्ट्रपति भड़के हुए हैं. अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने आरोप लगाया कि ट्रंप की ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो से मित्रता है. इसलिए वह जेयर के खिलाफ चल रहे आपराधिक मुकदमे को खत्म करने का दबाव बनाने के लिए आयात करों में 50 फीसद की वृद्धि करने के वादे पर आमादा हैं. उन्होंने कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रंप यह टैरिफ ब्राजील पर लगाते हैं तो वह अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाएंगे. लूला ने कहा कि अगर अमेरिका के साथ बातचीत विफल हो जाती है, तो वे इस साल की शुरुआत में कांग्रेस से मंजूर किए गए ब्राजील के पारस्परिकता कानून को लागू कर देंगे. सीबीएस का मानना है कि लूला की टिप्पणियों से दोनों देशों के बीच टैरिफ युद्ध छिड़ने का खतरा बढ़ गया है. ऐसा इसलिए कि ट्रंप की जिद है कि अगर कोई देश अपने टैरिफ लगाकर अमेरिका को दंडित करने की कोशिश करेगा, तो वह इसका कड़ा जवाब देंगे. इस घटनाक्रम के बाद लूला के आलोचक भी अमेरिका के खिलाफ हो गए हैं. ब्राजील सीनेट के अध्यक्ष सीनेटर डेवी अल्कोलुम्ब्रे और चैंबर ऑफ डेप्युटीज के अध्यक्ष ह्यूगो मोट्टा ने कहा कि पारस्परिकता कानून लागू करना ही बेहतर विकल्प है.

ईडी ने की बड़ी कार्रवाई

सहारा ग्रुप के पूर्व निदेशक अनिल व ब्रोकर जीतेंद्र को किया गिरफ्तार

एजेंसी । कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोलकाता यूनिट ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में सहारा ग्रुप पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है. इनमें सहारा ग्रुप के पूर्व निदेशक अनिल अब्राहम और एक पुराने प्रॉपर्टी ब्रोकर जीतेंद्र प्रसाद शामिल हैं. ईडी के सूत्रों के अनुसार, अनिल अब्राहम और जीतेंद्र प्रसाद पर सहारा ग्रुप की मिलीभगत से कई प्रॉपर्टी गैर-कानूनी तरीके से बेचने और उस धन को मनीलॉन्ड्रिंग के ज़रिए इधर-उधर करने का आरोप है. इस पूरे मामले में करोड़ों रुपये के लेन-देन का संदेह है. ईडी के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि एजेंसी ने हाल ही में कोलकाता में छापेमारी की थी, जिसके दौरान ये गिरफ्तारियां हुईं. ईडी की इस रेड में कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज़ भी बरामद किए गए हैं, जिनके आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है. ईडी अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई सहारा ग्रुप के खिलाफ चल रही उस बड़ी जांच का हिस्सा है जिसमें आम जनता की भारी भरकम रकम बकाया है.

सिमलताल बस हादसा

नदीं में गिरी दो बसें व 6 भारतीय सहित 40 यात्री अब तक लापता

काठमांडू । नेपाल के नारायणघाट स्थित सिमलताल में एक साथ दो यात्री बसों के नदी में गिरने की घटना को एक साल हो गया, लेकिन अब तक दोनों ही बसों और 40 यात्रियों का कोई पता नहीं लग सका है. 12 जुलाई 2024 को सिमलताल में दो बस टकराने के बाद त्रिशूली नदी में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी थीं.इसमें से एक बस बीरगंज से काठमांडू आ रही थी जबकि दूसरी काठमांडू से बीरगंज की तरफ जा रही थी. इन दोनों बसों में चालक समेत कुल 63 लोग सवार थे, जिसमें 6 भारतीय थे. हादसे के दौरान तीन यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई थी. कुछ दिन की मशक्कत के बाद 20 यात्रियों के शव बरामद किए गए थे.

उत्तराखंड : नेपाल सीमा पर 10.23 करोड़ की ड्रग्स जब्त, महिला तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी । चंपावत

उत्तराखंड की चंपावत पुलिस ने शनिवार को नेपाल सीमा के शारदा नहर क्षेत्र में 5.688 किलोग्राम एमडीएमए ड्रग्स, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10.23 करोड़ रुपये है, बरामद की. एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका पति और साथी फरार हो गए. पुलिस अधिक्षक (एसपी) अजय गणपति ने पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि यह गैंग पिथौरागढ़ जिले के थल क्षेत्र में एक लैब चला रहा था, जहां यह ड्रग्स तैयार की जाती थी. पिथौरागढ़ पुलिस ने पहले ही उस लैब को सील कर वहां से उपकरण जब्त कर लिए हैं. जांच में नेपाल और नाइजीरिया जैसे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से इनके संबंधों की भी जांच की जा रही है. यह ड्रग्स महाराष्ट्र, दिल्ली व अन्य बड़े महानगरों के क्लबों और हाई प्रोफाइल पार्टियों में सप्लाई की जानी थी. इसके प्रयोग में युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, खासतौर पर मेट्रो

शहरों में इसकी भारी डिमांड है. गिरफ्तार महिला की पहचान इशा, पत्नी राहुल कुमार, निवासी पंपापुर, बनबसा के रूप में हुई है. चेकिंग के दौरान महिला को नहर की ओर जाते देखा गया, जिसके पास से एक बैग में भारी मात्रा में एमडीएम मिला. महिला के फरार पति राहुल कुमार और उसके साथी कुणाल कोहली की तलाश जारी है. उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में चंपावत पुलिस की ओर से चार करोड़ रुपये से अधिक के नशीले पदार्थ बरामद किए गए थे. 2025 में अब तक 11 करोड़ से अधिक के ड्रग्स जब्त किए जा चुके हैं.

बेंगलुरु भगदड़ मामले में आरसीबी, केएससीए और पुलिस है जिम्मेदार

बेंगलुरु । बेंगलुरू में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ की घटना पर गठित जांच आयोग की रिपोर्ट मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को सौंप दी गयी है. न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) माइकल डी. कुन्हा की एकल सदस्यीय जांच आयोग की रिपोर्ट में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी), कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) और बेंगलुरु पुलिस के अधिकारियों को घटना के लिए प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार ठहराया गया है. रिपोर्ट में ऐसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कई सिफारिशें भी की गई हैं. न्यायमूर्ति माइकल कुन्हा की जांच रिपोर्ट में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू फ्रेंचाइजी, इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और शहर के कई पुलिस अधिकारियों को चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है.

कूनों राष्ट्रीय उद्यान का मामला

मादा चीता नाभा की मौत, एक सप्ताह पहले हुई थी घायल

- नाभा की मौत के बाद कूनों उद्यान में चीतों की संख्या घटकर 26 रह गई है.

एजेंसी । भोपाल

मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता प्रोजेक्ट के तहत नामीबिया से लाई गई मादा चीता नाभा की शनिवार को मौत हो गई है. वह एक सप्ताह पहले घायल हालत में मिली थी. कूनो प्रबंधन ने इसकी जानकारी मीडिया से साझा की है. नाभा की मौत के बाद कूनों उद्यान में चीतों की संख्या घटकर 26 रह गई है. सिंह परियोजना के फील्ड डायरेक्टर ने बताया कि कूनो नेशनल पार्क की 8 वर्षीय नामीबियाई मादा चीता नाभा की शनिवार सुबह मृत्यु हो

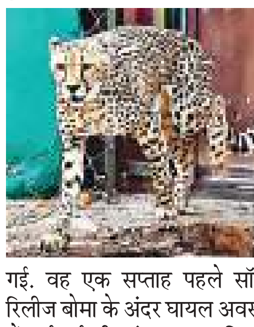

गई. वह एक सप्ताह पहले सॉफ्ट रिलीज बोमा के अंदर घायल अवस्था में पाई गई थी. संभवतः वह शिकार के प्रयास के दौरान घायल हुई थी. अन्य चोटों के साथ उसके दोनों बाएं आगे एवं पिछले पैरों में फ्रैक्चर पाया गया था. एक हफ्ते से उसका इलाज चल रहा था, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका. शनिवार को उसकी मृत्यु हो गई. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की जानकारी मिल पाएगी.

ताइवान के आसपास चीन ने सैन्य गतिविधियां तेज कीं नौ विमान एडीआईजेड में घुसे

ताइपे (ताइवान) । चीन ने एकबार फिर ताइवान के आसपास सैन्य गतिविधियां तेज कर दी हैं. ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने शनिवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक ताइवान के आसपास चीन के 14 सैन्य विमानों, नौ नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज की गतिविधियों का पता लगाया. इन 14 सैन्य विमानों में से नौ तो मध्य रेखा को पार कर ताइवान के उत्तरी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश भी किया. ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर यह विवरण साझा किया है. मंत्रालय ने कहा कि ताइवान के सशस्त्र बल स्थिति पर नजर रख रहे हैं. ताइपे टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, चीन अपने जहाजों के माध्यम से ताइवान इलाके में गुआम के आसपास समुद्री तल का मानचित्रण कर रहा है.

प्यू रिसर्च सेंटर का विश्लेषण : सबसे तेज बढ़ती आबादी पर रिपोर्ट... मुस्लिम सबसे आगे, ईसाई घटे

हिंदुओं की संख्या में भी आई कमी, पर इजरायल के लिए खतरे की घंटी

शुभम संदेश डेस्क

दुनिया भर में 2010-2020 के दौरान मुसलमान सबसे तेजी से बढ़ते धार्मिक समूह के रूप में उभरे हैं. वहीं, दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समूह ईसाइयों की वैश्विक आबादी में हिस्सेदारी 1.8 प्रतिशत अंक घटकर 28.8% हो गई. प्यू रिसर्च सेंटर के विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई है. रिपोर्ट में हिंदुओं की आबादी दुनिया की कुल आबादी के लगभग समान दर से बढ़ी, जो 2020 में 1.2 अरब तक पहुंच गई, जिनमें से 95% भारत में हैं. खास बात है कि इस रिपोर्ट में इजरायल के लिए खतरे की घंटी जैसी बात सामने आई है.

हिंदुओं की कितनी आबादी : 2020 तक, भारत में हिंदुओं की आबादी 79% थी, जबकि 2010 में यह 80% थी. 2010 से 2020 तक वैश्विक धार्मिक परिदृश्य कैसे बदला शीर्षक वाले विश्लेषण से पता चला है कि मुसलमानों की हिस्सेदारी 2010 में 14.3% से बढ़ कर 2020 में 15.2% हो गई. वैश्विक स्तर पर, मुसलमानों के अलावा, बिना किसी धार्मिक संबद्धता वाले लोग-जिन्हें कभी-कभी 'नोनेस' कहा जाता है- दुनिया की आबादी के प्रतिशत के रूप में बढ़ने वाला एकमात्र वर्ग था. इनकी संख्या 27 करोड़ बढ़कर 1.9 अरब हो गई. नोनेस का हिस्सा लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 24.2% हो गया.

इजरायल के लिए क्यों है खतरे की घंटी : रिसर्च से पता चलता है कि मुसलमानों की संख्या में 34.7 करोड़ की वृद्धि हुई है. ये अन्य सभी धर्मों की संयुक्त संख्या से भी अधिक है. विश्व की मुस्लिम आबादी का हिस्सा 1.8 प्रतिशत अंक बढ़कर 25.6% हो गया. वैश्विक जनसंख्या के अनुपात के रूप में, हिंदू 2020 में 14.9% पर स्थिर रहे। 2010 में यह आंकड़ा 15% था. दुनिया भर में हिंदुओं की संख्या 2010 से 2020 तक 12% बढ़ी, जो 1.1 अरब से थोड़ा कम से बढ़कर लगभग 1.2 अरब हो गई. बौद्ध एकमात्र प्रमुख धार्मिक समूह था, जिसकी जनसंख्या 2020 में एक दशक पहले की तुलना में कम थी. 2010 में, ईसाई वैश्विक जनसंख्या का 30.6% थे. इसके बाद मुस्लिम (23.9%), हिंदू (15%), बौद्ध (4.9%), असंबद्ध (23.3%), अन्य धर्म (2.2%) और यहूदी (1% से कम) हैं. यहूदियों की दुनिया से घटती जनसंख्या ही इजरायल के लिए खतरे की घंटी जैसी है.

डेमोग्राफी में क्यों आ रहा बदलाव : यह विश्लेषण धार्मिक जनसांख्यिकी में बदलाव लाने वाले विभिन्न कारकों की ओर ध्यान आकर्षित करता है. वैश्विक जनसंख्या में ईसाइयों की हिस्सेदारी में कमी का एक प्रमुख कारण व्यापक रूप से धर्म परिवर्तन है. ईसाइयों में यह 'धार्मिक विमुखता' उनके जनसांख्यिकीय लाभ (उच्च प्रजनन क्षमता) को नकार देती है. मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि मुख्यतः उनकी अपेक्षाकृत कम आयु और उच्च प्रजनन दर के कारण है. हिंदू विश्व की जनसंख्या में एक स्थिर हिस्सेदारी बनाए हुए हैं क्योंकि उनकी प्रजनन क्षमता वैश्विक औसत के समान है. सर्वेक्षणों से संकेत मिलता है कि हिंदू शायद ही कभी अपना धर्म परिवर्तन करते हैं.

2010 में मुसलमान बच्चों का अनुपात सबसे अधिक : विश्लेषण से पता चलता है कि 2010 में मुसलमानों में बच्चों का अनुपात सबसे अधिक था. दुनिया के 35% मुसलमान 15 साल से कम उम्र के थे. उसके बाद हिंदुओं (31%) का स्थान था. रिसर्च में पाया गया है कि धर्म परिवर्तन के कारण मुसलमानों और हिंदुओं में अनुयायियों के बढ़ने या खोने की संभावना सबसे कम है. मुस्लिम या हिंदू परिवार में पले-बढ़े लगभग हर 100 वयस्कों में से एक ने अपना मूल धर्म छोड़ दिया है. किसी अन्य धार्मिक समूह के इतने ही लोगों ने इस्लाम या हिंदू धर्म अपना लिया है.

इस्राइली हमलों में 28 फलस्तीनियों की मौत

नयी दिल्ली । गाजा पट्टी में इस्राइली हवाई हमलों में 28 फलस्तीनियों की मौत हो गई है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं. अस्पताल के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि मध्य गाजा के दीर अल-बलाह इलाके में इस्राइली हवाई हमलों के बाद मरने वालों में बच्चे और दो महिलाएं भी शामिल हैं. शुक्रवार रात से शुरू हुए इन हमलों में यहां 13 लोगों की जान गई. वहीं, नासेर अस्पताल ने बताय कि एक पेट्रोल पंप के पास हुए हमलों में चार और लोगों की मौत हुई. दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में इस्राइली हमलों में 15 अन्य लोगों की जान गई. इस्राइली सेना ने एक बयान में कहा कि पिछले 48 घंटों में गाजा पट्टी में करीब 250 ठिकानों को निशाना बनाया गया.

स्वायत्ताधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक सुरजीत सिंह द्वारा फ्लैट नंबर 48, श्रीवाटिका अपार्टमेंट, चेशायर होम रोड, रेजीमेंटल गेट नंबर 1 के सामने, पोस्ट कोकर, पीएस सदर, रांची - 834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : सुरजीत सिंह. स्थानीय संपादक : संजय सिंह*** फोन नंबर 0651-2961734. (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.**)